ISSN 2349-6614

अप्रैल, 2017

मूल्य : 25 ₹

प्रत्यूष

हिन्दी मासिक पत्रिका

मोदी की चौंकाने वाली कामयाबी इम्तहान अभी और बाकी

महाराणा मेवाड़ सम्मान समर्पण 2017

सर एन्गस डेटन के प्रतिनिधी व कवि शैलेष लोढ़ा अरविन्द सिंह मेवाड़ से सम्मान ग्रहण करते हुए।

प्रकाशन की तिथि प्रत्येक माह की 23 तारीख वर्ष 15 अंक 2 Postal Registration No. RJ/UD/29-62/2015-2017 Posting Date : 27th-28th of Every Month RNI No. : RAJHIN/2003/9297 Posting Office : Shastri Circle, Udaipur

इन्दिरा
आईवीएफ
माँ से ममता की राह आसान
निःसंतान दम्पितयों हेतु आई.वी.एफ. एक वरदान
निम्न कारण आपको माँ बनने से रोक सकते हैं।
ट्यूब्स बंद होने के प्रमुख कारण
नलियों में रूकावट या अन्य कोई खराबी होना
अंडों का न बनना एवं अंडों का समय पर न फूटना
माहवारी अनियमित होना अंडों का समय पर न फूटना
उम्रदराज महिलाओं में मासिक धर्म का बंद होना
• संक्रमण या इंफेक्शन
• टी.बी. (टयूबर–क्लूसिस)
• नसबंदी का ऑपरेशन
• किसी अन्य ऑपरेशन के दौरान संक्रमण का होना
• ट्यूब में बच्चे का फसना
• ऐंडोमेट्रियोसिस इत्यादि।
बिना ऑपरेशन के माँ बनना संभव
पहले बंद ट्यूबों को खुलवाने के लिए दवा या दूरबीन के ऑपरेशन (लॅप्रोस्कॉपी) का सहारा लिया जाता था, लेकिन अत्याधुनिक युग में दम्पति टेस्ट ट्यूब बेबी (आईवीएफ) तकनीक को अपनाकर संतान सुख की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यह एक कामयाब तकनीक के रुप में उभरी है यह प्रक्रिया उन महिलाओं के लिए भी कारगर साबित हुई है जिनकी एक ट्यूब खुली अथवा दूसरी ट्यूब बंद है।
उपलब्ध सेवाएं
फर्टिलिटी जाँच
IUI • IVF • ICSI • लेज़र हेचिंग
• ब्लास्टोसिस्ट हिस्ट्रोस्कोपी
• लेप्रोस्कोपी • डोनर सर्विसेज़
INDIRA IVF
इन्दिरा आईवीएफ हॉस्पीटल प्राइवेट लिमिटेड
44 अमर निवास, एम.बी. कॉलेज के सामने, कुम्हारों का भट्टा, एयरपोर्ट रोड, उदयपुर
उदयपुर • पुणे • दिल्ली • पटना • जयपुर • इंदौर • अहमदाबाद • लखनऊ • नागपुर • मऊ • मेरठ • आगरा • नाशिक • कोलकाता • बेंगलुरु • चेन्नई • वाराणसी • इलाहाबाद • रांची • फरीदाबाद
HELPLINE 07665009964 / 65
SMS IVF<space>T SEND TO 56677
Website www.indiraivf.com
Email help@indiraivf.in
Online Registration www.indiraivf.com/checkout

‘प्रत्यूष’ के प्रेरणा स्रोत मात श्रीमती प्रमिला देवी शर्मा एवं
तात श्री आनन्दी लाल जी शर्मा
प्रत्यूष परिवार का शत्-शत् नमन चरणों में पुष्प समर्पण

प्रधान सम्पादक **विष्णु शर्मा हितैषी**

सम्पादक **रेणु शर्मा**

प्रबन्ध सम्पादक नीरज शर्मा, डॉ. वीणा शर्मा

विपणन प्रबन्धक नितेश कुमार, नन्द किशोर
मदन, भूमिका, उषा
चन्द्रप्रभा, संगीता

टाइप सेटिंग जगदीश सालवी

Supreme Designs
कम्प्यूटर ग्राफिक्स विकास सुहालका

मुद्रक पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि.
गुलाब बाग रोड, उदयपुर (राज.) फोन : 2418482, 2410659

सलाहकार मण्डल
गोपाल शर्मा (गोपजी), वैभव गहलोत
पवन खेड़ा, नीरज डांगी, कुलदीप इन्दौरा
कृष्ण कुमार हरितवाल, धीरज गुर्जर, अभय जैन
गजेन्द्र सिंह शक्तावत, लाल सिंह झाला
ओम शर्मा, अजय गुर्जर, आदित्य नाग
हेमन्त भागवानी, डॉ. राव कल्याण सिंह
अशोक तम्बोली, सुन्दरदेवी सालवी

छायाकार :
कमल कुमावत, जितेन्द्र कुमावत,
ललित कुमावत

चीफ रिपोर्टर : उमेश शर्मा

जिला संवाददाता
बांसवाड़ा - अनुराग चेलावत
चित्तौड़गढ़ - संदीप शर्मा
नाथद्वारा - लोकेश दवे
डूंगरपुर - सारिका राज
राजसमंद - कोमल पालीवाल
जयपुर - राव संजय सिंह
मोहसिन खान

प्रत्यूष में प्रकाशित सामग्री में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं, इनसे संस्थापक-प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सर्व विवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर होगा।

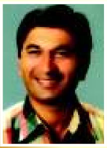

प्रत्यूष
हिन्दी मासिक पत्रिका
प्रकाशक - संस्थापक :
Pankaj Kumar Sharrma
“रक्षाबंधन”, धानमण्डी, उदयपुर-313 001

अप्रैल
2017
वर्ष 15, अंक 2

प्रत्यूष

मूल्य 25 ₹
वार्षिक 300 ₹

अन्दर के पृष्ठों पर...

6 चुनाव परिणाम

केसरिया खेमे में उत्सव

15 आर्थिक अपराध

एटीएम उगल रहे नकली नोट

20 नफ़ा नुकसान

शिवसेना-भाजपा के हाथ मिले

22 प्रसंगवश

सत्ता के नशे में पिट गए विधायक पति

32 अपमिश्रण

ज़हर बनता दूध

कार्यालय पता : ‘रक्षाबन्धन’ धानमण्डी, उदयपुर (राज)
दूरभाष : 0294-2427616, 2414933, 2413477, 2100408-09, फेक्स : 0294-2525499
मोबाइल : 94141-57703(विज्ञापन), वाट्सएप 75979-11992(समाचार-आलेख), 98290-42499(वाट्सएप), 94141-66737
visit us at : www.pratyushpatrika.com, E-mail : pankajkumarsharrma@pratyushpatrika.com
pankajkumarsharma2013@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, संस्थापक, स्वामी पंकज शर्मा की ओर से मुद्रक आशीष बापना द्वारा मैसर्स पायोराइट प्रिन्ट मीडिया प्रा. लि. गुलाब बाग रोड, उदयपुर से मुद्रित तथा ‘रक्षाबन्धन’ धानमण्डी, उदयपुर से प्रकाशित।

Start Your Business
at Prime Location
Offering Selected Shops for
SALE / LEASE / RENT
Call @ 96801-93111
ARVANA
The Shopping Destination
RESIDENTIAL UNITS
CORPORATE OFFICES
SHOPPING STREETS
SUPER MARKET
ROOFTOP RESTAURANT
GAME ZONE
FREE PARKING
FOOD COURT
"ARVANA - THE SHOPPING DESTINATION", HATHIPOLE MAIN ROAD, UDAIPUR-313001 (RAJASTHAN) INDIA
Tel. : +91-294-2420444, Mob. : +91-99832 79111 I Website : www.arvanaudaipur.com

A Product of
अर्चना Panch 5 mani TM
Fragrance
अर्चना TM
एक्टिव
आधुनिक एवं
सर्वश्रेष्ठ तकनीक
का आविष्कार
एक्टिव डिटर्जेन्ट
पाउडर
1 Kg. वाले कट्टे में 25 पाउच
500 Gram वाले कट्टे में 40 पाउच
200 Gram वाले कट्टे में 80 पाउच
निर्माता : पंचमणी फ्रेगरेन्स
कार्यालय : ने. हा. 76, एयरपोर्ट रोड
ग्लास फैक्ट्री चौराहा, खेमपुरा की तरफ
उदयपुर-313001 (राजस्थान)
वेबसाईट : www.archanaagarbatti.com
ई-मेल : sales@archanaagarbatti.com
www.facebook.com/Archana Agarbatti
फोन : 0294-2492161, 2490899
व्यावसायिक पूछताछ एवं डीलरशिप हेतु आर्थिक रूप से सुदृढ़ पार्टियां (वितरक रहित क्षेत्र में) सम्पर्क करें।
मो.: +91-98290 42705, +91-99508 15555

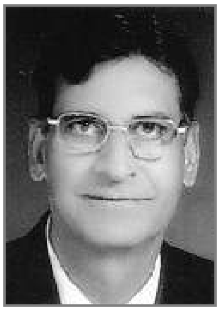

रोटी जली क्यों, घोड़ा अड़ा क्यों?

देश के पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव राजनीतिक दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण रहे हैं। भाजपा ने इनमें से उत्तरप्रदेश व उत्तराखंड में बहुमत हासिल किया और दो राज्यों में बहुमत न होते हुए भी कांग्रेस के आलस्य और अपने चातुर्य से सत्ता को सामने वाले पंजे में जाने से रोक कर अपनी सत्ता कायम कर ली। ये दोनों राज्य गोवा और मणिपुर हैं। जहां कांग्रेस सबसे बड़ा दल बन कर उभरी थी।

देश ही नहीं विश्व की इन चुनावों पर नज़रें थी, खासकर उत्तरप्रदेश पर। क्षेत्रफल में तो नहीं, मगर आबादी के लिहाज से उत्तरप्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। इसकी तेबीस करोड़ आबादी इसे लोकतांत्रिक भारत का निर्णायक राज्य बनाती है। केवल इस अर्थ में ही नहीं कि इसने देश को सात प्रधानमंत्री दिए, बल्कि इस अर्थ में भी कि केन्द्र में जिस भी पार्टी की सरकार बनी उसे पहले उत्तरप्रदेश में अपना मजबूत आधार बनाना पड़ा। जब यूपी कांग्रेस के हाथ से निकल गया तो देश की सत्ता भी फिसल गई। भाजपा भी इसकी भुक्तभोगी रही है।

2014 के आम चुनाव में नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी बने तो उन्होंने यूपी जीतने के लिए रणनीतिक योजना बनाई। उन्होंने गुजरात के साथ-साथ यूपी की बनारस सीट से भी चुनाव लड़ने का फैसला किया। अमित शाह के रूप में चुनाव युद्ध के अग्रिम मोर्चे पर बेजोड़ सेनापति मिलना भाजपा की विजय का बड़ा फैक्टर बना। 15 साल से भाजपा यहां हाशिए पर थी। भाजपा की सोशल इंजीनियरिंग से यूपी की 80 में से 73 लोकसभा सीटों पर कमल खिल गया। ऐसा ही कमाल 2017 के विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिला, जब यूपी की कुल 403 सीटों में से 325 सीटें भाजपा ने अपनी झोली में डाल ली। इनमें से 13 सीटें सहयोगियों की है। मोदी ने पिछले तीन सालों में कई प्रदेशों में संगठन व जनमत का फैलाव किया। आज भाजपा 17 राज्यों में खुद या सहयोगियों के बल पर शासन में है। कांग्रेस की हार का सिलसिला 1996 में शुरू हुआ। 2014 के बाद कांग्रेस लगातार पराभव की ओर है। यूपी में कांग्रेस की हार का एक प्रमुख कारण यह था कि नेतृत्व ने सारा ध्यान मुस्लिम वोट बहुल इलाकों पर ही केन्द्रित किया। वहीं तीन अन्य दल सपा, बसपा और असदुदीन औवेसी की पार्टी भी इन वोटों पर झपट्टा मारती दिखाई पड़ी, जिससे मुस्लिम वोट विभाजित हो गया और लाभ भाजपा के खाते में जुड़ गया। पंजाब की बड़ी जीत कांग्रेस के लिए ऑक्सीजन है। इसी वर्ष गुजरात व हिमाचल प्रदेश में चुनाव हैं और अगले वर्ष भी कुछ अन्य राज्यों के चुनाव होने हैं। भाजपा जहां 60 फीसद आबादी का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं कांग्रेस मात्र 9 फीसद जनता का।

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 2014 तक कांग्रेस को सहेजे रखा। अब पार्टी राहुल गांधी के छाते के साये में है। यूपी में अखिलेश यादव के साथ गठबंधन बनाना कांग्रेस के लिए आत्मघाती साबित हुआ। पार्टी वर्चस्व को लेकर पिता-पुत्र में हुए 'दंगल' ने सपा को पहले ही निचोड़ दिया था। राहुल गांधी ने जब यूपी में किसान यात्रा शुरू की थी तो पार्टी में जोश का संचार हुआ और उम्मीद जगी कि पार्टी फिर मजबूत होगी लेकिन जब उन्होंने सपा से हाथ मिलाया तो कांग्रेस कार्यकर्ता पस्त होकर घर बैठ गए। उत्तराखंड में भी पार्टी की शर्मनाक हार हुई और गोवा-मणिपुर में बाजी जीत कर भी कांग्रेस हार गई। कांग्रेस को उस एक पुरानी कहावत के अनुसार आत्ममंथन करना चाहिए जिसका भाव यह है 'रोटी जली क्यों, घोड़ा अड़ा क्यों और पान सड़ा क्यों' इसका उत्तर है 'फेरा" (पलटा) न था'। मतलब यह कि कांग्रेस को अब संगठन में ढांचागत बदलाव करना होगा और ऐसे नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाना होगा जो नकारात्मक राजनीति के जरिए पार्टी की ही नींव कमजोर कर रहे हैं। पंजाब की जीत कैप्टन अमरिन्दर को फ्री हैण्ड करने के फैसले और उनकी व्यक्तिगत साख के कारण संभव हो सकी। पंजाब परिणाम ने साफ कर दिया कि सत्ता को माध्यम बना कर अपना घर भरने और राष्ट्र विरोधी तत्वों के हिमायतियों का देश में कोई स्थान नहीं है। यही वजह है कि दो साल पहले दिल्ली विधानसभा के चुनाव में 70 में से 67 सीटें जीतने वाले 'आप' के सूत्रधार अरविन्द केजरीवाल को पंजाब में हार का मुंह देखना पड़ा। जिस तरह आप को विदेशों में बसे खालिस्तानी समर्थकों का साथ मिलने की खबरें आई और खालिस्तान लिब्रेशन फ्रंट के एक नेता के घर जाकर अरविन्द जी ने आतिथ्य स्वीकारा, उससे पंजाब की मुख्यधारा का उबलना स्वाभाविक था। देशभक्त पंजाबियों को यह कतई स्वीकार नहीं था कि वे पाक-प्रायोजित आतंकवाद से फिर रूबरू हों। जहां तक भाजपा की हार का सवाल है, तो अकाली दल की सत्ता में सहयोगी की भूमिका ही उसे ले डूबी। केजरीवाल उत्तरप्रदेश की 'माया मेमसाब' के स्वर में स्वर मिलाकर ईवीएम को दोषी ठहरा रहे हैं, जबकि दिल्ली में जीत का सेहरा इन्हीं मशीनों ने उनके सिर बांधा था। चुनावों में पार्टियों की हार-जीत होती रहती है, लेकिन किसी राष्ट्रीय दल की साख का लगातार लुंजपुंज होना, नेताओं के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। उन्हें उदारवादी और नैतिकता के मामले में छवि को स्वच्छ बनाते हुए जनता के बीच फिर से अपनी पैठ बनानी होगी। कांग्रेस राज्यों में नए गठबंधन सहयोगियों की तलाश में जुट रही है लेकिन इसके लिए न तो जल्दबाजी करनी चाहिए और न ही किसी संभावित सहयोगी पर आंख मूंदकर भरोसा। उसे सबसे पहले उन सहयोगियों से हानि-लाभ की समीक्षा करनी होगी, जिनके साथ वह चुनाव लड़ती रही है। यदि अगले लोकसभा चुनाव से पूर्व वह बिहार, उत्तरप्रदेश और झारखण्ड में खुद पहल कर सहयोगियों को अपने पीछे चलने के लिए राजी कर लेती है तो भाजपा के रथ को रोकना आसान हो सकता है, क्योंकि इन तीनों ही राज्यों में लोकसभा की 134 सीटें हैं। जिनमें से 117 सीटें इस समय भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियों के पास है। राहुल गांधी हालात से कैसे निपटते हैं, उसी पर अब पार्टी का दारोमदार है। इन चुनावों ये सह भी साफ हो गया है कि लोग अब धर्म-सम्प्रदाय और जात-पांत की राजनीति के मोहपाश से मुक्त होना चाहते हैं। भाजपा के लिए बड़ी जीत जहां खुशी का मौका है, वहीं जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने की बड़ी चुनौती भी है।

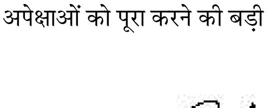

केसरिया खेमे में उत्सव

भाजपा का सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य पर कब्जा, उत्तराखंड भी छीना

पंजाब में कांग्रेस की दमदार वापसी, मणिपुर-गोवा में हाथ से फिसली सत्ता, 'आप' पाले से बाहर

-शांतिलाल शर्मा-

11 मार्च को घोषित पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम अप्रत्याशित रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा अध्यक्ष अमित शाह के करिश्माई नेतृत्व में भाजपा की दमदार विजय के राष्ट्रीय राजनीति के सन्दर्भ में कई मायने हैं। एक संदेश साफ तौर पर यह उभरा है कि क्षेत्रीय दलों का प्रभाव क्षीण हो रहा है और राष्ट्रीय पार्टियों के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। देश के सबसे बड़े राज्य यूपी और उत्तराखंड में भाजपा की प्रचंड आंधी चली। पंजाब में कांग्रेस ने दस वर्ष बाद शानदार वापसी की, वहीं मणिपुर और गोवा में कांग्रेस सबसे बड़े दल के रूप में सामने आई लेकिन वहां पर राजनीतिक प्रबन्धन व चातुर्य से वहां पर भाजपा ने सरकारें बनाई। भाजपा वहां दूसरे नम्बर पर थी। इन चुनावों में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल, शिरोमणि अकाली दल, महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी और आम आदमी पार्टी जैसे क्षेत्रीय दलों के वजूद पर जनता ने प्रश्न चिह्न लगा दिया है। चुनाव परिणाम इस दृष्टि से भी अभूतपूर्व है कि भारतीय लोकतंत्र निरंतर परिपक्व हो रहा है। जनमानस में राष्ट्रीय दृष्टि स्पष्ट तौर पर दिखाई दी, क्योंकि पिछले कई दशकों से चुनावों के दौरान जनता दोहरी मनस्थिति से रूबरू होती दिखाई देती थी। यानी राष्ट्रीयता अथवा क्षेत्रीयता से अभिभूत वे लोकसभा में पहले को तथा विधानसभा में दूसरे विकल्प को आजमाते थे। लेकिन इस बार राष्ट्रीयता की भावना विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिला, तभी मणिपुर जैसे राज्य में भाजपा परचम फहरा सकी, जहां पहले उसका आधार तक नहीं था। उग्रवाद और आतंकवाद से प्रभावित पंजाब में भी राष्ट्रीय दल कांग्रेस को छप्परफाड़ बहुमत मिला। जो दल दो मुंही बातें करते दिखे जनता ने उन्हें नकार दिया। 'आप' के बढ़ते विजयरथ का सामना इसी का प्रमाण है। उत्तराखण्ड और उत्तरप्रदेश की सीमा भी दूसरे देशों से मिलती है और जनता ने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई राष्ट्रीय दल ही देश का विकास और सुरक्षा सुनिश्चित कर सकता है। पंजाब और उत्तरप्रदेश में जाति धर्म की संकीर्णता से परे मतदान हुआ। इसमें अल्पसंख्यक वर्ग ने पहली बार परम्परागत सीमा रेखा से परे जाकर मतदान किया। सिक्खों का शिरोमणि अकाली दल को छोड़ना और मुसलमानों का भाजपा को समर्थन यही उजागर करता है। ओबीसी में खासकर जाटों और दलितों ने भी खींची गई लकीरों पर ही चलने की बजाय अपना नया गंतव्य चुना। वोट बैंक, वंशवाद और एकतरफा धर्मनिरपेक्षता की राजनीति इन चुनावों में पूरी खत्म होती नजर आई। सभी वर्गों ने पहली बार एक मंच पर आकर मुख्यधारा में चलना श्रेयस्कर माना। संकीर्णता और खैरात की राजनीति की जगह विकास व आकांक्षा वाली राजनीति धीरे-धीरे अपनी जगह बनाती दिखाई पड़ी। राजनीतिक परिपक्वता की दृष्टि से भाजपा का कायांतरण भी खासा अहम है। कांग्रेस भले ही आज देश में दयनीय हालात में दिख रही है, परन्तु उसका राष्ट्रीय मुद्दों पर एक शानदार इतिहास रहा।

इन चुनावों को नोटबंदी पर जनमत संग्रह के रूप में देखा जा रहा था, परन्तु साफ हो गया कि देश की जनता ने कुछ कठिनाइयों के बावजूद इस राष्ट्रीय परिदृश्य के फैसले को मन से स्वीकार कर लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर लोगों ने पूरा भरोसा किया। तीन साल के कार्यकाल में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार का कोई दाग नहीं लगा। वे अपने मंत्री मंडल और प्रशासकीय मशीनरी पर भी पूरी तरह लगाम कसे नजर आए। यह पहली बार नहीं हुआ है कि जनता ने साहसी फैसलों पर भरोसा किया हो। 1969 में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने जब 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया और प्रिवीपर्स के विशेषाधिकार को खत्म किया तो जनता ने उन्हें सिर आंखों पर बिठाया। 1971 में 'गरीबी हटाओ' के नारे के बल पर इन्दिरा गांधी भारी बहुमत से जीत गई। 1977 में जयप्रकाश नारायण भ्रष्टाचार और तानाशाही के खिलाफ आंधी बन कर उभरे तो जनता ने भारी बहुमत से जनता पार्टी की सरकार बनाई। 1984 में मिस्टर क्लीन कहलाने वाले राजीव गांधी को भारी बहुमत दिया तो इस पैमाने पर खरा न उतरने पर बोफोर्स घोटाले के कारण उन्हें अपदस्थ भी कर दिया। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की दुर्गति के पीछे मनमोहन सरकार में बड़े घोटालों की अहम भूमिका थी और तुष्टीकरण की नीति ने आग में घी डाला। मोदी सरकार बनने के पीछे उनकी स्वच्छ छवि का बड़ा योगदान रहा। जनता मानती है कि नरेन्द्र मोदी अपने लिए नहीं, अपितु वे हर कदम गरीबों के लिए उठा रहे हैं। बेनामी संपत्ति पर यदि मोदी सरकार ने हल्ला बोल दिया और कालेधन और काले कारनामे वाले भ्रष्टाचारियों को निहत्था कर देंगे तो दो साल बाद आम चुनाव में भी कदाचित देश की जनता उन्हें वोटों से मालामाल कर सकती है।

यह सही है कि हर पार्टी सत्ता में बने रहने के लिए दलबदल और दूसरे दलों के प्रभावी व्यक्तियों के लिए अपने द्वार खोल कर स्वागत करती रही है। सत्ता और धनबल का बड़े पैमाने पर प्रयोग मणिपुर और गोवा में साफ दिखलाई पड़ा। यही नहीं लोकसभा चुनावों में नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री पद के प्रत्याशी बनने के बाद शुरू हुआ यह सिलसिला उसके बाद हुए हर विधानसभा चुनावों में जारी है। बिहार विधानसभा चुनाव जरूर अपवाद रहा, अन्यथा सफलता का यह क्रम हाल ही में संपन्न पांच राज्यों तक चल रहा है। जहां-जहां चुनाव होते हैं, वहां चुनाव से पहले कांग्रेस या दूसरे दलों के प्रभावशाली नेताओं को टिकट देकर पहले भाजपा में मिला लिया जाता है और जहां कहीं चुनाव बाद बहुमत से दूर रहने की स्थिति बनती नज़र आती वहां दूसरे दलों व निर्दलियों को अपने पक्ष में कर लिया जाता है। भाजपा 'कांग्रेस भी यही करती थी' का तर्क देकर इसे सही ठहराने की कोशिश करती है। कुछ माह पहले असम में कांग्रेस के सर्वानंद को मुख्यमंत्री बनाया तो अरुणाचल प्रदेश व नगालैण्ड में भी इसे दोहराया गया। मणिपुर में अभी हाल ही में कांग्रेस से आए बिरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाया गया। कर्नाटक में भी कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री को भाजपा में शामिल किया जा रहा है। यही नहीं यूपी में बसपा व सपा से आए ढेरों नेताओं और उत्तराखण्ड में कांग्रेस से आए नेताओं को इस बार विधानसभा चुनाव में टिकट देकर भाजपा में लिया गया है। कांग्रेस मुक्त भारत का दावा करने वाली भाजपा का यह एक तरह से कांग्रेसीकरण है।

पांच राज्यों के चुनावों ने इस बार देश को जैसा चुनावी दंगल दिखाया, शायद वैसा पहले कभी नहीं देखा गया। इसमें किसी विचारधारा, सिद्धांत या मुद्दे की लड़ाई थी ही नहीं। सारी कशमकश इस बात पर थी कि कौन एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने में इक्कीस साबित हो सके। अपने-अपने राजनीतिक पद की मर्यादा और महिमा का चीर-हरण किया गया। लोगों ने 'गधा-पचीसी' का रस लिया तो कसाब की 'बिरयानी' का जायका भी।

'कब्रिस्तान-श्मशान' पर भी 'बिजली' कड़की। मगर विकास के लिए कौन क्या करेगा, किसने क्या किया और आम लोगों की जरूरतें क्या-क्या है, ये मुद्दे उठे तो जरूर, लेकिन जुमलेबाजी में दफ़्न हो गए। अब भाजपा ने पांच राज्यों में से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तरप्रदेश में आदित्यनाथ योगी, उत्तराखण्ड में त्रिवेन्द्र सिंह रावत, गोवा में मनोहर पर्रिकर और मणिपुर में एन. बिरेन सिंह को मुख्यमंत्री बना कर चार राज्यों में अपना परचम लहराया। वहीं कांग्रेस ने पंजाब में जबर्दस्त बहुमत के साथ कैप्टन अमरिन्दर सिंह को मुख्यमंत्री बना कर साबित कर दिया कि अभी भाजपा का 'कांग्रेस मुक्त भारत' का सपना दूर के डूंगर हैं।

उत्तरप्रदेश

कुल सीटें (403)

पार्टी	2012	2017
बसपा	80	19
सपा	224	47
भाजपा	47	312+
कांग्रेस	28	7
रालोद	9	1
अन्य	15	17

उत्तराखण्ड

कुल सीटें (70)

पार्टी	2012	2017
कांग्रेस	32	11
भाजपा	31	57
अन्य	7	2

पंजाब

कुल सीटें (117)

पार्टी	2012	2017
शि.अकाली दल	56	15
कांग्रेस	46	77
भाजपा	12	3

मणिपुर

कुल सीटें (60)

पार्टी	2012	2017
कांग्रेस	42	28
टीएमसी	7	1
एनपीपी	1	4
भाजपा	0	21
अन्य	10	6

गोवा

कुल सीटें (40)

पार्टी	2012	2017
भाजपा	21	13
कांग्रेस	9	17
अन्य	10	10

योगी 'राज' ने फूंका 'शंख'

23 करोड़ की आबादी के साथ उत्तरप्रदेश सबसे बड़ा प्रदेश है। सन् 2012 के चुनाव में उत्तरप्रदेश के युवा अखिलेश यादव ने समाजवादी पिता मुलायमसिंह यादव के नेतृत्व में चुनाव लड़ा और मायावती की बहुजन समाज पार्टी को सत्ता से बेदखल कर दिया। लेकिन इस बार उन्होंने अपने परिवार और खासकर पिता और चाचा शिवपाल सिंह से खुला विद्रोह कर अपने दम पर कांग्रेस से गठबंधन कर चुनाव लड़ा और करारी हार हुई। सपा की सीटें पिछले चुनाव से 177 घट कर 47 रह गई। कांग्रेस भी को भी 21 सीटों के नुकसान के साथ सिर्फ 7 सीटें हासिल हुई। मायावती का हाथी तो पसर ही गया। वह 61 सीटों के घाटे के साथ 19 पर अटक गया। भाजपा को उम्मीद से ज्यादा 265 सीटों का इजाफा हुआ और सहयोगियों के साथ 325 सीटों पर विजय मिली। उत्तरप्रदेश अब तक जाति, सम्प्रदाय और धर्म के आधार पर बंटा रहा, परन्तु इस बार सभी वर्गों ने भाजपा के प्रति विश्वास जताया। कांग्रेस अर्से से सर्व समावेशी नीतियों की वजह से सबको साथ लेकर चला करती थी। समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी ने कथित सोशल इंजीनियरिंग के बलबूते जाति और धर्म का उभार किया। दोनों ने पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक कार्ड का इस्तेमाल करते हुए सत्ता पर काबिज हुई। भाजपा को 2014 से पहले उच्च वर्ग और शहरी पार्टी माना जाता था। नरेन्द्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद भाजपा में मोदी-अमित शाह युग का आरंभ हुआ। मोदी स्वयं भी पिछड़े वर्ग से आते हैं। इस जोड़ी की 2014 में कमाल की सोशल इंजीनियरिंग से यूपी के सभी वर्गों में ऐसी पैठ बनी कि उसे लोकसभा की 80 में से 71+3 सीटें मिली। नोटबंदी और सर्जिकल स्ट्राइक को भुनाते हुए इन्होंने देश के सबसे बड़े

आबादी वाले प्रदेश में ऐसी शानदार जीत हासिल की, जिससे विपक्षी दलों की जमीन ही खिसक गई। बीजेपी ने ओबीसी, दलित व उच्च वर्गों का ऐसा गठजोड़ खड़ा किया, जिसमें अल्पसंख्यक बिरादरी का एक वर्ग भी शरीक हो गया। प्रदेश अध्यक्ष पद पर ओबीसी बिरादरी के केशवप्रसाद मौर्य की ताजपोशी एक बड़ा फैक्टर बन कर उभरी। साथ ही बीजेपी ने भले ही अन्दर खाने फायरब्रान्ड नेताओं को सरपरस्ती दी होगी, परन्तु चुनाव के दौरान इतने मुखर नहीं रहे। देश के इतिहास में शायद यह पहला मौका है कि किसी प्रदेश में प्रधानमंत्री ने इतने दिन तक लगातार इलेक्शन कैंपेन किया और लगभग पूरा केन्द्रीय मंत्रिमंडल कई दिनों तक शहर-देहात की खाक छानता रहा। इस जीत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सुपरहीरो बन कर उभरे। इस लिहाज से 2019 का आम चुनाव काफी दिलचस्प होगा। क्योंकि कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दल मान चुके हैं कि वे अलग-अलग रह कर नरेन्द्र मोदी व भाजपा का मुकाबला कभी नहीं कर पायेंगे। इधर एक आश्चर्यजनक घटनाक्रम के तहत में फायर ब्रांड व विवादास्पद हिन्दू नेता धार्मिक, संन्यासी व गोरक्षपीठ के महंत योगी आदित्यनाथ की 20 मार्च को यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में ताजपोशी हुई।

अमरेन्द्र ने दी 'संजीवनी'

पंजाब में कांग्रेस को शानदार जीत हासिल हुई। 10 साल बाद कांग्रेस ने सत्ता में वापसी की। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री रहे और ज़मीनी स्तर पर काफी सक्रिय रहे कैप्टेन अमरिन्दर सिंह को चुनाव पूर्व मुख्यमंत्री प्रत्याशी तय करना और उन्हें अपनी मर्जी से काम करने की छूट देना, कांग्रेस के पक्ष में गया। क्रिकेट से राजनीति में कूदे भाजपा के पूर्व सांसद नवजोत सिंह सिद्धू का पाला बदल कर कांग्रेस में आना भी शुभंकर साबित हुआ। कांग्रेस को बड़ी आसान जीत मिली क्योंकि भाजपा के प्रादेशिक नेता भी नहीं चाहते थे कि अकाली-भाजपा गठबंधन की जनविरोधी नीतियों का भाण्डा उन पर फूटे। एक दृष्टि से देखा जाए तो यह कांग्रेस की नहीं, अमरिन्दर सिंह की जीत है। कांग्रेस ने चमत्कारिक रूप से 31 सीटों की छलांग लगाते हुए 77 सीटें झटक ली। अकाली दल को 41 सीटों का घाटा हुआ और वह मात्र 15 सीटों पर सिमट गया। अकाली दल के सुप्रीमो प्रकाश सिंह बादल ने पिछले पांच वर्षों से अपने पुत्र सुखबीर सिंह बादल को राजपाट दे रखा था। सुखबीर पर ड्रग्स माफियाओं को प्रश्रय देने और जनविरोधी नीतियों सहित अनेक गंभीर आरोप लगे। हालांकि एन्टी-इन्कंबेसी का पूर्वानुमान था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी केन्द्र और राज्य में सहयोगी दल से बंधन तोड़ना नहीं चाहते थे। इसी कारण बीजेपी को वहां नुकसान उठाना पड़ा और पार्टी का वोट बैंक खिसक कर कांग्रेस की ओर चला गया। भाजपा को अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से भय था, जिसकी पंजाब की सत्ता में आने की काफी संभावनाएं मानी जा रही थी। बीजेपी नहीं चाहती थी कि आप का पंजाब में उभार हो। सिक्खों में भी यह भाव रहा कि इस बार फिर से अमरिन्दर सिंह के सिर पर ताज रख दिया जाए, क्योंकि आप पार्टी ने दिल्ली को सिर्फ पोलिटिकल लेबोरेट्री बना रखा है। वहां काम नहीं सिर्फ केन्द्र से भिड़न्त का ड्रामा चलता है। हालांकि आम आदमी पार्टी की 20 सीटों पर जीत मामूली नहीं है। भाजपा को भी खासा नुकसान हुआ है। उसे 9 सीटों का घाटा हुआ है और सिर्फ 3 सीटें मिली है। कांग्रेस के कैप्टन अमरिन्दर सिंह ने 16 मार्च को दूसरी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है।

पहाड़ों पर 'त्रिवेन्द्र' दर्शन

2002 में हुए उत्तराखंड के पहले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को अच्छी जीत मिली थी। 2007 में भाजपा ने पहली बार यहां अपना मुख्यमंत्री बनाया। सूबे में 2012 में हुए तीसरे चुनाव में फिर बाजी कांग्रेस के हाथ लगी। कांग्रेस एवं भाजपा में इस बार एक सीट का ही मामूली अंतर रहा। पिछले चुनाव के बाद कांग्रेस व भाजपा में सत्ता की नूरा-कुश्ती चलती रही और सुप्रीम कोर्ट के दखल के बाद कांग्रेस अपनी सत्ता बचा पाई। 2017 में हुए इस चौथे चुनाव में कांग्रेस की जैसी दुर्गति हुई वैसी प्रदेश के राजनीतिक इतिहास में कभी नहीं हुई। 70 सदस्यीय विधानसभा में उसे केवल 11 सीटें मिली मुख्यमंत्री रहे हरीश रावत दोनों क्षेत्रों से चुनाव हार गए और कांग्रेस के सत्ता का महल ताश के पते की तरह ढह गया। कांग्रेस को 21 सीटों का घाटा हुआ और उसे सिर्फ 11 सीटें मिली। 15 साल में पहली बार किसी पार्टी को 36 से ज्यादा सीटें मिली। भाजपा इस बार पुराना हिसाब चुकता कर 57 सीटों पर काबिज हो गई। पिछली बार से उसे 26 सीटों का इज़ाफा हुआ। डेढ़ दशक पूर्व बने इस राज्य में सत्ता की 4 पूर्व सीएम सत्ता की दावेदारी जता रहे थे। अन्ततः आरएसएस के प्रचारक रहे त्रिवेन्द्र सिंह रावत को उत्तराखंड की कमान सौंपने का फैसला किया, जिन्हें 18 मार्च को इस पहाड़ी राज्य का नया मुख्यमंत्री बनाया गया।

लहरों का 'मनोहर' नर्तन

गोवा विधानसभा चुनाव परिणामों से त्रिशंकु स्थिति बन गई, क्योंकि सरकार बनाने लायक बहुमत किसी को नहीं मिला। पिछली बार भाजपा की सरकार थी। लोकसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री मनोहर पर्रिकर गोवा छोड़ केन्द्र में चले गए और लक्ष्मीकांत को मुख्यमंत्री बनाया गया। उनके कार्यकाल में भाजपा की उपलब्धियां धूमिल होने लगी और जनता के बीच एन्टी इन्कंबेन्सी चरम पर जा पहुंची। सत्ता विरोधी लहर भांप कर भाजपा की सहयोगी

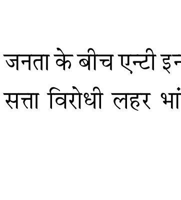

पार्टियां चुनाव से पूर्व गठबंधन से छिटक गई। परिणाम यह हुआ कि भाजपा का जनाधार तेजी से खिसक गया। विधानसभा चुनाव में भाजपा अकेली पड़ गई और उसे 13 सीटों से संतोष करना पड़ा। पिछली बार की तुलना में 8 सीटों का घाटा हुआ। वहीं कांग्रेस ने आश्चर्यजनक उभार लेते हुए 17 सीटों पर विजय प्राप्त की, जो पिछली बार से 8 ज्यादा हैं। यानी साफ है भाजपा के वोट ट्रांसफर हुए। हालांकि महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी और गोवा फॉरवर्ड पार्टी को भी ज्यादा सीटें न मिली।

बावजूद इसके भाजपा आलाकमान सक्रिय हो गया तथा रक्षामंत्री मनोहर पर्रिकर का केन्द्र से इस्तीफा दिलवा कर आनन-फानन में गोवा भेजा गया। कांग्रेस नेतृत्व सरकार बनाने के न्योता का इंतजार ही करता रहा और राज्यपाल ने भाजपा को सरकार गठन के लिए बुला लिया। कांग्रेस शपथ ग्रहण रुकवाने सुप्रीम कोर्ट पहुंची, परन्तु कोई रास्ता नहीं निकला। अन्तत: 14 मार्च को जोड़-तोड़ कर मनोहर पर्रिकर ने गोवा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। कांग्रेस ने राज्यपाल पर पक्षपात का आरोप लगाया, परन्तु पर्रिकर ने 22 विधायकों के समर्थन से विश्वासमत भी जीत लिया।

हाथ छोड़, बिरेन ने थामा 'कमल'

प्राय: केन्द्र सरकारें पूर्वोत्तर राज्यों को दोयम दर्जे का मान उपेक्षा करती रही है। 2014 के बाद भाजपा द्वारा पूर्वोत्तर पर संवेदनशील नीति अपनाने का परिणाम पिछले साल असम में पहली बार भाजपा सरकार के रूप में सामने आया। अरुणाचल के 33 विधायक भी पाला बदल कर भाजपा में आए और सरकार बनी। नगालैण्ड में भी भाजपा अपने सहयोगी दल के साथ सत्ता में हैं।

मणिपुर में इस बार हुए चुनाव परिणामों में भाजपा ने 21 सीटें हासिल की। कांग्रेस गोवा की तर्ज पर 28 सीटें जीत कर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। दशकों से यह राज्य कांग्रेस शासित रहा, लेकिन इस बार वह बहुमत से तीन अंक दूर थी। पिछली बार उसे 42 सीटें मिली और उसे 2017 में 15 सीटों का नुकसान रहा। भाजपा पिछली बार राजनीतिक रूप से पूरी तरह नदारद थी, जिसे इस बार आश्चर्यजनक 21 सीटें प्राप्त हुई। अन्य छोटे दलों व निर्दलियों को 18 सीटें मिली थी।

मणिपुर के साठ सदस्यीय सदन में भाजपा ने चतुर रणनीति और केन्द्र में अपनी सरकार का फायदा उठाते हुए त्रिशंकु स्थिति से पार पाने के लिए छ: माह पहले कांग्रेस से पाला बदल कर आए एन बिरेन सिंह को मुख्यमंत्री बनाया तथा अन्य छोटे दलों के सहारे बहुमत का जुगाड़ आखिर कर लिया। भाजपा का ग्राफ कितना ऊपर गया है, इसका अंदाजा इस तथ्य से लगाया जा सकता है कि 2012 में उसे महज दो फीसद वोट मिले थे और इस बार 36.3 फीसद वोट मिले हैं। लेकिन जिस तरह बहुमत का इंतजाम गोवा तथा मणिपुर में किया गया है वह लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। मणिपुर आज विकट परिस्थितियों से गुजर रहा है। युनाइटेड नगा काउंसिल द्वारा चार महीने से की जा रही नाकेबंदी को 24 घंटे में खत्म करना नई सरकार की बड़ी सफलता बनी है। ■

राजस्थान के वर्ष 2017-18 के बजट में जनता पर नया बोझ नहीं तो खास राहत भी नहीं

बड़ी योजनाओं पर चुप्पी, छोटी से वाहवाही

कांग्रेस बोली - 'पुराने बस्ते पर ही की गई नई पैकेजिंग'

-सनत जोशी-

राजस्व प्राप्ति
1,30,162.07 करोड़ रुपए
राजस्व व्यय
1,43,690.10 करोड़ रुपए
घाटा
13,528.03 करोड़ रुपए

मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे ने 8 मार्च को राज्य विधानसभा में वर्ष 2017-18 के लिए राज्य विधानसभा में दो लाख 73 हजार 852 करोड़ का बजट पेश किया। जिसमें एक लाख 30 हजार 162 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति के मुकाबले एक लाख 43 हजार 690 करोड़ राजस्व व्यय दिखाया गया है। जिससे 13528 करोड़ से अधिक के घाटे का अनुमान है। आम लोगों को करीब दो सौ करोड़ रुपये से अधिक की राहत दी गई, जबकि सरकार को सिर्फ चालीस करोड़ की आय प्रस्तावित है। राजनीतिक दृष्टि से यह बजट सर्वजन सुखाय व सुराज को समर्पित सा दिखाई देता है। मुख्यमंत्री के अनुसार बजट में लोक कल्याणकारी कार्यों पर अधिक ध्यान दिया गया है। आधारभूत सुविधाओं पर बड़ी राशि आवंटित की गई है। इस बार कोई भी बड़ा प्रोजेक्ट हाथ में नहीं लिया गया और छोटी-मोटी योजनाओं के जरिए अधिक से अधिक लोगों को प्रभावित करने की बाजीगरी की गई है। बाड़मेर में प्रस्तावित पेट्रो-केमिकल रिफाइनरी और रिसर्जेंट राजस्थान जैसे औद्योगिक निवेश आकर्षित करने की बातों को बजट में लगभग भुला दिया गया है। पिछली बार विद्युत उत्पादन व वितरण कंपनियों को डूबने से बचाने के लिए एकमुश्त 60 हजार करोड़ रुपये की सहायता दी गई थी, इससे आर्थिक रूप से सरकार को एक बड़ा झटका लगा था, जिससे उबरने के लिए सरकार को नाकों चने चबाने पड़े। हालांकि इस बार बजट में जनता और उद्योगों पर सीधे रूप से टैक्स नहीं लगाया, लेकिन पुराने करों में राहत की उम्मीदें भी पूरी नहीं हो सकी। खासकर वैट की सूची में 100 से ज्यादा वस्तुएं, जिनमें रोजमर्रा इस्तेमाल की चीजें शामिल हैं। वैट दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। नोटबंदी के बाद इसकी आशा की जा रही थी। जुलाई में जीएसटी लागू होने पर नए सिरे से करारोपण की कसरत होगी।

खेत-खलिहान, किसान

कृषि मद में 3,156 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। सरकार के चौथे बजट में ग्रामीण विकास पर विशेष ज़ोर देने की उम्मीद थी, पर कृषि, वन और सहकारिता क्षेत्र में कुछ बड़े आंकड़ों के सिवाय ज्यादा हाथ नहीं लगा। किसान सेवा केन्द्रों पर आधारभूत ढांचा बनाने की बात की गई है। सॉयल हेल्थ कार्ड की रिपोर्ट को आधार पर मिनी किट दिए जाएंगे। फसल बीमा योजना को दुरुस्त बनाया जाएगा। वैसे भी खेती और किसानी घाटे का सौदा बन गया है। लागत मूल्य न मिल पाने पर प्रदेश के किसान खासे परेशान हैं। हर सरकार वोट से पहले किसानों की बड़ी चिंता किया करती है, मगर बजट में वे सदैव उपेक्षित रहते हैं।

ग्रामीण विकास व सुविधाएं

पांच हजार से अधिक आबादी वाले गांवों को स्मार्ट विलेज बनाने की दिशा में काम शुरू होगा, लेकिन इसके लिए अलग से कोई बजट प्रस्तावित नहीं है। पशु चिकित्सा को सुविधा सम्पन्न बनाने के लिए 200 पशु चिकित्सा भवन बनाए जाएंगे। ग्रामीण इलाकों में 3987 ग्राम पंचायत मुख्यालयों को ग्रामीण गौरव पथ के तहत सड़क निर्माण कर जोड़ा जाएगा। एक लाख नए कृषि कनेक्शन अगले दो साल में दिए जाएंगे। वहीं ड्रिप इरिगेशन का दायरा बढ़ा कर जरूरतमंद किसानों को सब्सिडी बढ़ाई जाएगी। 3465 किमी ग्रामीण सड़कों एवं

सस्ता

■ ऑनलाइन फिल्म टिकट ■ पर्यटकों को सस्ती हवाई सेवाओं के लिए ईंधन की दर कम की गई ■ स्टांप ड्यूटी में राहत से मुख्यमंत्री आवास योजना के मकान, पैतृक संपत्ति का बंटवारा, गांव में उद्योग लगाना हुआ सस्ता, स्टार्टअप को मिला प्रोत्साहन।

महंगा

■ सिगरेट महंगा, 15 प्रतिशत वैट बढ़ाया गया है ■ वैट की दरों को पड़ोसी राज्यों के अनुसार कम करने की उम्मीद थी, लेकिन जीएसटी की वजह से टाला ■ बीस सीटर तक की निजी बसों को अब देना होगा एकमुश्त टैक्स, इससे आने वाले दिनों में बस में सफर हो सकता है महंगा।

मिसिंग लिंक सड़क निर्माण के लिए बजट बढ़ाया गया है। 2500 गांव-ढाणियों में से करीब 1500 सौ आर ओ प्लांट और वंचित गांवों में जनता जल योजना को सुदृढ़ बनाया जाएगा। हर पंचायत में सैकण्ड्री स्कूल और जहां संकाय कम हैं वहां एक से अधिक संकाय खोले जाएंगे। प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत करीब 1200 करोड़ और केन्द्रीय मनरेगा स्कीम में भी करीब दो हजार करोड़ रुपये मिलेंगे। स्वच्छ ग्रामीण मिशन पर भी इससे ज्यादा बजट मिलेगा। ग्रामीण पेयजल योजना पर 8 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।

स्टाम्प-पंजीयन शुल्क में राहत

रियल एस्टेट में मंदी की मार झेल रहे कारोबारियों को राहत देते हुए कई श्रेणियों में स्टांप ड्यूटी व रजिस्ट्रेशन फीस में भारी छूट दी गई है। जमीनों के सेल एग्रीमेंट व पॉवर ऑफ एटॉर्नी पर अब केवल 0.5 फीसदी ही स्टांप ड्यूटी लगेगी। रजिस्ट्रेशन फीस भी अब 0.25 फीसदी व अधिकतम दस हजार रुपये की गई है। पारिवारिक संपत्ति हस्तांतरण में काफी रियायत मिली है और पार्टनरशिप डील में भी स्टांप ड्यूटी कम लगेगी। दस्तावेजों का पंजीकरण काफी सस्ता हो जाएगा।

उद्योग, वाणिज्य व व्यवसाय

जीएसटी का पेंच सुलझाने के लिए हर जिले में हेल्प डेस्क बनाई गई है। औद्योगिक विकास के लिए सिंगल विंडो लागू कर उद्यामियों को सहयोग दिया जाएगा। हालांकि नया कर नहीं लगाया, परन्तु जीएसटी व्यवस्था में राज्य सरकार को सेवाओं पर करारोपण का अधिकार होगा। वैट घटाने पर बजट में कोई काम नहीं हुआ, जबकि नोटबंदी और महंगाई से जूझ रहे व्यापारियों व उद्यमियों को इसकी उम्मीद थी। बाड़मेर पेट्रो-केमिकल रिफाइनरी और रिसर्जेंट राजस्थान जैसे प्रोजेक्ट पर बजट खामोश है। पिछडे क्षेत्रों में उद्योग लगाने पर अतिरिक्त लाभ दिए जाएंगे। स्टार्टअप की स्थापना पर 10 लाख रुपये के लोन दस्तावेजों पर स्टाम्प ड्यूटी की छूट अगले वर्ष तक बढ़ाई गई है। वैसे भी किसी भी उद्योग के लिए जमीन, पानी, वित्त, सड़क व बिजली की पहली जरूरत है। इस दृष्टि से विशेष प्रयास होता दिखलाई नहीं देता है। बिजली की आंख मिचौनी जगजाहिर है। ढांचागत सुविधाओं की खासी कमी है और प्रशासकीय लालफीताशाही से उद्योगपति तौबा कर चुके हैं।

शिक्षा, कौशल विकास व रोजगार

बजट में राज्य के 13900 स्कूलों को क्रमोन्नत करने का ऐलान हुआ है। इस बार 20 हजार से अधिक स्कूलों में करीब 30 करोड़ की लागत से कम्प्यूटर, प्रिंटर व इन्टरनेट सेवाएं उपलब्ध होगी। 50 और स्कूलों में व्यावसायिक कोर्स तथा संभाग स्तर के 7 महाविद्यालयों में साइंस स्मार्ट लैब शुरू की जाएगी। उच्च शिक्षा पर 1399 करोड़ खर्च होंगे। आईआईटी, एम्स, आईएएस इत्यादि परीक्षाओं के मेधावी छात्रों को सहायता उपलब्ध होगी। नए महाविद्यालय खोले जाएंगे और माध्यमिक स्तर के स्कूलों में अलग से साइंस, कॉमर्स कोर्स शुरू किए जाएंगे। पंचायत स्तर पर उच्च माध्यमिक स्कूल खुलेंगे और स्कूल भवन बनाए जाएंगे। दसवीं-बारहवीं की मेरिट में आने वाले छात्रों को लेपटॉप वितरित होंगे। आईटीआई के 18 नए केन्द्र खुलेंगे, वहीं पिछली बार खोले गए संस्थानों में मशीन व उपकरण के लिए प्रावधान किया गया है। जनजातीय व पिछड़े इलाकों पर शिक्षा का विशेष फोकस रहेगा। युवाओं की स्वयं की परियोजनाओं पर लिए गए ऋण पर ब्याज अनुदान बढ़ाया गया है। 15 लाख रोजगार देने के वादे के साथ आई सरकार का चौथा बजट रोजगार के मोर्चे पर खास उम्मीद बंधाने वाला नहीं है। स्किल डवलपमेंट के व्यावसायिक कोर्स के जरिए 1.5 लाख लोगों को रोजगार सृजित किए जाएंगे। साढ़े पांच हजार पुलिस कांस्टेबल भर्ती किए जाएंगे। जामडोली में कौशल विश्वविद्यालय खोला जाएगा।

स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली व पर्यटन

एसएमएस हॉस्पीटल जयपुर में हार्ट ट्रांसप्लांट के लिए 20 करोड़ राशि मिलेगी और जोधपुर मेडिकल कॉलेज में केथ लेब और कोटा मेडिकल कॉलेज भवन में विस्तार किया जाएगा। धोलपुर अस्पताल के लिए 100 करोड़ मिले हैं। करीब 2600 करोड़ रुपये का बजट इस बार चिकित्सा विभाग को मिला है। छह पीएचसी को सीएचसी और एक सीएचसी को सेटेलाइट में क्रमोन्नत किया गया है। गांवों में जरूरत मुताबिक नए उपस्वास्थ्य केन्द्र खुलेंगे। पेयजल सुविधा विस्तार पर 8 हजार करोड़ रुपये खर्च होंगे।19 लंबित परियोजनाओं को पूरा किया जाएगा। शुद्ध पेयजल का दायरा बढ़ाया गया है। जलापूर्ति सुधार व ऑटोमाइजेशन के लिए 6100 करोड़ खर्च होंगे। जयपुर समेत पांच शहरों में स्काडा सिस्टम लागू होगा। बिजली प्रबन्धन के तहत 33केवी के दो सौ स्टेशन और 133 केवी के 15 नए सब स्टेशन स्थापित होंगे। पर्यटन को एग्रेसिव मार्केटिंग कैम्पेन के तहत प्रमोट किया जाएगा। पर्यटक स्थलों का 36 करोड़ की लागत से विस्तार होगा और 88 करोड़ रुपये पयर्टन को बढ़ावा देने पर खर्च होंगे। अभयारण्यों का विकास और हाईटेक होगी सिक्युरिटी।

महिला एवं बाल विकास

15 जिलों में उत्पीड़न की शिकार महिलाओं के लिए सहायता केन्द्र बनेंगे। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में दोगुनी बढ़ोतरी हुई। समेकित बाल विकास केन्द्रों के लिए 40 करोड़ रुपये तथा आंगनवाड़ी केन्द्रों के लिए 30 करोड़ रुपये का प्रावधान है। भामाशाह और राजश्री योजना को सुदृढ़ बनाया जाएगा। महिला विकास कार्यक्रमों हेतु 282.86 करोड़ का प्रावधान रखा गया है। सामुहिक विवाह में अनुदान बढ़ाया गया है। स्वयं सहायता समूहों को ब्याज में छूट दी गई है। पोषाहार हेतु करीब 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। संस्थागत प्रसव पर भामाशाह प्लेटफार्म पर महिलाओं को दी जाने वाली कल्याण राशि दी जाएगी। कन्या की शादी पर अनुदान राशि दोगुना की गई है। विधवा पेंशन राशि अब डेढ़ हजार रुपये प्रतिमाह दी जाएगी। 90 फीसद से अधिक अंक पाने वाली बोर्ड की 100 छात्राओं को स्कूटी दी जाएगी।

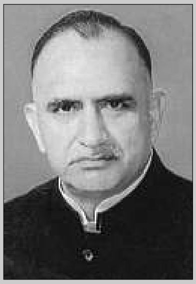

प्रत्येक वर्ग खुश

सर्वस्पर्शी, बजट है। मुख्यमंत्री ने जितनी भी घोषणाएं की हैं, उनका बजट में वित्तीय प्रावधान भी किया है। सरकार ने प्रत्येक वर्ग को कुछ ना कुछ देने की कोशिश की है। सरकार हर वर्ग को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है।

– **अशोक परनामी,** प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा

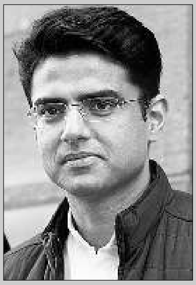

दिशाहीन घोषणाएं

बजट में की गई घोषणाएं दिशाहीन हैं। राजकोषीय घाटे से उबरने के प्रयास नहीं किए गए हैं। किसानों, महिलाओं और युवाओं को बजट राहत नहीं दे पाया है। कांग्रेस सरकार की पेयजल योजनाओं को बजट में शामिल कर वाहवाही लूटी जा रही है।

सचिन पायलट, प्रदेशाध्यक्ष, कांग्रेस

शहरी विकास, आवास तथा स्मार्ट सिटी

9500 करोड़ रुपये शहरी विकास पर खर्च होंगे और 190 शहरों में वाई-फाइ सुविधा मिलेगी। 179 नगरीय निकायों में 357 करोड़ रुपये सड़क निर्माण पर खर्च होंगे। प्रदेश के कई शहरों को हवाई सेवा से जोड़ा जाएगा। शहरी विकास कर में ब्याज तथा पेनल्टी राशि में शत-प्रतिशत छूट 30 सितम्बर 17 तक प्रभावी रहेगी। जयपुर, उदयपुर, कोटा एवं अजमेर स्मार्ट सिटी के लिए 640 करोड़ रुपये दिए गए हैं। अन्नपूर्णा रसोई योजना सभी नगरपालिका क्षेत्रों में शुरू की जाएगी। आवास एवं नगरीय विकास के लिए चार हजार करोड़ से अधिक राशि आवंटित की गई है। मेट्रो रेल परियोजना सीवरेज ट्रीटमेन्ट, स्वच्छ भारत मिशन, परिवहन सेवा, पेयजल पर अच्छी राशि मंजूर की गई है। गरीब एवं मध्य वर्ग के लिए नई आवास योजनाएं बनेगी।

सर्वजन सुखाय

चालू वित्त वर्ष में 20 हजार वरिष्ठ नागरिकों को धार्मिक स्थलों की यात्रा करवाई जाएगी, जिनमें से 5 हजार को हवाई यात्रा सुविधा भी सम्मिलित है। वक्फ दरगाहों को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। एक हजार विशेष योग्यजनों को ट्राइसाइकिल और इस योजना से दिव्यांगों को भी मिलेगा लाभ। गुरु गोलवलकर जनभागीदारी विकास योजना के तहत 125 करोड़ रुपये के जनता से जुड़े काम होंगे। बेरोजगारी भत्ता 500 रु से बढ़ा कर 650 रुपये किया गया है। मंदिरों में भोग राशि दोगुनी होगी।

अल्पसंख्यक मदरसा जन सहभागिता योजना से धार्मिक महत्त्व के काम होंगे। वहीं अल्पसंख्यक छात्रों के लिए अलग से छात्रवृत्ति का प्रावधान और छात्रावासों का निर्माण होगा। लावारिस के क्रियाकर्म करने वाली संस्थाओं को 5000 रुपये प्रोत्साहन राशि मिलेगी। वरिष्ठ नागरिकों को अब प्रतिमाह 750 रुपये और दिव्यांगों को भी पेंशन मिलेगी। खेल विकास, पर्यावरण, वन्य जीव तथा पुरातत्व से जुड़ी योजनाओं पर अलग से राशि आवंटित की गई है। ■

राम चरित

ईश्वरत्व से आगे मनुष्यत्व

-पंकज शर्मा

प्रभु श्रीराम का चरित्र भारतीय जनमानस को स्पन्दित और झंकृत करने वाला है। श्रीराम के आचरण और मर्यादाओं ने हर वर्ग को प्रभावित किया। यही वजह है महाकवि तुलसी ने उन्हें मंदिरों से निकाल कर समाज के घर-घर में पहुंचा दिया। राम को विष्णु के दस अवतारों में से सातवां माना जाता है। मानव मात्र की भलाई के निमित्त उन्होंने मानवीय रूप में धरा पर अवतरण किया। मानव के अस्तित्व की कठिनाइयों तथा कष्टों का वरण किया ताकि सामाजिक व नैतिक मूल्यों को जीवंत रखा जा सके। मर्यादा पुरुषोत्तम राम को समूचे भारतीय जनमानस ने खुले दिल से स्वीकारा है।

जीवन के सभी संबंधों को पूर्णता और श्रेष्ठता से निभाने वाले श्रीराम गंभीरता में समुद्र और धैर्य में हिमालय के समान रहे। राम शब्द ही बड़ा प्यारा है, जिसके उच्चारण में सहजता ऐसी कि हर कोई राम नाम ले सकता है। 'रा' उच्चारण में मुंह खुलता और 'म' पर बन्द होता। 'र' का अर्थ तत् (परमात्मा) और 'म' का अर्थ त्वम (जीवात्मा) और आ की मात्रा (ा) का अर्थ असि है। यानी जीवात्मा का लक्ष्य परमात्मा के प्रति प्रेम है। जहां वध नहीं हो, वही अवध है। जहां युद्ध नहीं हुआ वही अयोध्या है। लोगों में अपराध की मानसिकता नहीं रहे और सब से संतुष्ट हों, वह राम राज्य है। देश-विदेश का हर शांतिकामी नागरिक इसी रामराज्य का सपना पालता है। रामराज्य का मतलब धर्मराज्य, जहां शासन नीति, न्याय, निष्पक्षता और सत्यनिष्ठा से हो। भारतीय संविधान में सेकुलर के लिए धर्मनिरपेक्ष शब्द का गलत चलन हो गया, जिससे शासन में धर्म की आत्मा ही मर गई। सेकुलर का अर्थ धर्मनिरपेक्ष नहीं-पंथ निरपेक्ष है। कोई शासन धर्मनिरपेक्ष हो जाएगा तो सांस्कृतिक-सामाजिक पराभव व क्षरण सुनिश्चित है। फिर ऐसा शासन तो कंस और रावण राज्य के समान हो जाएगा।

शासक सभी धर्मों का सम्मान करने वाला और नीति और न्याय से विभूषित व्यक्ति ही होना चाहिए। जिसका लक्ष्य ही मानव मात्र की भलाई और सुरक्षा हो। धर्मविहीन व्यक्ति तो निरंकुश और बिगड़ैल ही होगा। शासक को धार्मिक होना ही चाहिए। हां, उसे सर्व समावेशी और लोक कल्याणकारी होना पड़ेगा। यही तो रामराज्य का सार है, जहां किसी को भी शासन की कुचेष्टा से कष्ट न दिया जाए। राम जैसे आदर्श व सत्यनिष्ठ चरित्र की जरूरत हर कालखंड में रहेगी। अच्छाई से भरोसा उठ जाए तो संसार कैसे चलेगा? इसलिए राम जैसे चरित की हर युग में जरूरत रहेगी। आज के युग में भी राम बनना नामुमकिन नहीं है। हां इसमें मुसीबतें जरूर आती है। हर युग में राम हैं, जिन्हें भरपूर कष्ट मिला है और तय है कि आगे भी मिलेगा। त्रेता युग हो या आज का कलियुग। राम का मार्ग कष्ट और संघर्ष का ही रहेगा। कुछ भी अच्छा करने या अच्छा बनने का प्रयास करें, अक्ल के अंधे और काम से निठल्ले अडंगेबाजी से बाज नहीं आएंगे। इसलिए धीर-वीर-गंभीर व्यक्ति विरोध और कष्टों की कोई परवाह नहीं करते। कहते हैं - गुरबत के सुबह-ओ-शाम कोई पूछता नहीं। लंका में रावण-नवाजियां चलती रही, मगर राम पड़े थे वन में, क्योंकि उनके पास कुछ भी ऐश्वर्य है ही नहीं। राम जीवन में कष्टों से रूबरू होकर आगे बढ़े और रावण तो वैभवशाली और सुनहरी सोने की लंका में रहे। उसे तो उसी दिन कष्ट हुआ, जब उसकी नाभि में बाण लगा। उपनिषद् कहता है - 'सत्यमेव जयते, नानृतम'। (सत्य की ही विजय होती है, असत्य की नहीं) हुआ भी यही और आगे भी यही होता रहेगा, परन्तु होने में लम्बा वक्त लगता है। बीज टूटेगा उसे दर्द होगा, अंकुरण में धरती को कष्ट सहना पड़ेगा, तब जाकर खुशहाली की फसलें लहलहाएगी। टूटन से हम दुखी जरूर हों, मगर निराश नहीं। हमारा मन तांबे के बर्तन समान है, जिसे शुचिता की राख से रोज मांजना पड़ेगा, नहीं तो उसे कलुषित होते देर न लगेगी। इसीलिए हर नवरात्रि में संकल्प शक्ति, ऊर्जा, दिव्यता स्वास्थ्य की प्राप्ति के लिए विशेष प्रयास होते हैं। शक्ति हमारे मन में सकारात्मकता जाग्रत कर नकारात्मक वृत्तियों का नाश करती है। मातृशक्ति ही ब्रह्मांड की जननी है। असुर कौन है? मधु यानी राग। कैटभ यानी द्वैष, रक्तबीज यानी आनुवंशिक कुटिलता, महिषासुर यानी जड़ता, शुम्भ यानी खुद पर संशय, निशुम्भ यानी आसपास सब पर संशय। नवरात्रि आत्मा और प्राण का उत्सव है। हमारा जीवन तमस, रजस व सत्य गुणों के संतुलन पर चलता है। जब सत्व बढ़ता है तभी विजय मिलती है। यह पर्व चेतना का विकास करता है। एक दिव्यता को सब रूप में पहचानना ही नवरात्रि उत्सव है, जिसकी जरूरत देवता और मनुष्य दोनों को होती है। नवरात्रि पर्व वर्ष में दो बार आता है। संवत्सर के प्रारम्भ और मध्य में। चैत्र शुक्ला नवमी को राम का जन्मदिवस भी माना जाता है। अश्विन शुक्ल नवमी को श्रीराम की शक्ति पूजा सम्पन्न हुई और रावण पर विजय का शक्ति से आशीर्वाद मिला। ■

With Best Compliments from

Golcha Group
Estd. 1880

Udaipur Mineral Development Syndicate Pvt. Ltd

- Pioneer of Soapstone Mining & Processing in India
- Export of Best Quality Talc for Vital Applications

Mines

Ghewaria, Chainpura, Bagwasa, Asanmata

Works

Mandalgarh & Ghewaria

Corporate & Head Office

Golcha Trade Center

4th Floor, Ajmeri Gate, M.I. Road, Jaipur – 302 001 (India)
Tel: +91-141-4056666 (30 Lines), **Fax:** +91-141-2229384
E-Mail : info@golchagroup.com
Website : www.golchagroup.com

एटीएम उगल रहे नकली नोट

सीमापार से आने वाली नकली नोट की खेप ने बदला रूट

कराची और लाहौर में हो रही नकली नोटों की छपाई

लक्ष्य, भारत की अर्थ व्यवस्था को तहस-नहस करना

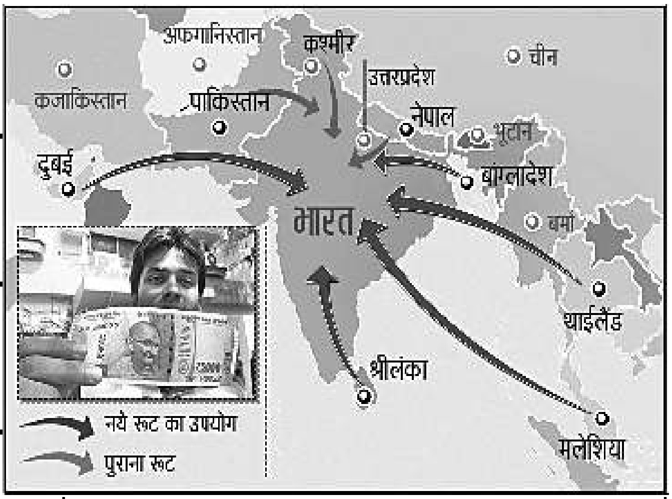

- गौरव शर्मा -

बैंकों के एटीएम अगर चूरन वाले नोट उगलने लगे तो, यह महज मज़ाक मानकर टाल देने वाला विषय नहीं है। गड़बड़ी कहीं ज्यादा है और इसके तार किसी बड़े अपराधी नेटवर्क से जुड़े हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था को तहस-नहस करने से बाज नहीं आना चाहता। देखने में ये नोट दो हजार के नोट की ही तरह दिखते हैं - वहीं रंग, वही आकार-प्रकार और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का चित्र। हालांकि इन पर रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया की जगह छपा है, चिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडिया। नम्बर की जगह सिर्फ शून्य है। इसके अलावा भी 'सीमापार' से नए नोटों की तर्ज पर नकली नोटों की सप्लाई का धंधा भी जारी है। पिछले वर्ष 8 नवम्बर 2017 को की गई नोटबंदी के बाद मार्च के पहले हफ्ते तक 40 करोड़ से अधिक मूल्य के नोट बरामद हो चुके हैं, जिनमें बंद हुए और नकली नोट भी शामिल हैं। नोटबंदी से पहले करीब 6 करोड़ रुपए बरामद हुए तो नोटबंदी के बाद 34 करोड़ से अधिक रुपए बरामद हुए।

जहां तक चूरन वाले नोटों का सवाल है, जाहिर है, वे रिज़र्व बैंक ऑफ इण्डिया के सिक्योरिट प्रेस में तो छपे नहीं होंगे, इस तरह के नोट प्राय: निजी व्यापारियों द्वारा अपने ब्राण्ड विक्रय करने और बच्चों को बहलाने के लिए छापे जाते हैं और वे मूल्यहीन होते हैं, लेकिन चिंता इसलिए हो रही है, कि ये अब मुख्यधारा के मुद्रा विनियम में पहुंच रहे हैं। असली नोट गायब कर इन नोटों को खपाने की साजिश को अंजाम दिया जा रहा है। बैंको के एटीएम इन नोटों को उगलकर यही स्पष्ट संकेत दे भी रहे हैं। यह काम किसी बड़े गिरोह की सक्रियता के बिना संभव नहीं है। नोटबंदी के बाद जारी 2000 रुपए के नकली नोटों का बैंको से मिलना और एटीएम से निकलना जारी है। जलालाबाद के स्टेट बैंक एटीएम से पिछले दिनों 2000 रुपए का एक नकली नोट निकला। हरियाणा के मेहम में आईसीआईसीआई बैंक के एटीएम से भी 2000 के नकली नोट निकले। जिन पर चिल्ड्रन बैंक ऑफ इण्डिया छपा है। मध्यप्रदेश के दमोह में स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की एटीएम मशीन ने 500 रुपए के ऐसे नोट उगले जिन पर सीरियल नम्बर ही नहीं है। मेरठ की पीएनबी ब्रांच की एटीएम मशीन से भी ऐसे नोट निकले जिन पर 'चिल्ड्रन ऑफ इंडिया' छपा हुआ है। दिल्ली के संगम विहार इलाके के बैंक में भी ऐसा कुछ खेला हुआ।

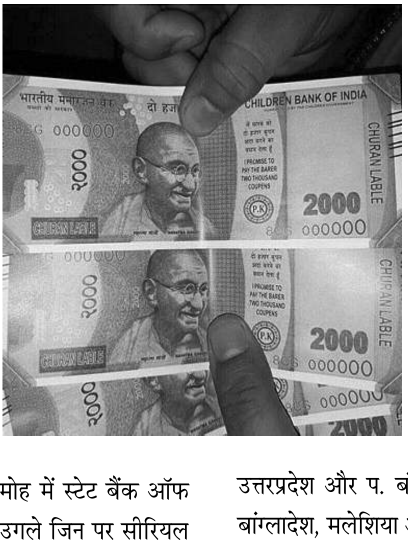

दूसरी ओर नोटबंदी के बाद सीमापार से भी नकली नोट की आवक जारी है। रिज़र्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा जारी नए नोटों की हुबहू कॉपी वाले नोटों की खेप के साथ पिछले दिनों गिरफ्तारियों से यह भी खुलासा हुआ है कि पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई इसमें सक्रिय है। सुरक्षा एजेन्सियों की मानें तो भारत में फैलाए गए नकली नोटों की सप्लाई का सरगना पाकिस्तान के लाहौर में बैठा इकबाल काना है। उसे अन्डरवर्ल्ड डॉन दाउद इब्राहिम के गुर्गों की मदद भी मिली हुई है। हालांकि दिल्ली समेत देश भर में नकली नोटों को पहुंचाने का मार्ग अब बदल दिया गया है। पहले ये नोट नेपाल, कश्मीर, उत्तरप्रदेश और प. बंगाल होते हुए पहुंचते थे, लेकिन अब इन्हें श्रीलंका, बांग्लादेश, मलेशिया और थाईलैंड के रास्ते भेजा जा रहा है। नकली नोटों की

दिल्ली में बरामदगी

28 जनवरी, 2017 : 18 लाख के नकली नोट के साथ तीन गिरफ्तार

10 जनवरी 2017 : छह लाख के नकली नोट के साथ दो पकड़े गए

11 दिसम्बर 2016 : ग्रेटर कैलाश पार्ट एक में 13.65 करोड़ बरामद

24 नवम्बर 2016 : निजामुद्दीन से क्राइम ब्रांच की टीम ने 27 लाख के नए नोट के साथ दो लोग दबोचे

22 नवम्बर, 2016 : कश्मीरी गेट में तीन लोगों से 3.5 करोड़ बरामद

19 नवम्बर, 2016 : आनंदविहार पर एक युवक से 97 लाख पकड़े

17 नवम्बर 2016 : पहाड़गंज से डॉक्टर से 67.86 लाख मिले

12 नवम्बर, 2016 : गीता कॉलोनी इलाके में ऑटो सवार दो लोगों से पुलिस ने 50 लाख बरामद किए

छपाई तो लाहौर और कराची में ही हो रही है। नकली नोट के काले कारोबार पर रोक लगाने के लिए आईबीआई, कस्टम व इंटेलीजेंस ब्यूरो जैसी अन्य एजेंसियों की मदद लेकर आईएसआई की भारतीय अर्थव्यवस्था को अस्त-व्यस्त करने की नापाक साज़िश को नाकाम करने में जुटी हुई हैं।

लगातार मिल रहे नकली नोट

- **10 फरवरी, हैदराबाद (साइबराबाद) :** 2000 के नकली नोटों के रूप में 34.66 लाख बरामद
- **18 फरवरी, जम्मू (सिंबल कैम्प) :** 2000 और 500 रुपए के नकली नोटों के रूप में 3.9 लाख रुपए पकड़े गए
- **20 फरवरी, पं. बंगाल (मालदा) :** 96000 रुपए मूल्य के 2000 रुपए के नकली नोट जब्त किए गए। इन पर चिल्ड्रन बैंक छपा था।
- **23 फरवरी, दक्षिण दिल्ली :** स्टेट बैंक के एटीएम में केश लोड करने वाला कर्मी एटीम में 5 असली नोटों को नकली नोटों से बदलते गिरफ्तार हुआ।
- **23 फरवरी, लुधियाना :** एक खाताधारी ने एक राष्ट्रीयकृत बैंक से 4000 रुपए निकलवाए। बैंककर्मी ने उसे 2000 के दो नोट दिए, उन पर चिल्ड्रन बैंक ऑफ इंडिया लिखा था।
- **2 मार्च, कोलकाता (वारगंल) :** पुलिस ने 5 लोगों को गिरफ्तार कर 2000 रुपए के नकली नोट बरामद किए। जिनका मूल्य 56 लाख 74 हजार था।
- **3 मार्च, हांसी :** एक बैंक के एटीएम से 2000 रुपए का चूरन वाला नोट निकला
- **3 मार्च, बागेश्वर :** भारतीय स्टेट बैंक से रिज़र्व बैंक को भेजी धन राशि में 500 और सौ रुपए के कुछ नोट नकली मिले।
- **4 मार्च, राजकोट :** फाइनेंसर की कार से करीब 4 करोड़ के 2000 के नकली नोट बरामद। 1.20 करोड़ के नकली नोट जलाने का मामला भी ।
- **4 मार्च, उदयपुर :** इलाहाबाद बैंक में दो उचक्के एक युवक को झांसे में लेकर दो-दो हजार के नकली नोट थमा कर 25 हजार के असली नोट लेकर फरार
- **7 मार्च, दक्षिण दिल्ली :** अमर कॉलोनी इलाके के एटीएम से चूरण छाप 2000 का नोट निकला। ■

jfl ih

गर्मी में कुछ खास शर्बत

- रेणु शर्मा-

वसंत की विदाई के साथ ही ग्रीष्म ने दस्तक दे दी है। इस मौसम में अपने व घर आए मेहमानों के लिए कुछ खास तरह के स्वास्थ्यवर्धक व लज़ीज पेय तैयार करें।

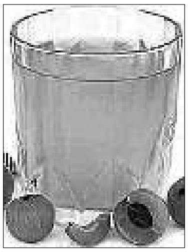

आंवले का शरबत

सामग्री : आंवले-एक किलो, शक्कर-एक किलो, साइट्रिक एसिड-10 ग्राम, पोटेशियम मेटा बाईसल्फाइट-एक ग्राम।

यूं बनाएं : आंवले दो फीसदी नमक के घोल में एक सप्ताह तक डुबोएं। इन्हें धोकर एक लीटर पानी 15 मिनट तक प्रेशर कुक करें। आंवलों का रस निकालें। आधा लीटर पानी में शक्कर, साइट्रिक एसिड, पोटेशियम मेटा बाईसल्फाइट मिलाकर शक्कर घुलने तक गर्म करें। छानकर रस में मिला दें।

लेमन स्क्वॉश

सामग्री : नींबू का रस-एक लीटर, पानी-डेढ़ लीटर, शक्कर-2 किलो, पोटेशियम मेटा बाईसल्फाइट-2.5 ग्राम, लेमन कलर-कुछ बूंदें, लेमन एसेंस-1/2 छोटा चम्मच।

यूं बनाएं : शक्कर को पानी में डालकर तब तक गर्म करें, जब तक सारी शक्कर घुल न जाए। इस चाशनी को ठंडा करके कपड़े से छान लें। चाशनी में रस, रंग और एसेंस मिलाएं। साफ बोतलों में भरें। सर्व करते समय सूखा पोदीना डालें

खस का शरबत

सामग्री : शक्कर-2 किलो, पानी-डेढ़ लीटर, हरा रंग-10 से 15 बूंद, साइट्रिक एसिड-15 ग्राम, खस एसेंस-आवश्यकतानुसार मात्रा में, पोटेशियम मेटा बाईसल्फाइट-2 ग्राम। **यूं बनाएं :** पानी में शक्कर और साइट्रिक एसिड मिलाकर पकाएं और एक तार की चाशनी बनाकर आंच से उतार लें। छानकर इसमें पोटेशियम मेटा बाईसल्फाइट और रंग मिलाएं। ठंडा होने पर एसेंस मिलाकर बोतलों में भर दें।

गुलाब शरबत

सामग्री : गुलाब की सूखी पत्तियां-100 ग्राम, गुलाब जल-200 मिली, शक्कर-2 किलो, पानी-डेढ़ लीटर, रसबेरी-10 से 15 बूंद, साइट्रिक एसिड-15 ग्राम, पोटेशियम मेटा बाईसल्फाइट-2 ग्राम।

यूं बनाएं : गुलाब की पत्तियों को रात भर आधा लीटर पानी में भिगोकर रखें। अब इन्हें छानकर पानी अलग कर लें। बाकी बचे एक लीटर पानी में भीगी गुलाब की पत्तियां डालें और मसलकर फिर पानी छान लें। गुलाब के पानी में शक्कर और साइट्रिक एसिड डालकर एक तार की चाशनी बनाएं। चाशनी को छान लें। ठंडा होने पर गुलाब जल, रंग, पोटेशियम मेटा बाईसल्फाइट डालें। साफ बोतलों में भरकर ठंडे और शुष्क स्थान पर रखें। ■

बार-बार हो रहा है सिरदर्द तुरंत डॉक्टर से मिलें

सिरदर्द रोजाना की जिंदगी में आने वाली सबसे आम समस्याओं में से एक है, लेकिन जब वह आपकी नियमित समस्या बन जाए तो लापरवाही ठीक नहीं।

- डॉ नवनीत अग्रवाल

हम अत्यधिक भागदौड़, तनावपूर्ण, अस्वस्थ तथा व्यसन से भरपूर जिंदगी जीने लगे हैं। ऐसे में सिरदर्द की समस्या आम बात हो गई है। हर कोई कभी न कभी इस समस्या से गुजरता ही है। कुछ सिरदर्द एक समय के बाद खुद ही शांत हो जाते हैं, जबकि कुछ भयंकर दर्द हमें दर्द निवारक गोलियां खाने या डॉक्टरी परामर्श लेने पर मजबूर कर देते हैं।

क्या हैं कारण ?

- सिरदर्द का कोई खास लक्षण नहीं होता। इसके अनेक कारण हो सकते हैं। ज्यादातर मामलों में यह कहना मुश्किल होता है कि किसी खास वक्त पर ही क्यों आप सिरदर्द से पीड़ित हो जाते हैं। यह तनाव से लेकर उपवास, नींद की कमी, थकान या शौकिया दवाओं के सेवन तक के किसी भी मामूली या गंभीर दुष्प्रभाव की वजह से हो सकता है। जब कोई व्यक्ति वायरल या संक्रमण या सर्दी-जुकाम की चपेट में आता है, तब भी उसे सिरदर्द जैसी सामान्य परेशानी हो सकती है।
- कई बार सिरदर्द आंखों की परेशानी और नजर की समस्या के कारण भी हो सकता है। ऐसे में अपनी आंखों की जांच कराने और अपनी लेंस की पावर दुरुस्त कराने से आपको सिरदर्द से निजात मिल सकती है। कई बार जब किसी संक्रमण के कारण साइनस की समस्या बढ़ जाती है तो उसके साथ सिरदर्द भी उभर सकता है।
- बार-बार सिरदर्द होने के अन्य कारणों में अवसाद, तनाव या चिंता, नींद में खलल, अधिक वजन और कैफीन तथा निकोटिन पर अत्यधिक निर्भरता भी शामिल है। धूम्रपान की नुकसानदेह लत पाले लोग जब ज्यादा देर तक सिगरेट बीड़ी नहीं पीते तो भी उन्हें सिरदर्द हो सकता है।
- अक्सर सिरदर्द को गंभीरता से नहीं लिया जाता और यह आराम करने से ठीक हो जाता है। हालांकि कई ऐसे मामले भी देखे गए हैं, जब किसीगंभीर कारण से सिरदर्द होता है और इसमें डॉक्टरी सहायता की जरूरत पड़ जाती है।

हल्के में न लें

भारत में लोग दर्द निवारक दवाओं से खुद इलाज कर लेते हैं। माइग्रेन के मामलें में पुरुषों की तुलना में ज्यादातर महिलाएं असह्य दर्द से पीड़ित होती हैं और यह सोचती रहती हैं कि किसी और कारण से उन्हें यह सिरदर्द हो रहा है।

ज्यादा कष्टदायी न हो जाए

माइग्रेन का दर्द मस्तिष्क में नसों, न्यूरोट्रांसमीटरों और रक्त नलिकाओं की जटिल अंत:क्रियाओं के कारण होता है। केन्द्रीय तंत्रिका तंत्र की सामान्य प्रक्रिया में बाधा पड़ने से ऐसे सिरदर्द शरीर के लिए ज्यादा कष्टदायी हो जाते हैं।

डॉक्टर से लें सलाह

- जब सिर में किसी तरह की चोट लगने पर सिरदर्द हो तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए। कुछ मामलों में यह चोट हल्की हो सकती है, लेकिन यह मस्तिष्क के अंदर गहरे जख्म का संकेत भी दे सकती है।
- सिरदर्द का ताल्लुक जब चक्कर आने, संतुलन खो देने, पैरों में अकड़न, धुंधली नजर या बोलने में दिक्कत जैसे लक्षणों से होता हो तो यह ब्रेन स्ट्रोक का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से मिले।
- यदि बार-बार सिरदर्द हो तो न्यूरोलॉजिस्ट से संपर्क करना चाहिए, जो संपूर्ण जांच करने के बाद जरूरत पड़ने पर किसी गंभीर समस्या से बचाने के लिए आपका सीटी स्कैन या एमआरआई भी करा सकता है।
- उल्टी से जुड़े सिरदर्द को कभी अनदेखा न करें। माइग्रेन कुछ मरीजों में असह्य दर्द के साथ उबकाई के लक्षण भी देखे गए हैं। यह स्थिति आपके मस्तिष्क के अंदर गंभीर गड़बड़ी का संकेत भी हो सकती है। ■

योनि से जानें अपना व्यक्तित्व

भारतीय ज्योतिष विद्या पूर्ण वैज्ञानिक है। भूत, भविष्य और वर्तमान में घटित व संभावित स्थितियों का प्रगटीकरण करने वाली यह विद्या ग्रह-नक्षत्र की चाल के गणितीय ज्ञान पर आधारित है। जिसके लिए गहन चिंतन व साधना की जरूरत है। ज्योतिष को महज कल्पित व पुरातन कह कर खारिज नहीं किया जा सकता। प्रस्तुत है **ज्योतिषाचार्य पंडित गौरव शर्मा** का जन्म तिथि व समय के आधार पर निर्धारित होने वाली योनियों के अनुसार व्यक्तित्व को निर्धारित करता आलेख।

प्रत्येक जातक की जन्म पत्रिका में योनि का उल्लेख रहता है, जिस योनि में जातक का जन्म होता है, उसका स्वभाव कार्यशैली, आकृति और व्यवहार योनि अनुकूल ही होता है। योनि से प्रत्येक जातक के सम्बंध में सटीक जानकारी प्राप्त की जा सकती है। योनिया 14 प्रकार की हैं। वैर योनियों में जन्म लेने वाले जातकों में परस्पर मैत्री की तो कल्पना भी नहीं की जा सकती। अनुकूल योनि वालों में परस्पर प्रेम, मित्रता, सद्भाव व सहयोग देखा जा सकता है। इसीलिए लग्नादि के लिए कुण्डली मिलान किया जाता है।

अश्व योनि

जिस जातक का जन्म अश्विनी या शतभिषा नक्षत्र में हुआ है, उसकी अश्व (घोड़े) की योनि होगी। ऐसा जातक स्वतंत्र, वीर, प्रतापी, अपने मालिक का भक्त, हष्ट-पुष्ट, लम्बे समय तक कार्य करने की क्षमता वाला होता है।

गज योनि

जिस जातक का जन्म भरणी या रेवती नक्षत्र में हुआ है, उसकी गज (हाथी) की योनि होती है। ऐसा जातक बलवान भोगी, राजा-राजनेता के समान, उत्साही होता है।

छाग योनि

जिस जातक का जन्म पुष्य या कृतिका नक्षत्र में हो, उसकी छाग (बकरी) की योनि होती है। ऐसा जातक चतुर, वाक्पटु सर्वदा उत्साहयुक्त, स्त्रियों में विशेष प्रिय किन्तु अल्पायु होता है।

सर्प योनि

जिस जातक का जन्म मृगशीरा या रोहिणी नक्षत्र में हुआ है, उसकी सर्प (सांप) योनि होती है। ऐसा जातक क्रोधी चंचल, जिव्हा लोलुप होता है। ऐसे लोगों की मित्र मंडली सीमित होती है। इनका स्वभाव हर किसी से मेल नहीं खाता है।

मूषक योनि

जिस जातक का जन्म मघा या पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र में होता है, वह मूषक (चूहा) योनि को प्राप्त होता है। ऐसा जातक चतुर, समृद्ध, बुद्धिमान, हमेशा सावधान, कार्य में तत्पर व कभी किसी पर विश्वास न करने वाला होता है।

श्वान योनि

जिस जातक का जन्म आर्द्रा या मूल नक्षत्र में हुआ है, वह श्वान (कुत्ता) की योनि को प्राप्त होता है। ऐसा जातक माता-पिता व अपने मालिक का भक्त होता है। शूर-वीर, उत्साही, व्यापार में सफलता प्राप्त करता है।

मार्जार योनि

जिस जातक का जन्म आश्लेषा या पुनर्वसु नक्षत्र में हुआ है, वह मार्जर (बिलाव) योनि को प्राप्त करता है। ऐसा जातक गुणावगुण देखे बिना हर कार्य को सिद्ध करने वाला, मोदक प्रिय, दुष्ट और अत्याचारी होता है।

मृग योनि

जिस जातक का जन्म ज्येष्ठा या अनुराधा नक्षत्र में हुआ है, वह मृग (हिरण) योनि को प्राप्त होता है। ऐसा जातक सुन्दर, शान्त स्वभाव, धर्मात्मा, सत्य वक्ता, सद्व्यवहारी, विवाद व झगड़ों से दूर रहने वाला होता है।

महिष योनि

जिस जातक का जन्म हस्त या स्वाति नक्षत्र में हुआ है, वह महिष (भैंसा) की योनि को प्राप्त होता है। ऐसा जातक युद्ध में कुशल, विजयी, कामी, अधिक संतान वाला, मंद बुद्धि, हष्ट-पुष्ट होता है।

गो योनि

जिस जातक का जन्म उत्तरा फाल्गुनी या उत्तरा भद्रप्रद नक्षत्र में हुआ है, वह जातक गो (गाय) की योनि को प्राप्त होता है। ऐसा जातक परोपकारी, दयालु, दूसरों की सेवा करने वाला, धनवान व धर्मप्रिय होता है।

सिंह योनि

जिस जातक का जन्म पूर्वा भद्रपद या घनिष्ठा नक्षत्र में हुआ है, ऐसा जातक सिंह (शेर) की योनि को प्राप्त होता है। ऐसा जातक निर्भयी, धर्मात्मा, सद्गुणों से युक्त, क्रोधी, अपने कुटुम्ब में प्रभुत्व रखने वाला होता है।

वानर योनि

जिस जातक का जन्म पूर्वाषाढ़ा या श्रवण नक्षत्र में हुआ है, ऐसा जातक वानर (बन्दर) की योनि को प्राप्त होता है। ऐसा जातक चंचल, झगड़ालू, मिष्ठान्न भोगी, शूरवीर, कामी, अधिक सन्तान युक्त होता है।

नकुल योनि

जिस जातक का जन्म उत्तराषाठा या अभिजित नक्षत्र में हुआ है, ऐसा जातक नकुल (नेवले) की योनि को प्राप्त होता है। जो हर कार्य को कुशलता से करने वाला समृद्ध विद्वान व आध्यात्म में रुचि रखने वाला होता है। ■

PACIFIC UNIVERSITY

Admissions Open

With option for

DEGREE WITH A STARTUP Support

WORLD CLASS PROGRAMMES

WITH **ASSURED PLACEMENT ASSISTANCE** & OPTION FOR **STARTUP**

MBA

MBA Dual Specialization
MBA with International Certification
MBA Hospital Administration

- Pre-placement in Jobs.
- Empowered Incubation Center for Entrepreneurship.
- 20+ Certification Options including Financial Modeling, Simulation & many more.
- 200 Hours Student Development Programmes.
- 2 Majors for Double Employability.
- 360 Degree Development.

5 Times National Champion in Simulated Management Games of AIMA

250+ Corporate Linkages in Management Education

100+ Companies Training Support Including BSE, III, IIT, Systat ...

MBA From RTU also available at PBS

For More Detail :
+91 9983992222, +91 9672970941

B. PHARMA.

MCA

WHY JOIN MBA / B. TECH. / MCA / B. PHARMA DEGREE WITH STARTUP Support?

- Professional guidance for setting your own business venture.
- Business idea identification and development of project report.
- Investment support from Angel Investors / Venture Capital Funds.
- Boot Camp to incubate for launching and running own business.

HIRE ME — NO
CHANGE THE ATTITUDE
I CAN HIRE — YES

B. TECH.

B.Tech. Civil, Mechanical, ECE, CSE, IT, Electrical, Mining, EEE.

M.Tech. CAD/CAM, Structural Engg, Geotechnical Engg, Software Engg, CSE, Digital Communication, VLSI, Control & Instrumentation Engg, PS, Industrial Engg, Production Engg, Energy Studies, CTM

- 1st in Aakash Anrod Application Programming Content Conducted by IIT Bombay.
- 35,000+ Books, Periodicals, 200+ Journals (National & International), 2000+ E-Journals.
- Achieved Third Position in Thar - 2015.
- Technical Support from more than 50 Labs.

52+ Corporate Linkages in Engineering Education

100+ Corporate Training Support Including IBM, Oracle, Infosys, Flipkart & Many More...

B.Tech From RTU with Best College for Engineering Award

B.Tech. from RTU also available

For More Detail :
+91 7665017787, +91 9672970940

The Pacific Group

3 Universities
2 Medical Colleges
5 Dental Colleges
4 Engineering Colleges
4 Management Colleges
more than 24 Colleges ...

Campuses in 120 Acre | 500+ Faculty | 15000 Students

पेसिफिक यूनिवर्सिटी की डिग्री विथ स्टार्टअप योजना के लाभ

राजस्थान पत्रिका, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : पेसिफिक विश्वविद्यालय में डिग्री विथ स्टार्टअप से छात्रों में उद्यमिता विकास व अपना स्टार्टअप स्थापित करवाने में सहायता की जाएगी। प्रथम चरण में एम.बी.ए., बी.टेक, बी. फार्मा व एम.सी.ए. पाठ्यक्रमों में लागू।

दैनिक भास्कर, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : पाठ्यक्रम अवधि में छात्रों के उपयुक्त व्यवसाय के चयन, बिजनेस प्लान तैयार करने, एंजेल इन्वेस्टर जुटाने में सहयोग। विद्यार्थी अपना उपक्रम स्थापित कर उद्यमी बन पाएंगे।

दैनिक नवज्योति, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : डिग्री विथ स्टार्टअप योजना में विश्वविद्यालय में इन्क्यूबेशन सेंटर उपक्रमों के चयन, संचालन, संसाधनों के विकास, उपक्रम के बुनियादी ढाँचे के निर्माण में, व्यापार के लिए उचित नेटवर्क निर्माण में छात्रों की मदद करेगा है।

प्रातःकाल, उदयपुर 18 फरवरी 2017 : डिग्री विथ स्टार्टअप योजना का प्रमुख उद्देश्य छात्रों में स्वतंत्र एवं स्वावलंबी बनने की भावना का विकास करना एवं देश में उद्यमवृत्ति को बढ़ावा देना है।

करें अपनी उद्यमिता का विकास पेसिफिक डिग्री विथ स्टार्टअप योजना के साथ

Laurels

- Times Education Achievement Awards - 2016 & 17 in Dental, Education, Pharmacy and Commerce & Mass Communication.
- Mega Events : RAJAPTICON-2015, Pharmacy Convention, 4th International Science Congress Conference 2014, South Asian Universities Festival 2015 - Students from 8 Countries & Many more...
- 4th Place in West Zone Inter University Hockey Tournament 2015-16.
- Annual Science Model Exhibition.
- Corporate Supports of 200+ Companies.
- Libraries with 1 Lac Sq. Feet Plinth Area, 2,50,000 Books, 1,000+ National & 400+ International Journals.

POLYTECHNIC DIPLOMA (AICTE Approved)
Diploma : Civil | Mechanical | Electrical
Architecture | Mining | Automobile | CSE | ECE
Mob.: 953 036 0191

COMMERCE
B.Com. : Global Business Management
(Free Educational foreign tour every year)
B.Com. (Synchronised with competitive exams)
BBA (Synchronised with competitive exams)
B.Com. (Hons.) (Synchronised with CA / CS)
M.Com. Mob.: 988 726 2020

MASS COMMUNICATION
BA (Journalism and Mass Communication)
MA (Journalism and Mass Communication)
Mob.: 988 726 2020

AGRICULTURE
B.Sc. (Hons.) Agriculture
M.Sc. Agriculture | Mob.: 869 688 8048

DENTAL (DCI Approved)
B.D.S., M.D.S. Mob.: 766 501 7760

BASIC SCIENCES
B.Sc. (Both Maths & Bio Group)
B.Sc. (Hons.) (Physics / Chemistry / Maths / Computer Science / Statistics / Botany / Zoology)
M.Sc. (Physics / Chemistry / Maths / Computer Science / Statistics) Mob.: 766 501 7783

FIRE AND SAFETY MANAGEMENT
B.Sc.: Fire & Industrial Safety Management
Diploma: Fire & Safety Management | Industrial Safety & Disaster Mgmt. | Health Safety & Environment
PG Diploma: Industrial Safety Management | Fire & Safety Management | Health, Safety & Environment Mob.: 967 297 0953

DAIRY TECHNOLOGY & FOOD TECHNOLOGY
B.Tech Dairy Technology
B.Tech Food Technology
B.Sc. Nutrition & Dietetics
Diploma Clinical Nutrition & Dietetics
Certificate Nutrition & Fitness
Mob.: 967 291 7869

RESEARCH AND DOCTORATE
M.Phil. & Ph.D. Mob.: 967 297 8030
(In all the streams listed above)

HOTEL MANAGEMENT (AICTE Approved)
B.Sc.: Hotel Management
Diploma: Diploma in Hotel Management
Trade Diploma in Hotel Management
Master of Tourism and Hotel Management (MTHM)
Mob.: 967 297 8016

SOCIAL SCIENCES AND HUMANITIES
B.A. | B.A. (Hons.)
(Free Coaching for Competitive Exams like IAS, RAS, RPSC, SSC, BANK, PO, CDS, PSI, CONSTABLE, PATWARI AND CLERICAL EXAMS)
M.A. | M.S.W. Mob.: 766 501 7739

EDUCATION & PHYSICAL EDUCATION
D.El.Ed., B.Ed.,
B.P.Ed., M.P.Ed. | Mob.: 967 297 8055

COMPUTER APPLICATION
BCA | BCA+MCA | PGDCA Mob.: 941 424 9049
MCA | M.Sc. IT | MCA in 2 Yrs. (Eligibility BCA with Maths)

PHARMACY (PCI Approved)
B.Pharma | M.Pharma Mob.: 766 501 7717

YOGA
Certificate, Diploma,
PG Diploma & M.Sc. in Yoga | Mob.: 766 501 7752

LAW (BCI Approved)
L.L.B.
B.A.+L.L.B.
B.Com.+L.L.B.
L.L.M. (1 Yr.)
L.L.M. (2 Yrs.)
Free R.J.S coaching & other tutorial classes Mob: 982 995 5566

FASHION TECHNOLOGY
Diploma: Fashion Designing | Jewellery Designing | Textile Designing | Fine Arts & Graphics | Interior Designing
Drama | Acting | Graphic Web Designing | Modelling | Animation | Accessory Designing | Event Management | Architecture
B.Sc. & M.Sc.: Fashion Designing | Interior Designing | Jewellery Designing | Textile Designing | Fine Arts & Graphics
MBA : Design Management | Fashion Designing | Textile Designing Mob.: 967 297 8017

Forms available at the Pacific Institute of Management on Payment of Rs. 500/- Cash or Apply online at www.pacific-university.ac.in

Pacific Academy of Higher Education and Research University
Pacific Hills, Pratap Nagar Extn., Airport Road, Udaipur
Email : pimanagement@rediffmail.com, info@pacific-university.ac.in

+91 9983992222, +91 9672970941
+91 7665017787, +91 9672970940

शिवसेना-भाजपा के हाथ मिले, मुम्बई में शिवसेना का महापौर

-जगदीश सालवी

असंभव को संभव में बदलना ही राजनीति है। महाराष्ट्र शहरी निकाय चुनावों ने परम्परागत राजनीति की नई परिभाषा गढ़ने को विवश कर दिया है। राजनीति में कभी भी, कुछ भी, दोस्ती और दुश्मनी भी अंतिम नहीं हुआ करती। सत्ता और धन की पोटली सभी संभावनाओं के द्वार खोल देती है। दो दशक तक शिवसेना और भाजपा ने साथ मिलकर स्थानीय निकाय एवं विधानसभा-लोकसभा चुनाव लड़े और सत्ता के शिखर को भी छुआ। यह क्रम 2014 के पिछले विधानसभा चुनाव तक चला। महाराष्ट्र शहरी निकाय चुनाव से पहले हल्की-फुल्की तल्खी ने खौफनाक रूप ले लिया और शिवसेना-भाजपा के बीच सम्बन्ध काफी बिगड़ गए। स्थानीय निकाय चुनाव से पहले शिवसेना ने महाराष्ट्र में भाजपा-शिवसेना सरकार से अपने मंत्रियों को हटाने की धमकी दी। चुनाव प्रचार के दौरान उद्धव ठाकरे ने भाजपा को गुंडों की पार्टी कहा तो भाजपा ने शिवसेना को माफियाओं का हुजूम कह कर पलटवार किया।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस और शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे

मुंबई में जन्मी भाजपा अस्सी-नब्बे के दशक में शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की अंगुलि पकड़ कर राजनीति का ककहरा सीखा करती थी। पिछले विधानसभा चुनाव में अपनी ताकत के बूते भाजपा राज्य की सत्ता पर काबिज हो गई। सीएम देवेन्द्र फड़नवीस ऐसे करिश्माई नेता बनकर उभरे, जिन्हें वोटों की लहलहाती फसल उगाने का बखूबी हुनर आता है। बालासाहेब ठाकरे के जीवित रहते अनुज की मामूली भूमिका निभाने वाली भाजपा आज बड़े भाई की भूमिका में है। शिवसेना के लिए यह खतरे की घंटी से कम नहीं है। उसने कभी सोचा भी नही होगा कि अपने गढ़ में उसे भाजपा से ऐसा धोबीपछाड़ मिलेगा। महाराष्ट्र में बीजेपी के अब तक के नेताओं में फड़नवीस राजनीतिक दांवपेच और संगठनात्मक कौशल में इक्कीस नहीं, इक्यावन साबित हुए हैं। इस चुनाव का भाजपा बनाम शिवसेना हो जाना कांग्रेस और राकांपा के लिए बहुत बड़ा झटका है। शिवसेना से अलग हो कर अपनी जुदा राह बनाने वाले मनसे प्रमुख राज ठाकरे भी हाथ मलते रह गए।

महापौर विश्वनाथ महादेश्वर का स्वागत करती पूर्व महापौर स्नेहल अम्बेकर।

अगर महाराष्ट्र के शहरी निकाय चुनावों पर नजर डालें तो भाजपा को मिली सीटों से भी कम सीटें शिवसेना को मिली हैं। वहीं शिवसेना के आधे से भी कम पर कांग्रेस है। जहां कभी लंबे समय तक उसका राज रहा। 2004 में कांग्रेस के नेतृत्व में यूपीए की सरकार देश में बन सकी तो इसके पीछे दो राज्यों में कांग्रेस को मिली शानदार कामयाबी का बड़ा हाथ था - एक आन्ध्रप्रदेश और दूसरा, महाराष्ट्र। इसके बाद हुए लोकसभा चुनाव यानी 2009 में भी इन्हीं दो राज्यों में मिली कामयाबी यूपीए के पक्ष में निर्णायक साबित हुई। लेकिन पिछले 2014 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस के ये दोनों गढ़ उसके हाथ से निकल गए। 20 वर्ष बाद पहली बार शिवसेना और भाजपा ने अलग होकर शहरी निकाय चुनाव लड़ा तो बाकी पार्टियां साफ हो गई। भाजपा 10 नगर निगमों में से 8 में आगे रही तो बाकी दो (बीएमसी व ठाणे) में शिवसेना। इन निकायों की कुल 1248 सीटों में 597 भाजपा ने जीती। वहीं शिवसेना 268, कांग्रेस 126, एनसीपी 137, मनसे 19 व अन्य 101 सीटें जीते। सबसे ज्यादा रार बीएमसी यानी बृहन्नमुंबई नगर निगम चुनाव पर मचा, क्योंकि यह देश की सबसे अमीर महानगरपालिका है। तकरीबन चालीस हजार करोड़ रुपये सालाना बजट वाले बीएमसी पर कब्जा जमाने के लिए सभी पार्टियों ने एड़ी-चोटी का जोर लगाया। 227 सीटों वाले बीएमसी में शिवसेना 84 सीटें जीत कर सबसे बड़े दल के रूप में उभरी। वहीं सिर्फ इससे दो सीटें कम पाकर भाजपा 82 सीटें जीत कर दूसरे नम्बर पर रही। कांग्रेस 31, एनसीपी 9, मनसे 7 तथा अन्य 14 सीटों पर विजयी रहे। बहुमत के लिए 114 सीटों की दरकार थी। इसीलिए शिवसेना व बीजेपी को अन्य दलों व निर्दलियों की जरूरत थी और उनके भाव अचानक बढ़ गए।

त्रिशंकु चुनाव परिणामों के मद्देनजर सभी को एक-दूसरे की जरूरत आन पड़ी। 23 फरवरी को आए चुनावी नतीजों के बाद सभी दल एक दूसरे को रिझाने व छकाने में रहे। पांच राज्यों के चुनाव परिणाम आने तक सभी मौन साधे रहे, परन्तु अन्दरखाने वार्ताओं के दोर चलते रहे।

इसी बीच ओडिशा में सम्पन्न त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सत्तारूढ़ बीजू जनता दल ने 473 जिला परिषद् सदस्य के पदों पर कब्जा जमाया। भाजपा ने जबर्दस्त आरोहण दिखाते हुए 297 सीटों पर अप्रत्याशित रूप से अपना वर्चस्व दिखाया। अब तक नम्बर दो रहने वाली कांग्रेस तीसरे पायदान पर खिसक कर 60 सीटों पर सिमट गई। कम्युनिस्ट व स्थानीय दल हाशिए पर खिसक गए। 8 मार्च को पांच राज्यों के चुनाव परिणामों ने भी महाराष्ट्र स्थानीय निकाय चुनाव परिणामों को बेहद प्रभावित किया। कई समीकरण बने और बिखरे।

पहली संभावना यह बनी कि भाजपा अपना मेयर बनाने के लिए एनसीपी 9 व मनसे 7 व अन्य 14 मिलकर साथ चले, पर यह जादुई आंकड़े 114 से दो कम बैठता है। दूसरा भाजपा 82 और शिवसेना 84 मिलकर मेयर बनावे, जो 166 सीटों का आंकड़ा बैठता है। तीसरी संभावना गैर-भाजपा व कांग्रेस को छोड़कर शिवसेना 84, राकांपा 9, मनसे 7 तथा अन्य 14 मिलकर एमएनसी पर काबिज हो। अंतिम संभावना में शिवसेना, भाजपा, राकांपा, मनसे व अन्य सभी को छोड़कर सिर्फ कांग्रेस से तालमेल कर शिवसेना 84 + कांग्रेस 31 = 115 सीटों से अपना मेयर बना ले। सारी संभावनाओं पर नफा नुकसान सोचा कर भाजपा ने बीती बातों और कड़वाहट को भुला कर एक बार फिर साथ आने का फैसला किया। इसके अनुसार बीएमसी के पांच साल के कार्यकाल पर ढाई-ढाई साल तक अपना मेयर रखने का समझौता हुआ। संख्या बल में 2 सीटों की अधिकता के कारण पहले ढाई साल तक शिवसेना का मेयर होगा और बाकी ढाई साल में भाजपा का मेयर रहेगा। फिलहाल इस फैसले से बाकी 9 नगर निगमों में भी समझैते की राह खुल गई। इसके अलावा यदि यह समझौते नहीं होता तो महाराष्ट्र में फड़णवीस सरकार पर भी संकट के बादल छा सकते थे। ■

पुष्पांजलि

जन्म : 14 अप्रैल 1891

निधन : 16 दिसम्बर, 1956

'**वर्ण** व्यवस्था का आधार जन्म नहीं, कर्म होना चाहिए। जब तक जातिवाद नहीं हटेगा, तब तक छुआछूत नहीं हट सकती। मैं उन शोषितों की सेवा में अपने जीवन का उत्सर्ग कर दूंगा, जिनमें मैं पैदा हुआ, जिनके बीच रहकर बड़ा हुआ और जिनमें मैं रह रहा हूँ। मैं अपने उत्तरदायित्व से न एक इंच भी पीछे हटूंगा, न आलोचना की चिंता करूंगा। मैं चाहता हूं कि दलित वर्ग आगे आए, अपने पैरों पर खड़ा हो तथा आत्म प्रेरित होकर अन्याय का मुकाबल करे। मनुष्य स्वयं अपना भाग्य निर्माता है। अछूतों को स्वयं ही अपना उद्धार करना होगा और इसकी पहल भी उन्हें ही करनी होगी।

हमें राजनैतिक लोकतंत्र से कभी भी संतुष्ट नहीं होना चाहिए, हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जब तक सामाजिक लोकतंत्र स्थापित नहीं होगा, तब तक राजनैतिक लोकतंत्र की बुनियाद मज़बूत नहीं होगी। सामाजिक लोकतंत्र का मतलब क्या है? यह जीवन जीने का एक तरीका है, जिसमें आज़ादी, समानता और भाई-चारे को जीवन का सिद्धांत बनाया जाता है। हममें हमेशा यह भाव गहरे तक रहना चाहिए कि हम भारतीय हैं, आज भी हैं और हमेशा रहेंगे।' – **डॉ. भीमराव आंबेडकर** (दलितों के मसीहा एवं भारतीय संविधान के निर्माता)

पाठक पीठ

मार्च 2017 का 'प्रत्यूष' आद्योपांत देखा। पृष्ठ 30 पर

शिल्पा नागदा का आलेख 'आकाश तक नारी शक्ति की गूंज' बेहद पसंद आया। यह बिल्कुल सही है कि महिलाओं पर पारिवारिक, सामाजिक अथवा दफ्तर के दबाव और दूसरी तरह के तनाव होते हैं, बावजूद इसके वे किसी तरह का समझौता नहीं करती तथा अपने दायित्वों का बेहतर परिणाम देती है। पत्रिका की अन्य सामग्री भी रूचिकर है।

– वंदना अग्रवाल

निदेशक, नारायण सेवा संस्थान

'प्रत्यूष' पत्रिका को पिछले 10-12

वर्षों से देख-पढ़ रहा हूँ। निश्चय ही यह रचनात्मक पत्रकारिता की मिसाल है। इसके रंगीन पृष्ठों में वृद्धि अपेक्षित है। नया स्तंभ 'आख्यान' स्वागत योग्य है।

– लक्ष्मण बजाज

प्रोपर्टी डीलर

मासिक हिन्दी 'प्रत्यूष' नियमित रूप से 'रोग और

उपचार पर' आलेख प्रकाशित करने के साथ ही व्यक्ति को निरोग रहने के लिए भी टिप्स देती है। यह अच्छी बात है। 'प्रत्यूष समाचार' के पृष्ठ शहर और प्रान्त की गतिविधियों को भी एक जगह उपस्थित कर देते हैं। यह आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक चेतना की त्रिवेणी है।

– डी. एन. गोयल

पैसेफिक मेडिकल कॉलेज

सत्ता के नशे में पिट गए विधायक पति

बचाने आई विधायक भी हुई पुलिस ज्यादती की शिकार

-नंदकिशोर

'मैं' मौजूद होता तो पुलिस पर हाथ उठाने वालों के हाथ तोड़ देता' और 'मैं वहां होता तो जनप्रतिनिधि के साथ ऐसा करने वाले सीआई की गर्दन मरोड़ देता।' यह अद्‌भुत डायलॉग फिल्म 'शोले' का नहीं हाल ही सामने आई पुलिसिया अकड़ और सत्ता के नशे में चूर लोकतंत्र के एक हैकड़ीबाज हिमायती के बीच हाथापाई की घटना के दौरान बोले गए। सत्ता व पद पाकर अकड़पन आज कला बन चुका है। ठीक वैसे ही जैसे अमचूर में आमी की अकड़। कुछ को सत्ता की अकड़ है तो कुछ को धन की। कुछ सरमाएदार पद पाने के बाद तो कुछ हैसियत पा जाने पर अकड़ में ठूंठ बने खड़े हैं। उन्हें लगता है कि जिसमें अकड़ नहीं, उसे दुनिया वाले आदमी ही नहीं मानेंगे। अकड़ बढ़ते ही शरीर पर चर्बी चढ़ती, एक के बाद एक बढ़ती अकड़ से बदन के सभी पुर्जे भारी होने लगते हैं। आदमी ठीक से बैठ भी नहीं पाता। सत्ता, पद, धन, रसूख पाकर प्यादा भी बादशाह की तरह बर्ताव करने लगता है। तभी तो बात-बेबात उसका अहम् सातवें आसमान पर रहता है। न उसे कानून का डर सताता है और न ही मर्यादा की सीमा उसे थाम पाती है। वह बेलगाम घोड़े की तरह वक्त-बेवक्त हिनहिनाता और लाउडस्पीकर-सा चिल्लाता है। उसका विरोध करने वाले शख्स पर दुलत्ती झाड़ने में कोई संकोच ही नहीं करता। कवि गोरख पांडेय की मशहूर कविता की पंक्तियां कानून का बखान कुछ यूं करती है -

लोहे के पैरों में भारी बूट/कंधे से लटकी बंदूक/कानून अपना रास्ता पकड़ेगा/हथकड़ियां डालकर हाथों में/तमाम ताकत से उन्हें जेलों की ओर खींचता हुआ/विरोध की जुबान पर चाकू की तरह चलेगा।

बात जब कानून के रखवाले दो अलग-अलग किरदारों की हो तो मशहूर अफसानानिगार भगवती चरण वर्मा की एक कहानी 'दो बांके' याद आती है। लोकतंत्र के शीशमहल में बैठकर विधान बनाने वाले, शासन चलाने वाले और जिम्मेदारी के आधार स्तम्भ जनप्रतिनिधि की बात हो अथवा पुलिस की, जिसे सत्ता का दबंग हिस्सा माना जाता है, भला वह अपनी मूंछों पर ताव देते हुए अपनी मर्यादा का उल्लंघन करने पर क्यों हर वक्त आमादा हो जाता है। लगता है दोनों स्वांग करने और स्वांग बनने को तैयार हैं। मौजूदा घटनाक्रम के सांचे में 'दो बांके' कहानी पूरी तरह फिट है, क्योंकि शासन की चहारदीवारी के भीतर दोनों एक दूसरे के पर्याय हैं। कहानी का परिदृश्य कुछ ऐसे ही चलता है। रईसों और तवायफों के शहर लखनऊ की जान होते थे 'दो बांके', जिन्हें दादा कहते हैं। रकाबगंज पुल पर दोनों के बीच अपने-अपने पट्ठों के साथ द्वंद्व युद्ध छिड़ा। जोड़ी जमी, पंजा लड़ा। दोनों के शागिर्दों ने गगनभेदी नारे बुलंद किए। खूब तमाशा हुआ, शहर में सनसनी फैली, पर जिस खून खच्चर की आशंका थी, वैसा कुछ न हुआ। दोनों बांकों ने सुलह कर ली। उस कहानी का अंत काफी मजेदार रहा। जब बांके अपने-अपने डेरे में लौट रहे, तभी एक लम्बा-चौड़ा देहाती हाथ में मजबूत लट्ठ थामे मुस्कुराता हुआ दोनों को रोक कर कहता - 'मुला स्वांग खूब भर्यो।' और लखनऊ के दोनों दादा खून का घूंट पीकर चुपचाप चले गए। पिछले दिनों कोटा-रामगंजमंडी विधायक चन्द्रकान्ता मेघवाल के पति और पुलिस सीआई के बीच जमकर लात-

घूंसे चले। घटना के अनुसार शहर में कोटा पुलिस बिना हेलमेट बाइक सवारों के चालन काट रही थी। भनक लगते ही विधायक पति नरेन्द्र अपने कार्यकर्ताओं को बचाने पहुंचे। पुलिस से उलझे, हाथापाई हुई और पहुंचा दिए गए थाने। उन्हें बचाने आई विधायक चन्द्रकांता को कथित रूप से थाने में मारा पीटा गया। वे चोटिल हुई तो मामला जयपुर तक जा पहुंचा। शायद गलती दोनों तरफ की रही होगी, परन्तु समूचे प्रकरण की गाज आखिरकार पुलिस पर ही गिरी और जनप्रतिनिधि को साफ तौर पर बचाया गया। कार्रवाई तो दोनों पर होनी और जांच के बाद कोई निष्कर्ष निकाला जा सकता था। दरअसल एक तरफा कार्रवाई से प्रशासनिक अमले का नाखुश होना स्वाभाविक है। यही जनप्रतिनिधि अगर सत्तारूढ़ पार्टी का नहीं होता तो शायद दोनों पर कार्रवाई होती। लोकतंत्र में सत्तारूढ़ पार्टी के नुमाइंदों पर सत्ता की खुमारी छाई रहती है। लोकतंत्र को भीड़तंत्र बनने से बचना चाहिए। वैसे भी सरकार किसी भी दल की हो उसे निष्पक्ष रहना ही चाहिए। आज के जनप्रतिनिधि अपने को राजवंश के सिपहसालार मानते हैं। यही उनके पराभव की कहानी बन जाती है। लोकतंत्र के चार पाए माने गए हैं। व्यवस्थापिका, न्यायपालिका, शासकीय तंत्र और खबरनवीस। चारों ही पूर्वाग्रह से ग्रस्त होंगे तो जनतंत्र की राह मुश्किल हो जाएगी। पर होता यह है कि कुर्सी मिलते ही सत्ता का नशा अलमस्त कर देता है। बहुत कम ऐसे होते हैं जिन पर दंभ का रंग नहीं चढ़ पाता। राजनीति में ही नहीं तंत्र में भी सिरफिरापन सवार रहता है। राजनीति में तो शख्स रेल यात्री की तरह चढ़ते-उतरते रहते हैं, परन्तु तंत्र में बरसों तक एक जगह टिके रहने की गारंटी होती है। आखिर इस देश में राजा राम भी तो हुए, जिनका सिंहासन ग्रहण करते और छोड़ते वक्त सम भाव रहा। न सत्ता का नशा चढ़ा और न उतरा। सरकार के सभी अंगों से वैसे ही निर्लिप्त भाव और निष्पक्ष काम की जनता उम्मीद करती है। ■

☎ 0294-2412015
0294-2412016

SURYA GAS AGENCY

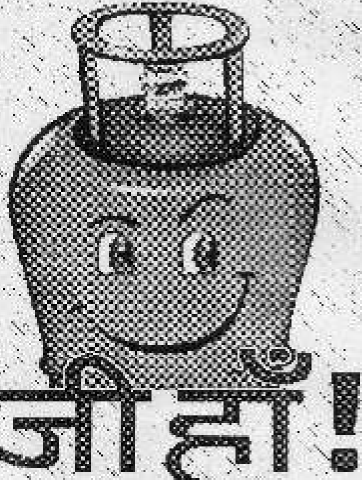

GAS
your friendly gas

HP GAS

Address

12, Vinayak Complex, Opposite Mahasatya
Dainik Bhasker, Ayad, Udaipur

Email id

pavanroat@gmail.com | surya.udaipur@hpgas.hpcl.com

सतही पंडित बड़ा या सूक्ष्मदर्शी विद्वान?

राजा भोज के शासनकाल में एक किसान के खेत पर बोलते बिजूका के स्थान से जमीन खोदने पर एक सिंहासन निकला, जिस पर बत्तीस पुतलियां निर्मित थीं। राजा उसे अपने महल ले गए। साज-सज्ञा के बाद जैसे ही वे उस पर बैठने लगे कि पुतलियां खिलखिलाकर हंसने लगी। कारण पूछने पर उन्होंने बार-बारी से सिंहासन से संबंधित प्रसंग सुनाए। तीन पुतलियों ने जो कहा उसे पिछले अंकों में आप पढ़ चुके हैं, प्रस्तुत है चौथी पुतली का कथन -

जैसे ही राजा भोज सिंहासन पर बैठने के लिए बढ़े, तभी चौथी पुतली तारा बोली 'पहले मेरी बात सुनो।' उज्ञियनी में एक ब्राह्मण था, जो हाथ-पैर की रेखाओं को पढ़ने में सिद्धहस्त था। एक दिन अपनी राह बढ़ रहा था तो पैर के एक निशान देख वहीं ठिठक गया, क्योंकि पदचिह्न में आरोहण रेखा एवं कमल का निशान था। उसने सोचा कोई चक्रवर्ती राजा नंगे पैर गुजरा होगा। यही सोच पदचिह्न के सहारे आगे बढ़ता गया। एक व्यक्ति पेड़ से लकड़ियां काट गट्ठर बांधता दिखा। सामुद्रिक विज्ञान के पारखी ब्राह्मण ने पूछा कि 'तुम कब से यहां हो, और इधर कोई आदमी पैदल गुजरा है क्या?' उसने कहा मैं तो दो घड़ी रात से यहीं हूँ। आदमी तो क्या परिंदा भी इधर नहीं आया। ब्राह्मण ने उसका पैर देखा तो आश्चर्य में पड़ गया कि आरोहण रेखा व कमल निशान वाला तो यही है। वह सोच-विचार में पड़ गया । सब लक्षण राजा के होते हुए भी इसकी विपन्न हालत क्यों है? उसने पूछा तुम कहां रहते हो और लकड़ी क्यों काटना पड़ रहा है? उस व्यक्ति ने कहा पहले मैं इसी नगर का श्रेष्ठी था। दुर्व्यसनों की लत से मेरी ऐसी गति हुई। जैसी जुआ खेलने से धर्मराज युधिष्ठर की हुई। मांस के लालच में बक राक्षस को भीम के हाथों जान गंवानी पड़ी। प्रभासतीर्थ में मद्य पीने से यदुवंशी आपस में लड़कर नष्ट हो गए। 'चौर पंचासिका' ग्रंथ के रचयिता को राजकुमारी के प्रति कामासक्त होने के कारण राजा का कोपभाजन बनना पड़ा, ब्रह्मदत्त राजा को शिकार पर जाते अपनी पत्नी का शाप झेलना पड़ा। एक ही व्यसन से व्यक्ति का जीवन नरक हो जाता है तो एक से ज्यादा वाले की दुर्गति की पराकाष्ठा तक पहुंचना निश्चित ही था। वह ब्राह्मण राजा विक्रमादित्य के पास उनके पैरों की रेखाओं के अध्ययन के लिए पहुंचा। राजा के तलवे देखे तो उनमें चक्रवर्ती शासक जैसे कोई निशान न थे। यह देख वह और दुखी हो गया। विक्रमादित्य ने कहा ब्राह्मणदेव दुखी किस बात से हो? उसने कहा जिसके पैर में आरोहण रेखा और कमल निशान हैं, वह जंगल में लकड़ी काटता मिला और जिसके पदचिह्न में सौभाग्य की लकीरें नहीं वह सिंहासन पर बैठा है। विक्रमादित्य ने कहा हाथ-पैर की लकीरें प्रारब्ध की निशानी हैं, जिसे व्यक्ति को जीवन भर सहेजना पड़ता है और वैसे ही कर्म करने होते हैं। परन्तु जो अपनी गलत प्रवृत्तियों पर अंकुश न लगा कर दुर्व्यसनों का आदी बन जाता है, उसे भाग्यवान लकीरें भी विपदा में डाल देती हैं। रही बात सामुद्रिक विज्ञान की तो वह भी मिथ्या नहीं है। हाथ-पैर की लकीरें शुभ-अशुभकारी होती अवश्य हैं, परन्तु खास यह है कि किसी के लक्षण गुप्त होते हैं, किसी के दिखाई देते हैं। इसलिए आप भ्रमित हो रहे हैं। ब्राह्मण ने कहा- आपकी बातें शास्त्रों के अनुसार खरी हैं, ऐसा मैं कैसे जानूं। विक्रमादित्य ने कहा तुम्हारा शास्त्र झूठा न साबित हो, इसलिए मैं सिद्ध करूंगा। राजा ने छुरी मंगवा कर पैर के तलुए को चीरकर लक्षण दिखाए। पैरों की खाल के नीचे वहीं आरोहण रेखा और कमल निशान था। राजा बोले ऐसी विद्या किस काम की, जिसके सब भेद न मालूम हों। शास्त्रों की तोता रटंत व्यर्थ है, उसमें 'सूक्ष्म दृष्टि' जरूरी है। यह सुनकर ब्राह्मण लज्जित हो गया, क्योंकि वह तो सतही पंडित साबित हुआ। पुतली बोली - हे राजा भोज! जो विक्रमादित्य समान सूक्ष्मदर्शी और अन्तरतम की गहराइयों तक पहुंचने में सक्षम हो, वही इस सिंहासन पर बैठने का अधिकारी है। यदि आप में उनके समान साहस और सूक्ष्मदृष्टि है तभी आप सिंहासन पर बैठने के अधिकारी हैं। ■

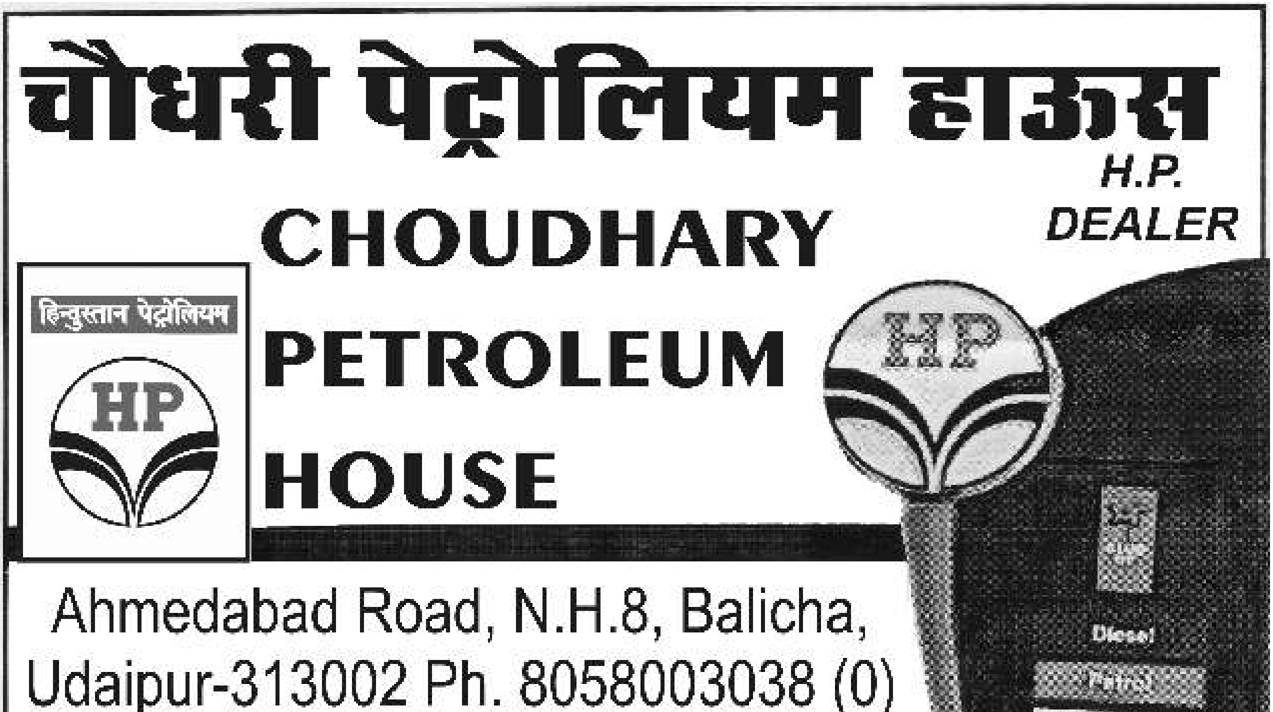

के.के. गुप्ता की पहल पर निखरता डूंगरपुर

वागर अंचल का डूंगरपुर राजस्थान में स्वच्छता अभियान का सिरमौर है। राजस्थान सरकार ने डूंगरपुर नगर परिषद् द्वारा निष्पादित किए गए उत्कृष्ट स्वच्छता मिशन से प्रभावित होकर सभापति के. के. गुप्ता को स्वच्छ राजस्थान का ब्रांड एम्बेसेडर बनाया है। स्मार्ट शहर बनने जा रहे उदयपुर के जिला परिषद् सभागार में 3 मार्च को आयोजित एक कार्यक्रम में के. के. गुप्ता ने जब सिलसिलेवार डूंगरपुर नगर परिषद् की उपलब्धियां बताई तो नगरवासी आश्चर्यचकित रह गए। डूंगरपुर को 'स्वच्छ राजस्थान अवार्ड-2016' तथा प्रदेश की पहली 'ओडीएफ' परिषद् का सम्मान भी मिल चुका है। गुप्ता के प्रयासों से गोसंरक्षण की दिशा में भी उल्लेखनीय कार्य हो रहा है। 5 फरवरी को भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी ने डूंगरपुर में स्वच्छता एवं गो-ग्रास महासंकल्प कार्यक्रम में नगर परिषद् के उल्लेखनीय कार्यों की प्रशस्ति में कहा कि सभी शहरी निकाय और ग्राम पंचायतें यदि के. के. गुप्ता से प्रेरणा लेकर स्वच्छता मिशन में आगे बढ़ें तो राजस्थान देश का नंबर वन बन सकता है। डूंगरपुर नगर परिषद् द्वारा हर घर से कचरा संग्रहण करवाया जा रहा है। यही नहीं 'वेस्ट को बेस्ट' बनाने की दिशा में अपशिष्टों से खाद बनाने तथा प्लास्टिक के कचरे की रिसाइकलिंग के लिए संयंत्र लगाए जा रहे हैं। हर घर में कचरा पात्र और प्रतिदिन कचरा उठाने के वाहन काम कर रहे हैं। शहर के हर घर में शौचालय हैं। कोई भी अब खुले में शौच नहीं जाता। शहर के खुले स्थानों पर मल-मूत्र न फैले इस आशय के जागरूक प्रयास जारी हैं। विद्यालय, सार्वजनिक स्थान, ऑफिस, व्यापारिक संस्थाओं तथा आवास घरों में सार्वजनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। स्कूलों में बच्चों तथा घरों में आम नागरिकों को सतत् रूप से स्वच्छता मिशन के लिए प्रेरित-प्रोत्साहित किया जा रहा है। स्ट्रीट लाइटों से गलियां, सुनसान जगह तथा सार्वजनिक पार्कों को जगमग किया और उनमें एलइडी लाइटें लगाई गई हैं। शहर को हरा-भरा और स्वास्थ्यवर्धक बनाने

मुख्यमंत्री वसुन्धरा राजे सिंधिया से स्वच्छ राजस्थान का अवार्ड प्राप्त करते डूंगरपुर नगर परिषद सभापति के.के. गुप्ता।

मुख्यमंत्री से विकास कार्यों पर चर्चा करते के.के. गुप्ता

के लिए सघन वृक्षारोपण करवाया गया तथा पुराने जलस्रोतों की सफाई करवा कर पीने योग्य पानी उपलब्ध करवाया जा रहा है। पेयजल के लिए बनवाए सभी जल मंदिरों को आरओ संयंत्रों से लैस कर लिया गया है। पर्यटन की दृष्टि से झीलों व ऐतिहासिक विरासतों का सौन्दर्यीकरण तथा संरक्षण के विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। नागरिकों को बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में अहम कार्य किए गए हैं। चिकित्सा, स्वास्थ्य, शिक्षा, सार्वजनिक वितरण, रोजगार के लिए समयबद्ध कार्यक्रम बनाए गए हैं। हर व्यक्ति को छत उपलब्ध करवाने के लिए वसुन्धरा विहार आवासीय योजना पर काम चल रहा है। इस ऐतिहासिक शहर को हाईटेक करने के लिए सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है। नगर के प्रवेश द्वार पर स्वागत द्वार बनाए गए हैं। राजस्थान सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं पर दिलचस्पी से काम हो रहा है। शहर की सुरक्षा के लिए प्रमुख जगह पर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। महिलाओं की सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। बस स्टैण्ड को सुविधाजनक बनाया गया है। वहीं हर बस्ती के लिए आवागमन के साधन उपलब्ध हैं। माई सिटी-माई विजन के तहत नागरिकों से प्राप्त सुझावों पर अमल किया जा रहा है। युवाओं व शिक्षित बेरोजगारों के लिए डूंगरपुर चैम्बर्स एंड कॉमर्स इण्डस्ट्रीज के मार्फत रोजगार सृजन के ठोस प्रयास हो रहे हैं। वह दिन दूर नहीं जब दक्षिण राजस्थान का यह शहर अपने विकास की उड़ान को भरता हुआ राजस्थान ही नहीं, अपितु देश के लिए अन्य क्षेत्रों में भी एक मॉडल बन कर उभरेगा। यूं तो प्रदेश के हर शहर में निकायों की इकाइयां काम कर रही हैं, परन्तु डूंगरपुर की बात ही निराली है। यह सब संभव हो पाया है ऊर्जावान, दृढ़निश्चयी, मजबूत इरादों के धनी नगर परिषद् डूंगरपुर के सभापति के. के. गुप्ता के अथक प्रयासों से इनके मार्गदर्शन में नगरपरिषद् ने वे काम सार्थक कर दिखाए, जहां अन्य शहरी निकाय बजट और टीम नहीं होने का बहाना बना कर वक्त जाया करते हैं। के के गुप्ता ने 17 माह पहले नगर परिषद् सभापति का कार्यभार संभाला था तो यहां भी यही सब बहाना चला करता था। परन्तु उन्होंने असंभव को संभव में बदल कर एक आदर्श स्थापित किया। वित्तीय प्रबन्धन पर कड़ी निगरानी रख कर नए स्रोत विकसित किए। के. के. गुप्ता स्वयं भी निर्माण कंपनी के मालिक हैं तथा उनके दोनों पुत्र अंकुर व अंकित भी केकेजी कंपनी में हाथ बंटाते हैं। इसके अलावा वे अग्रवाल समाज के प्रदेशाध्यक्ष तथा डूंगरपुर चेम्बर ऑफ कॉमर्स के चेयरमैन हैं। गुप्ता भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय नेता तथा कई सामाजिक व जन कल्याण कार्यक्रमों से जुड़े हैं। ■

– नितेश

महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन का 35वां वार्षिक सम्मान समारोह

ऐतिहासिक माणक चौक में सम्मानित हुई विभूतियाँ

कर्नल जेम्स टॉड सम्मान ग्रहण करते प्रो. सर एन्गस डेटन के प्रतिनिधि जॉन डिकमन, पन्नाधाय सम्मान ग्रहण करती केप्टन राधिका मेनन, महाराणा उदयसिंह सम्मान से सम्मानित होते डॉ. आर. वासुदेवन, वायुसेना के के. एल. राव।

-प्रत्यूष संवाददाता

उदयपुर के राजमहल के माणक चौक में 5 मार्च को आयोजित भव्य समारोह में देश-विदेश में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली विभूतियों को महाराणा मेवाड़ फाउण्डेशन के अध्यक्ष एवं प्रबंध न्यासी अरविन्द सिंह मेवाड़ ने सम्मानित किया। अध्यक्षता राष्ट्रकवि बालकवि बैरागी ने की। समारोह में दक्षिणी राजस्थान में निवासित ग्रामीण क्षेत्र के परिवारों के स्वास्थ्य एवं जीविकोपार्जन हेतु यूएसए के प्रो. सर एन्गस डेटन को कर्नल जेम्स टॉड अलंकरण से नवाजा गया। डेटन के अनुपस्थित रहने पर यह सम्मान प्रिंसटन यूनिवर्सिटी अमेरिका के ट्रस्टी जॉन डिकमन ने प्राप्त किया। उन्हें दो लाख रुपए, तोरण शॉल एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया।

खोजी पत्रकारिता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाने वाले प्रवीण स्वामी को हल्दीघाटी अलंकरण, समाज एवं परिवारों में एकता लाने वाले सबसे लम्बे धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' के सूत्रधार शैलेष लोढ़ा को हकीम खाँ सूर सम्मान, वेस्ट प्लास्टिक से सड़क बनाकर पर्यावरण जगत में हलचल लाने वाले मदुरै डॉ. आर. वासुदेवन को महाराणा उदयसिंह अलंकरण, त्रिचूर की भारतीय नौवहन निगम की कैप्टन राधिका मेनन को पन्नाधाय अलंकरण से सम्मानित किया गया। उक्त चारों अलंकरण के तहत प्रत्येक विभूति को एक लाख रुपए, तोरण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र भेंट किए गए। फाउण्डेशन के ट्रस्टी लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ ने आभार ज्ञापित किया।

राज्य स्तरीय सम्मान

फाउण्डेशन द्वारा राज्य स्तर पर दिये जाने वाले अलंकरणों के अन्तर्गत 'महाराणा मेवाड़ सम्मान' अयोध्या के यतीन्द्र मोहन प्रताप मिश्रा, उदयपुर के मास्टर वारन्टर ऑफिसर कन्हैयालाल राव एवं पद्मश्री गुलाबो सपेरा, 'महर्षि हारीत राशि सम्मान' जयपुर निवासी प्रोफेसर रमाकान्त पाण्डेय एवं डॉ. लता श्रीमाली, 'महाराणा कुम्भा सम्मान', झालावाड़ के इतिहासकार ललित शर्मा को शोधपूर्ण लेखन हेतु तथा चित्तौड़गढ़ के महाराणा प्रताप राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. मलिका बोहरा को डूंगरपुर राज्य का भित्ति चित्रांकन, 'महाराणा सज्जनसिंह सम्मान' जयपुर निवासी गोपाल स्वामी खेतांची एवं रामस्वरूप शर्मा, 'डागर घराना सम्मान' भारत के प्रख्यात गजल गायक उस्ताद अहमद हुसैन एवं उस्ताद मोहम्मद हुसैन, 'राणा पूंजा सम्मान' मेवाड़ के आदिवासी बहुल उदयपुर जिले के सलूम्बर, बेड़ावल व आसपास के ग्रामों में आदिवासी परिवारों में स्वास्थ्य, कन्या शिक्षा के प्रति अलख जगाने वाली मोती मीणा, 'अरावली सम्मान' से उदयपुर जिले के अन्तरराष्ट्रीय वॉलीबाल खिलाड़ी दिलीप खोईवाल एवं सुरेश खोईवाल को सम्मानित किया गया। राज्य का सर्वश्रेष्ठ पुलिस थाना पुरस्कार पुलिस थाना दरगाह अजमेर को प्रदान किया गया। इन सभी विभूतियों को 51-51 हजार रुपए, तोरण, शॉल एवं प्रशस्ति पत्र से नवाजा गया। इसके अतिरिक्त भामाशाह अलंकरण से 18 विद्यार्थी, महाराणा राजसिंह अलंकरण से 8 विद्यार्थी तथा महाराणा फतहसिंह अलंकरण से 48 प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इन्हें क्रमशः 11000, 11000 व 5000 रुपए सम्मान राशि प्रदान की गई।

सम्मान ग्रहण करते शैलेष लोढ़ा, प्रवीण स्वामी, रमाकान्त पाण्डे, लता श्रीमाली, यतीन्द्र मिश्र, गुलाबो सपेरा, डॉ. मलिका बोहरा, ललित शर्मा, राम स्वरूप शर्मा, गोपाल स्वामी, उस्ताद अहमद हुसैन, उस्ताद मोहम्मद हुसैन, मोती मीणा, दिलीप खोईवाल, सुरेश खोइवाल, दरगाह थाने के थानाधिकारी।

डिसाइड का वादा, कपड़े धुले साफ और ज्यादा
डिसाइड
AADHAR pRODUCTS
वाशिंग पाउडर, डिटर्जेंट टिकिया एवं बर्तन बार
डिसाइड
वाशिंग पाउडर
एडवाइज़
डिटर्जेंट टिकिया
Decide
बर्तन बार
Mfd. & Mktd. by : AADHAR PRODUCTS PVT. LTD., UDAIPUR
Trade Enquiry 7727864004 | visit us at : www.aadharproducts.in

MIRAJ GROUP
तन भी शुद्ध, मन भी शुद्ध... तो वस्त्र क्यों रहे अशुद्ध!
मिराज शुद्ध
ऑयल सोप
100% पशु चर्बी रहित
MIRAJ
Family Pack
MIRAJ TRADECOM PVT. LTD.
Miraj Campus, Nathdwara - 313 301 (Raj.) India / Email : fmcg@mirajgroup.in / Web: www.mirajgroup.in
Contact us at : 88759 92317, 88759 33370

गधे की वापसी

*हाल ही में सम्पन्न उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान अखिलेश यादव तथा नरेन्द्र मोदी के बीच गधों को लेकर दिलचस्प जुमलेबाजी चली। शुरूआत में अखिलेश ने कहा कि 'गुजरात में तो लोग अपने गधों का भी प्रचार करवाते हैं।' मोदी कहां चूकने वाले थे उन्होंने कहा – 'गधे से भी स्वामी भक्ति, कठिन परिश्रम और सहज जीवन की प्रेरणा इंसान ले सकता है। कुछ लोग हैं, जिन्हें सर्वज्ञ होने की गलतफहमी है।' इस वाकए से साठ के दशक के सुविख्यात लेखक **कृश्न चंदर** की याद आना स्वाभाविक है, जिन्होंने दुनिया को एक बार गधे की नज़र से देख डाला और अपने वक़्त की कड़वी सच्चाइयों को उजागर किया।*

मैं' महज़ एक गधा आवारा हूँ, जिसे बचपन की ग़लतकारियों के कारण अख़बार पढ़ने की आदत पड़ गई। .... पढ़ते-पढ़ते मैं इंसानों की बोली बोलने और कूट राजनीति की बातें करने लगा।... बाराबंकी छोड़ा और डंकी बन कर दिल्ली के एक धोबी से नाता जोड़ा। धोबी को अचानक एक मगरमच्छ ने निगल लिया और मुझे धोबी की विधवा पत्नी, अनाथ बच्चों के निर्वाह के लिए बड़े-बड़े अफसरों की सेवा में निवेदन करने पर विवश कर दिया। मैं अर्जी लेकर दफ़्तर-दफ़्तर मिनिस्टर-मिनिस्टर पहुंचा और ..... एक दिन सीधा मुल्क के प्रधानमंत्री की कोठी पर जा पहुंचा। उनसे संयोगवश मेरा इंटरव्यू हो गया, जिसने मुझे प्रसिद्धि के आसमान पर पहुंचा दिया। लोग मुझे घरों और क्लबों में बुलाने लगे, गलियों और बाज़ारों में मेरा जुलूस निकलने लगा। एक सेठ ने समझा कि मैं खुदाई फ़ौजदार हूं या करोड़पति ठेकेदार हूँ, जिसने ऊपर से एक मासूम गधे का रूप धरा है। वह बहुत मिन्नत-समाजत करके अपने घर ले गया। अपनी फर्म का हिस्सेदार बनाने लगा और अपनी सुन्दर लड़की से मेरी शादी रचाने लगा और अपनी नई सोसायटी में मुझे घुमाने लगा।

मैंने बहुत इंकार किया, बताया कि मैं यूं तो ज्ञान-भार से लदा हूँ, किन्तु दरअसल मैं गधा हूँ। किन्तु वह लालच का अंधा मेरी बात पूरी सुनने से पहले ही अनसुनी कर देता, अपनी ही हांके जाता और फिर वैसी ही आवभगत किए जाता था। कुछ महीने तो बड़े ऐशो-आराम से कटे, किन्तु जिस दिन लालची सेठ को पता चला कि मेरे पास कोई परमिट है न कोटा, उसी दिन से वह बेपेंदे का लोटा मुझे मारने पर तुल गया और कमरा बंद कर उसने लकड़ी से मार-मार कर मेरा भुरकस निकाल दिया। सख्त घायल करके बाहर सड़क पर धकेल दिया।

छह मास तक मैं जानवरों के अस्पताल में जीवन और मृत्यु के बीच पांव-पसारे पड़ा और असहनीय पीड़ा से कराहता रहा। इंसानों की बेहिसी और गधों की बेबसी पर रोता रहा। किन्तु ऊपरवाले को मेरा जीना स्वीकार और मेरे लिए ज़िंदगी का ज़हर पीना जरूरी था। इसलिए मैं स्वस्थ हो गया। स्वस्थ होते ही अस्पताल के दयालु डॉक्टर ने ऑफिस में बुला लिया और पीठ पर दो सेर घास लादकर कहा – 'तुम्हारे लिए यह दो सेर घास काफी है, बाकी ईश्वर दाता है।' अब तुम यहां से जाने से पूर्व दो हजार का बिल चुकाते जाओ।'

मैंने कहा – 'डॉक्टर साहब मैं एक पढ़ा-लिखा गधा नाकारा हूँ, इसलिए तो ग़रीब और आवारा हूँ। मैं जब तक जीऊंगा, आपके जानोमाल की दुआएं दूंगा। पर इस बिल को चुकता नहीं कर सकता।' डॉक्टर जिनका नाम रामअवतार था और अपने काम में बड़ा होशियार भी। मेरी विवशता समझ कर मुस्करा दिया और बिल को वापस अपनी जेब में डालते हुए बोला, 'तो मेरा कर्ज़ तुझ पर बाक़ी रहा। अब अगर वाक़ई तुम यह क़र्ज देना चाहते हो तो सीधे बंबई चले जाओ।' मैं स्वयं दिल्ली में नहीं रहना चाहता था। दिल्ली, जिसने मेरी प्रसिद्धि की ऊंचाई देखी, वो अब मेरे पतन की नीचाइयां देख रही थी, अब मुझे एक आंख न भाती। इसलिए मैंने डॉक्टर की सलाह मान ली और बंबई जाने की ठान ली। दिल्ली से मैं रेल की पटरी के सहारे मथुरा पहुँचा, क्योंकि मुझे मथुरा के पेड़े खाने का बहुत शौक था। किन्तु मथुरा में मुझे पेड़े के बजाय पंडों के डंडे खाने को मिले और मैं वहां से जान बचा कर सीधा ग्वालियर पहुँच गया। उद्देश्य यह था कि तानसेन की समाधि पर जाऊं और उस महान संगीतकार के सामने अपना शीश नवाऊं, जिसके नाम से भारत में शास्त्रीय संगीत की प्रतिष्ठा कायम है। यह तो सब लोग जानते हैं कि आजकल भारत में केवल दो प्रकार के लोग शास्त्रीय संगीत पसंद करते हैं, एक तो तानसेन के श्रद्धालु, दूसरे गधे। वर्ना सारी दुनिया तो रेडियो सीलोन सुनती है।

तानसेन की समाधि पर बड़ा सन्नाटा था। एक कोने में मुजाविर पड़े ऊंघ रहे थे। ज़मीन पर बासी हारों की पत्तियां बिखरी पड़ी थीं। थोड़ी दूर पर भेड़-बकरियां फिल्मी प्लेबैक गाने वालियों की तरह मिमिया रही थीं। संगीत-सम्राट की समाधि को बुरी दशा में देख कर मेरे दिल को बहुत दु:ख हुआ और मैंने वहीं चारों घुटने टेक कर स्वर्गीय उस्ताद की सेवा में दंडवत होकर माथा टेका और फिर सिर उठा कर शुद्ध झंझोटी में एक ऐसी जोरदार तान लगाई, जिसने अर्द्धनिंद्रित मुजाविरों को झिंझोड़ दिया। वे जागकर मेरी ओर आश्चर्य से देखने लगे और बजाय कि वे लोग मेरे ज़ौके-सलीम(श्रेष्ठ रुचि) बल्कि ज़ौके-

अकबर(श्रेष्ठतम रुचि) की दाद देते, जिसके सहारे मैंने स्वर्गीय उस्ताद की आत्मा को प्रसन्न करने का प्रयत्न किया था, वे लोग पंजे झाड़कर मेरे पीछे पड़ गए और डंडे मार-मारकर मुझे भगा दिया।

मैं डंडे खाकर इतना बेमज़ा न हुआ, जितना यह सोचकर हुआ कि अब इस देश में आर्ट और कल्चर का भगवान ही मालिक है, जहां एक पक्के गाने वाला दूसरे पक्के गाने वाले को अपनी श्रद्धांजलि भी भेंट नहीं कर सकता। अत: मैंने जोर से दुलत्ती झाड़ी और रास्ते में खाई देखी न खाड़ी, सीधा बंबई आकर दम लिया। यहां घीसू घसियारे ने मुझ पर दया की और अपने मकान पर बांध लिया। घीसू घसियारा था बड़ा बेचारा, क्योंकि उसके बच्चे थे ग्यारह। वह घास का एक गट्ठा खुद अपने सिर पर उठा कर बाकी चार मेरी पीठ पर लादता और रोज पहुंच जाता जोगेश्वरी में दूध बेचने वाले ग्वालों के पास। जो उसकी घास के गट्ठे खरीद लेते और उसे मुट्ठी पर रुपये दे देते थे। जिसे लेकर वह सीधा जोसफ डिसूजा की झोंपड़ी में जाता और जाते ही एक पव्वा ठर्रे का चढ़ा लेता। कुछ देर वहीं मदहोशी में सुस्ताता और अपने दोस्त रमज़ानी क़साई और करनैलसिंह टैक्सी ड्राइवर से गप्प लड़ाता था।

मैं झोंपड़े के बाहर नारियल के पेड़ों के नीचे हरी-हरी घास चरता और शुक्र करता था कि मुझे आख़िर आराम की ज़िंदगी मिली। बंबई में आकर मैंने इंसानों की बोली छोड़ दी, क्योंकि अनुभव ने मुझे सीखा दिया कि इंसानों की दुनिया में वही लोग प्रसन्न रह सकते हैं, जो गधे बन कर रहें। बुद्धिमान का यहां गुज़ारा नहीं, क्योंकि अच्छा परामर्श किसी को भी सुहाता नहीं। इसलिए मैं इंसानों की बोली से हज़र(अरुचि) करने लगा और जानवरों की ज़िंदगी बसर करने लगा, जैसे बंबई में सब लोग बसर करते हैं, जिनके लिए पैसा ही प्यारा है और जिन्हें केवल अपना ऐशो-आराम दुलारा है। ■

अजब-गजब

55 फीट लम्बे बालों वाली आशा

एक बार बाल धोने में खर्च करती हैं, शैंपू की छह बॉटल

जिस महिला के बालों का जिक्र कर रहे हैं उनके बालों की लंबाई इतनी अधिक है कि उनका नाम विश्व रिकॉर्ड बुक में दर्ज है। जी हां, अमेरिका के फ्लोरिडा में रहने वाली आशा मंडेला के बाल 55 फीट लंबे है और बालों का वजन भी 20 किग्रा. है। जिनकी सफाई करने में एक बार में शैंपू की 6 बोतल खर्च होती है और सुखाने में दो दिन का समय लगता है। बालों की अत्यधिक लंबाई के कारण उन्होंने 25 वर्षों से कंघी भी नहीं की है। उनके बालों के कारण कोई उनसे शादी नहीं करना चाहता था, लेकिन एक दिन हेयर ड्रेसर इमानुएल शेग की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने आशा के सामने शादी का प्रस्ताव रख दिया और दोनों ने शादी कर ली।

आशा के पति को उनके बाल सबसे अधिक पसंद हैं। हालांकि बालों की लंबाई की वजह से आशा के पीठ और गर्दन में दर्द रहता है और डॉक्टर ने उन्हें काटने की सलाह भी दी है। लेकिन आशा नहीं कटवाना चाहती क्योंकि अब यही बाल उनकी पहचान है और उनकी कमाई का जरिया भी। आशा हेयर प्रोडक्ट्स और एसेसरीज का विज्ञापन भी करती हैं जिससे उन्हें लाखों डॉलर सालाना की आमदनी हो रही है।

गज़ल

ज़रा सी धूप लगने दो

सफ़र में गीत हमको हौसले से गुनगुनाने हैं,
हमें ख़ुद रास्ते में मील के पत्थर लगाने हैं।
ज़रा-सी धूप लगने दो, बदल जाएंगे पानी में,
ये पर्वत बर्फ़ के बस देखने भर को सुहाने हैं।
तुम्हारी धमनियों में ख़ून है, फिर सोचते हो क्यों,
हमें जलते हुए अंगार, मुट्ठी में छुपाने हैं।
यहां ज़िंदा रहे कैसे, इसी से पूछ लेते हैं,
ये कहता है कि हम इस मुल्क में सबसे पुराने हैं।
ज़रा-सी रोशनी देकर, ये सारा घर जला देंगे,
उठो जल्दी करो, ऐसे दिये हमको बुझाने हैं।
ये अपने मख़मली गद्दे उठा लो हम न सोएंगे,
हमें मालूम है, इस रात कैसे ख़्वाब आने हैं।

- प्रमोद तिवारी

बच्चों का कोना

एक-दो-तीन...दस

एक मैना फुर्र से उड़ी, दो गौरया दूर से आई।
तीन दानों दाल चनुकर, चार दाने चावल लाई।
पांच चिरैया और आई, छः बजे खिचड़ी पकाई।
सात मिनट ठंडी कर, आठों ने मिलकर खाई।
नौ नदियों का पीया, दस दिन तक मौज मनाई।

- कार्तिक नागदा

'प्रत्यूष' में प्रकाशन के लिए सामयिक विषयों पर आलेख भेजें। चयन होने पर उचित पारिश्रमिक।

DERMADENT CLINIC
Dermatology | Dentistry | Hair Transplant
www.transplantarena.com
Dr. Prashant Agrawal
Dr. Priya Agrawal
FACILITIES - DERMATOLOGY
■ Stitch Less Hair Transplant (FUE) ■ Non Ablative Radiofrequency ■ Vampire Face Lift ■ Acne & Acne Scar Treatment
■ Anti Ageing Treatment ■ Chemical Peeling ■ Microdermabrasion ■ Laser Hair Reduction
■ Vitiligo Surgeries ■ Liposuction ■ Body Contouring ■ Ear Lobe Repair ■ Dermal Fillers ■ Botox ■ Electroporation ■ PRP
FACILITIES - DENTISTRY
■ Root Canal Treatment ■ Teeth Whitening ■ Implants ■ Gum Surgeries ■ Portable Dental X-ray ■ Straightening
■ Cleaning ■ Filling ■ Dentures ■ Extraction ■ Crowns ■ Bridges ■ Fluoride Application ■ Children Dentistry
■ Fissure Sealant ■ Invisible Braces ■ Tooth Jewellery ■ Composite Laminates
■ Porcelain Laminates ■ Dental Diet Management ■ Mouth Cancer Prevention
One Stop Solution for Skin & Dental Treatment
60 - Meera Nagar, Shobhagpura, 100 Ft. Road, Udaipur Ph.: 9352082112, 0294-2980002
Hair Transplant HELPLINE NO. 75975-12345

0294-2427779
GLOBAL
REAL ESTATE MARKETING CO.
HiramaN
DEVELOPERS PVT. LTD.
Office : 7, Dhannawat Tower, Shastri Circle, Main Road, Bhupalpura,Udaipur, Rajasthan 313001
Mumbai Office:- 142, Kika Street, Office No. 31, 1st Floor, Shreenath Building, Gulalwadi, Mumbai 400 004
Email:globalrealestatemkt@gmail.com Web:www.globalrealestatemkt.com

ज़हर बनता दूध

गर्मी शुरू होने के साथ ही देश में दूध की खपत और दाम बढ़ने लगे हैं। मांग और आपूर्ति के बीच भारी अन्तर से आम आदमी सिर्फ इस जुगत में है कि किसी तरह गिलास भर शुद्ध दूध नसीब हो। उसे यह देखने का न वक्त है और न परख कि जो दूध खरीद रहा है वह स्वास्थ्य के लिए हानिप्रद तो नहीं?

देश में दूध की खपत कुल उत्पादन से कहीं ज्यादा है। फिर मांग के अनुरूप आपूर्ति कहां से और कैसे हो रही है? स्पष्ट है कि नकली दूध का कारोबार चरम पर है। हाल ही में यूपी के मुरादाबाद के पास पुलिस ने बंद पड़ी राइस मिल में छापा मरकर आठ सौ लीटर दूध और उसमें मिलावट करने के लिए केमिकल इत्यादि बरामद किया। नमूनों की जांच से पता चला कि यहां सिंथेटिक दूध बनाकर आसपास के इलाकों में सप्लाई किया जा रहा था। यह तो उजागर हुआ मात्र एक मामला है, अन्यथा पूरे देश में न जाने कितने ऐसे ही मिलावटखोर लाखों-करोड़ों इंसानों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। खाद्य पदार्थों में मिलावटखोरी रोकने और उनकी गुणवत्ता बनाए रखने के लिए देश में खाद्य संरक्षा और मानक कानून 2011 से लागू है। इसके मुताबिक घटिया, मिलावटी, नकली माल की बिक्री और भ्रामक विज्ञापन के मामले में जुर्माना हो सकता है। लेकिन सच्चाई यह है कि प्रशासकीय तंत्र में भ्रष्टाचार के चलते गुनहगारों के खिलाफ कार्रवाई ही नहीं हो पाती। जानलेवा दूध की बिक्री रोक पाने में विफल सरकारों पर सर्वोच्च अदालत ने 2016 में कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा था कि कानून के दांत तो मिलावटी दूध से गिर गए हैं और राज्य सरकारें इसे रोकने के बजाय पैसा एकत्र करने में खुश हैं। भारतीय दंड संहिता की धारा 272 में संशोधन किया जाए तो कानूनन सजा से मिलावटखोर भयभीत रहेंगे।

2015 में अच्युतानंद तीर्थ बनाम सरकार के एक मामले में केन्द्र सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में दाखिल अपने हलफनामे में स्वीकारा था कि देश में 68.4 फीसद से अधिक दूध खाद्य सुरक्षा और मानक के अनुरूप नहीं है। बावजूद इसके राज्य सरकारें मिलावटी दूध की बिक्री रोकने और मिलावटखोरों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के लिए संजीदा नहीं हैं। देश में हर साल दूध का उत्पादन तकरीबन डेढ़ हजार लाख टन यानी 43 करोड़ किलो होता है, लेकिन आपूर्ति इससे कहीं ज्यादा है। दूध की मांग में प्रतिवर्ष साठ लाख टन की बढ़ोतरी हो रही है। अनुमान है कि 2021-22 में हर साल 21 करोड़ टन दूध की जरूरत पड़ेगी। इस साल उत्पादन लक्ष्य 16.37 करोड़ टन है। उत्पादन में अपेक्षित वृद्धि न होने के कारण ही दूध की कीमतों में भारी वृद्धि होती है। ऐसा तब है जब मिल्क पाउडर और दूध से निकाले जाने वाले कैसीन के निर्यात पर पूरी तरह प्रतिबंध है। देश में प्राय: सभी घरों में सुबह की शुरूआत मोर्निंग टी के साथ होती है। मेहमाननवाजी का आसान माध्यम भी चाय है। दूध से बने पदार्थ दही, पनीर, घी, छाछ इत्यादि का सेवन भी दैनिक जीवन में अनिवार्य बन गया है। लोगों की पर केपिटा परचेज लिमिट बढ़ी है। देश की सवा अरब से ज्यादा आबादी में बच्चों, बूढ़ों, गृहिणियों, बीमारों के लिए दूध व इसके प्रोडक्ट अनिवार्य हैं। इस नाते दूध की खपत दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

जानलेवा सिंथेटिक दूध?

शुद्ध दूध की वसा निकालकर उसमें घटिया खाद्य तेल डाला जाता है। इस तेल को शुद्ध दूध व पानी के साथ मिलाने यानी इमल्सीफाई करने के लिए डिटर्जेंट डाल कर फेंटा जाता है। इससे पूरा मिश्रण एक हो जाता है और तेल व डिटर्जेंट की रासायनिक प्रक्रिया से यह सारी सामग्री सफेद दूध का रंग ले लेती है। इसमें सोलिड नोट फेट(एसएनएफ) की पूर्ति के लिए चीनी, ग्लूकोज व यूरिया मिला दिया जाता है। कास्टिक सोड़ा भी काम में लिया जाता है। कई जगह टाइटेनियम डाइऑक्साइड(सफेद पेंट) भी मिला दिया जाता है।

शहरी जनसंख्या के लिए ग्रामीण इलाकों से ही दूध पहुंचता है, यह दैनिक उत्पादन व दैनिक खपत की वस्तु है। इसका पोश्चुराइज्ड विधि से एकाध दिन ही भंडारण किया जा सकता है। अभी हाल ही में हरियाणा में आरक्षण को लेकर आन्दोलनकारियों ने दिल्ली में दूध व पानी की सप्लाई रोकने की धमकी दी तो दिल्लीवासियों के प्राण हलक तक चढ़ गए। ऐसा कई बार हुआ है। शहरों में दूध की कीमतें 50-60 रुपये लीटर तक पहुंच चुकी है। वहीं गांवों में भी

30-40 रुपये लीटर दूध बिकता है। यह स्थिति निश्चय ही चिंतनीय है। प्रश्न यह भी है कि प्रतिदिन मुंह मांगे दाम खर्च करने के बावजूद दूध गुणवत्तायुक्त है भी या नहीं? महानगरों या बड़े शहरों में दूध की मार्केटिंग दुग्ध उत्पादक कंपनियां और किसान या दूधिये भी बड़ी मात्रा में दूध सप्लाई करते हैं। यदि बड़ी दुग्ध उत्पादक कंपनियों के एकाधिकार से मुक्ति मिल सके तो प्रति लीटर दस रुपये कम कीमत में दूध उपलब्ध हो सकता है। बड़ी कंपनियां उत्पादकों तथा उपभोक्ताओं दोनों को लूट रही हैं। पशु पालकों को पच्चीस-तीस रुपये थमाए जाते हैं, वहीं उपभोक्ताओं को दुगुने मूल्य पर मिलावटी दूध उपलब्ध करवाया जाता है।

इसमें सिंथेटिक सहित कई केमिकल मिलाए जाते हैं। ये मानव जीवन और खास कर बच्चों के लिए घातक हैं। मिलावटखोर ही नहीं उत्पादक भी मिलावट करने में पीछे नहीं है। उत्पादक दूषित पानी मिलाकर दूध में मिलावट की प्रारंभिक शुरुआत करते हैं। मवेशियों से ज्यादा दूध पाने के लिए वे ऑक्सीटोनिस इंजेक्शन देते हैं, जिसका असर दूध में आता है। पशुओं का आहार भी पूरी तरह प्रदूषित होता है। मवेशी जैसा खाते हैं वहीं देते हैं। हर जगह जहरीले रसायनों का इस्तेमाल धड़ल्ले से हो रहा है। पिछले साठ सालों में 90 हजार टन कीटनाशकों का प्रयोग बढ़ा है। हमारा शरीर और जीवन प्रकृति का अंग है। इसका पालन-पोषण प्राकृतिक औषधियों(अन्न, जल, दूध, फल आदि) और वनस्पतियों से ही होता है।

मानव निर्मित सिंथेटिक वस्तुएं मिलावटी व केमिकल युक्त खाद्यान्न शरीर में पच नहीं सकता। आज जो भी खाद्यान्न अथवा मानव निर्मित पेय पदार्थ आदि खाया या पाया जा रहा है, वही शरीर में विभिन्न बीमारियां बन कर प्रकट हो रहा है। मादक पदार्थों का अपना एक मायावी संसार है, जिसके उपयोग से नित नई समस्याएं पेश आ रही हैं। मानव जीवन को मटियामेट करने में मांसाहार का विशेष स्थान है। संक्रमण से हजारों रोगों का आक्रमण होता है। पूरी दुनिया इसकी चपेट में है। भारत में रजिस्टर्ड बूचड़खाने 1623 और अपंजीकृत इससे दुगुने माने जाते हैं, जिनमें अन्य जीवों के साथ बड़ी मात्रा में दुधारू मवेशियों का कत्ल किया जाता है। ऐसे में दूध का उत्पादन कैसे बढ़ेगा। आजादी से पहले दुग्ध उत्पादन में भारत काफी पिछड़ा हुआ था। 1946 में गुजरात के आणंद शहर में 'अमूल' नाम से सहकारिता क्षेत्र में दुग्ध क्रांति की शुरूआत हुई। डॉ. वर्गीज कूरियन श्वेत क्रांति के अग्रदूत बन कर उभरे। उसके बाद देश में सहकारी, सरकारी व गैर-सरकारी क्षेत्र में कई दूध प्रोसेसिंग यूनिटों ने मिलकर दूध उत्पादन बढ़ाया। डेयरी उद्योग का ज्यादातर हिस्सा अनियोजित है और अस्सी फीसद जरूरतें गांव-देहात के दूधिए, किसान और हलवाई पूरी करते हैं। ■

64.4 प्रति. दूध मिलावटी

दूध में ग्लूकोज, सिंथेटिक दूध, डिटर्जेंट, यूरिया, स्टार्च, बोरिक एसिड, सस्ता खाद्य तेल, कास्टिक सोड़ा, सफेद पेंट, चाक पाउडर सहित अनेक वस्तुएं मिलाई जा रही है। एफएसएसआइ के अध्ययन में सामने आया है कि ऐसा दूध खासकर बच्चों, बूढ़ों, बीमारों पर सबसे घातक असर कर सकता है। वैसे तो यह सम्पूर्ण मानव जीवन के लिए खतरा है, क्योंकि सुबह उठते ही चाय, काफी, अल्पाहार के रूप में पहली आवश्यकता है। मिलावट जानने के लिए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा विकसित 'टेस्ट ओ मिल्क' किट एक हजार रुपये में उपलब्ध है। एक ही बार की जांच में हर मिलावट का सच उजागर हो जाएगा। देश में ऐसा स्कैनर तैयार हो चुका है जो महज 40 सेकंड में दूध की मिलावट का पता लगा लेगा और इस पर खर्च भी महज दस पैसे आएगा।

शब्द ज्ञान

अंग्रेजी-हिन्दी शब्दों का सटीक प्रयोग

अनेक ऐसे शब्द होते हैं, जिनको प्रायः पर्याय समझ लिया जाता है। ऐसे शब्दों की व्यवहार में निकटता तो होती है, परन्तु अर्थ में कदापि नहीं। जानकारी के अभाव में प्रायः इन शब्दों के ठीक-ठीक प्रयोग नहीं हो पाता, जिसके कारण प्रायः अर्थ का अनर्थ होने की संभावना बनी रहती है। हर अंक में ऐसे समानार्थक शब्दों का सही अर्थ देने का प्रयास रहेगा।

Aid- सहायता-असहाय अथवा असमर्थ व्यक्ति को दी जाने वाली।

Assistance - मदद-सहायक के रूप में अन्य, बड़े अथवा सहयोगी को।

Contribution - अंशदान, अभिदाय-दूसरे के साथ स्वयं भी अपना अंश देना।

Grant - अनुदान-मांगने पर सरकारी/गैर-सरकारी सहायता (आर्थिक भी)।

Grant-in-aid - सहायता-अनुदान मांगने पर सरकारी आर्थिक सहायता।

Help - सहायता-किसी प्रयोजन के लिए अथवा किसी कष्ट निवारण के निमित्त।

Relief - राहत, अनुतोष-मुसीबत में दी जाने वाली सरकारी सहायता।

Subsidy - आर्थिक सहायता, सहायिकी-आंशिक आर्थिक सहायता।

Subvention - राजकीय सहायता-वह सहायता जो राज्य से मिलती।

Succour - संकट में सहायता-ठीक संकट के समय उचित सहायता।

Alarm - खतरा-आने वाली संभावित विपत्ति के पूर्वानुमान पर सहसा।

Awe - आश्चर्यमिश्रित भय-आश्चर्य व भय से युक्त भावना, परन्तु साथ में आदर।

Consternation - सनसनीखेज-जिससे सनसनी फैल जाए।

Fear - भय, डर किसी खतरे के आ जाने पर।

Dismay - हतोत्साह-मुसीबत में उठने वाला भाव जिससे उत्साह खत्म हो।

Fright - अति डरावना जिससे भय की भावना सहसा घर कर जाए।

Horror - संत्रास-दर्द भरा डर जो मन से कभी न जाए।

Menace - भय, भीति-जो भय डरा धमका कर पैदा किया जाए।

Panic - आतंक-अतिभय पर मचने वाली खलबली और भाग-दौड़।

Terror - दहशत, आतंक-व्यक्ति को जड़ बनाने वाली भय की स्थिति

Dread - विभीषिका - स्थान/समय को डरावना मानने वाली मन की अवस्था।

चिन्मय दीपक भगवान महावीर

- पुष्पेन्द्र मुनि

सदियों पहले प्रभु महावीर का अवतरण हुआ। वे जन्म से महावीर नहीं थे। उन्होंने जीवन भर अनगिनत संघर्षों को झेला, कष्टों को सहा, दुख में सुख खोजा और गहन तप एवं साधना के बल पर सत्य तक पहुंचे, इसलिये वे हमारे लिए आदर्शों की ऊंची मीनार बन गये। उन्होंने समझ दी कि महानता कभी भौतिक पदार्थों, सुख-सुविधाओं, संकीर्ण सोच एवं स्वार्थी मनोवृत्ति से नहीं प्राप्त की जा सकती, उसके लिए सच्चाई को बटोरना होता है, नैतिकता के पथ पर चलना होता है और अहिंसा को जीवन शैली बनाना होता है।

प्रत्येक वर्ष भगवान महावीर का जन्म कल्याणक-निर्वाण कल्याणक हम मनाते हैं। समस्त विश्व में जैन समाज और अन्य अहिंसा प्रेमी व्यक्तियों द्वारा बड़े हर्ष और उल्लास के साथ उनकी जयंती मनाई जाती है। उस दिन भगवान महावीर की शिक्षाओं पर रैलियां-संगोष्ठियां और कई प्रकार के कार्यक्रम होते हैं। भगवान महावीर की शिक्षाओं का हमारे जीवन और विशेषकर व्यावहारिक जीवन में किस प्रकार समावेश हो और कैसे हम अपने जीवन को उनकी शिक्षाओं के अनुरूप ढाल सकें, यह अधिक आवश्यक है, लेकिन इस विषय पर प्राय: सन्नाटा मिलता है। विशेषत: जैन समाज एवं अनुयायी ही महावीर को भूलते जा रहे हैं, उनकी शिक्षाओं को ताक पर रख रहे हैं। दु:ख तो इस बात का है कि समाज के सर्वे-सर्वा ही उन्हें अप्रासंगिकता बना रहे हैं, महावीर ने जिन-जिन बुराइयां पर प्रहार किया, वे उन्हें ही अधिक अपना रहे हैं। महान क्रांतिकारी वीर महापुरूष को केवल पूजते हैं, जीवन में धारण नहीं कर पाते। केवल कर्मकाण्ड और पूजा विधि में ही लगे हैं और जो उनकी सारगर्भित शिक्षाएं हैं, उन्हें जीवन में उतारने की चेष्टा नहीं करते।

आज मनुष्य जिन समस्याओं से और जिन जटिल परिस्थितियों से घिरा है, उन सबका समाधान महावीर के दर्शन और सिद्धांतों में है। जरूरी है कि हमें महावीर ने जो उपदेश दिये उन्हें आचरण में लाएं। हर व्यक्ति महावीर बनने की तैयारी करे, तभी समस्याओं से मुक्ति पाई जा सकती है। महावीर वही बन सकता है जो लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पित हो, जिसमें कष्टों को सहने की क्षमता हो, जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी समता एवं संतुलन स्थापित रख सके, जो मौन की साधना और शरीर को तपाने के लिए तत्पर हो, जिसके मन में प्राणिमात्र के प्रति सहअस्तित्व की भावना हो, जो पुरूषार्थ द्वारा न केवल अपना भाग्य बदलना जानता हो, बल्कि संपूर्ण मानवता के उज्जवल भविष्य की मनोकामना रखता हो। प्रभु वीर का संपूर्ण जीवन स्व और पर के अभ्युदय की जीवंत प्रेरणा है। लाखों लोगों को उन्होंने अपने जीवन दर्शन से आलोकित किया है।

भगवान महावीर की मूल शिक्षा है - 'अहिंसा'। सबसे पहले 'अहिंसा परमो धर्म:' का प्रयोग मानव जाति के पावन ग्रंथ 'महाभारत' के अनुशासन पर्व में किया गया। जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भगवान महावीर ने प्रतिष्ठापित किया। अहिंसा का सीधा-साधा अर्थ है कि व्यावहारिक जीवन में हम किसी को कष्ट नहीं पहुंचाए। किसी प्राणी को अपने स्वार्थ के लिए दु:ख न दें। 'आत्मान्: प्रतिकूलानि परेषाम् न समाचरेत' इस भावना के अनुसार दूसरे व्यक्तियों से ऐसा व्यवहार करें जैसा कि हम उनसे अपने लिए चाहते हैं। इतना ही नहीं सभी जीव-जन्तुओं के प्रति अर्थात् प्राणीमात्र के प्रति अहिंसा की भावना रख कर किसी प्राणी की अपने स्वार्थ व जीभ के स्वाद आदि के लिए न हत्या तो करें और न ही करवाएं।

भगवान महावीर का एक महत्वपूर्ण संदेश है 'क्षमा'। भगवान महावीर ने कहा कि 'खामेमि सव्वे जीवे, सव्वे जीवा खमंतु में, मित्ती में सव्व भूए, वेर मज्झं न केणई'। अर्थात् 'मैं सभी से क्षमा याचना करता हूं। मुझे सभी

क्षमा करें।' मेरे लिए सभी प्राणी मित्रवत हैं। मेरा किसी से भी वैर नहीं है।' यदि भगवान महावीर की इस शिक्षा को हम व्यावहारिक जीवन में उतारें तो फिर क्रोध एवं अहंकार मिश्रित जो दुर्भावना उत्पन्न होती है और जिसके कारण हम घुट-घुट कर जीते हैं, वह समाप्त हो जाएगी।

व्यावहारिक जीवन में यह आवश्यक है कि हम अहंकार को मिटाकर शुद्ध हृदय से बार-बार ऐसी क्षमा प्रदान करें कि यह भाव हृदय में स्थायी हो जाए। भगवान महावीर कहते हैं कि धर्म का सही अर्थ समझो। धर्म तुम्हें सुख, शांति, समृद्धि और समाधि आज, अभी या कालक्रम से दे, इसका मूल्य नहीं है। मूल्य है धर्म तुम्हें समता, पवित्रता, नैतिकता, अहिंसा की अनुभूति कराता है। महावीर का जीवन हमारे लिए इसलिए महत्वपूर्ण है कि उसमें सत्य धर्म व्याख्या सूत्र निहित है, उन्होंने उन सूत्रों को ओढ़ा नहीं था, साधना की गहराइयों में उतरकर आत्मचेतना के तल पर पाया था। आज महावीर के पुनर्जन्म की नहीं बल्कि उनके द्वारा जीये गये आदर्श जीवन के अवतरण को पुनर्जन्म की अपेक्षा है। जरूरत है हम बदलें, हमारा स्वभाव बदले और हम हर क्षण महावीर बनने की तैयारी में जुटें।

महावीर बनने की कसौटी है - देश और काल से निरपेक्ष तथा जाति और संप्रदाय की कारा से मुक्त चेतना का आविर्भाव। ज्ञात नंदन एक कालजयी और असांप्रदायिक महापुरूष थे, जिन्होंने अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत को तीव्रता से जीया। वे इस महान त्रिपदी के न केवल प्रयोक्ता और प्रणेता बने बल्कि पर्याय बन गए। जहां अहिंसा, अपरिग्रह और अनेकांत की चर्चा होती है वहां भगवान महावीर का यशस्वी नाम स्वत: ही प्रकट होता है। महापुरूष सदैव प्रासंगिक हैं, फिर पुरुषोत्तम महावीर की प्रासंगिकता के विषय में जिज्ञासा ही अयुक्त है कौन बता सकता है सूर्य कब अप्रासंगिक बना? चन्द्रमा कब अप्रासंगिक बना? सूर्य केवल दिन को प्रकाशित करता है और चन्द्रमा केवल रात्रि को, किन्तु भगवान महावीर का दिव्य-दर्शन अहर्निश मानव-मन को आलोकित कर रहा है। सन्नति पुत्र सचमुच प्रकाश के तेजस्वी पुंज और सार्वभौम धर्म के प्रणेता हैं। वे इस सृष्टि के मानव-मन के दु:ख-विमोचक हैं। पदार्थ के अभाव से उत्पन्न दु:ख को सद्भाव से मिटाया जा सकता है, श्रम से मिटाया जा सकता है किन्तु पदार्थ की आसक्ति से उत्पन्न दुख को कैसे मिटाया जाए? इसके लिए महावीर के दर्शन की अत्यंत उपादेयता है। करूणा-वीर ने व्रत, संयम और चरित्र पर सर्वाधिक बल दिया था और बारहव्रती श्रावक बनकर धर्म क्रांति का सूत्रपात किया। यह सिद्धांत और व्यवहार के सामंजस्य का महान प्रयोग था।

जीव बलवान है या कर्म-इस जिज्ञासा के समाधान में भगवान महावीर ने कहा कि अप्रमत्तता की साधना से जीव बलवान बना रहता है और प्रमाद से कर्म। इस प्रकार भगवान महावीर ने साधना का संपूर्ण सार प्रस्तुत कर दिया। जीव का शयन अच्छा है या जागरण-इस प्रश्न के समाधान में उन्होंने कहा कि पाप में प्रवृत जीवों का शयन अच्छा है और धर्म परायण जीवों का जागरण। इस तरह भगवान ने प्रवृत्ति और निवृत्ति दोनों का समर्थन किया। भगवान के उपदेश जीवनस्पर्शी हैं, जिनमें जीवन की समस्याओं का समाधान है। दीपक अंधकार का हरण करता है किन्तु अज्ञान रूपी अंधकार को हरने के लिए चिन्मय दीपक की उपादेयता निर्विवाद है। वस्तुत: भगवान के प्रवचन और उपदेश आलोक पुंज हैं। ज्ञान राशियों से आप्लावित होने के लिए उनमें निमज्जन जरूरी है। ■

सुरेश जैन
ललित जैन
फोन :-0294-2481754
श्री पार्श्वनाथ ट्रेडिंग कम्पनी
मैसर्स धुलचंद कुरीचंद
(परसाद वाले)
शक्कर, गुड़, सींगदाना, मखाना
नमक के थोक विक्रेता
8 G 8, कृषि उपज मंडी यार्ड, उदयपुर-313002 (राज.)

शिक्षकों के शिक्षक

प्रो. आनन्दीलाल शर्मा

आ' कर्षक व्यक्तित्व, चेहरे पर तेज एवं मृदुल व्यवहार के धनी। प्रथम दृष्टि में ही सामने वाले को अपना बना लेने की अद्भुत क्षमता, गरिमा युक्त ओजस्वी वाणी, शिक्षण की अपनी अलग ही शैली, नॉलेज में चलता-फिरता समृद्ध पुस्तकालय। ऐसे थे प्रो. आनन्दीलाल शर्मा।

प्रो. शर्मा पुस्तकीय ज्ञान से परे व्यावहारिक ज्ञान देने में विश्वास रखते थे। उनके पास जाने कैसी चुम्बकीय शक्ति थी, जिसके कारण सदैव विद्यार्थी उनकी ओर आकर्षित रहते थे, उनके कालांश का बेसब्री से इंतजार करते थे। जल से परिपूर्ण घड़ा कभी आवाज नहीं करता, ठीक वैसे ही ज्ञानी अपनी विद्वता का बखान नहीं करता। जो ज्ञान से रीते होते हैं, वे ही ज्ञान का मिथ्या अहंकार करते हैं।

प्रो. शर्मा छात्रों के प्रति समर्पण, विश्वास एवं स्नेह का एक अनूठा समन्वय थे। वे सदैव छात्रों में भावी जिन्दगी को रोशन करने का सपना देखा करते थे। उनका कहना था कि पाठ्य-वस्तु को पहले आत्मसात् करो, उसकी अनुभूति करो, उसके बाद ही उसे अभिव्यक्त करो। ऐसा करने से विषय-वस्तु सदैव के लिए मानस-पटल पर अमिट रहेगी।

प्रो. शर्मा के अनुसार शिक्षक का मुख्य कार्य अज्ञानता के आवरण को हटाना था। पत्थर में देवी-देवताओं की आकृतियां विद्यमान होती है, परन्तु पारखी कलाकार की दृष्टि ही उन्हें देख पाती है। 'अनवान्टेड मेटेरियल' को चिनी-हथौड़े से अलग कर उपयुक्त मूर्ति को आकार दे सकता है, वैसे ही शिक्षक छात्र में जिस गुण को चाहे, विकसित कर सकता है।

अपने लिए तो सभी करते हैं, परन्तु जो दूसरों के लिए करें, वे विरले होते हैं। स्वयं पर करने से जो खुशी प्राप्त होती है, वह तो क्षणिक होती है, परन्तु दूसरों के लिए कुछ अच्छा करने से जो आनन्द प्राप्त होता है, वह स्थाई रहता है, चेहरे पर सन्तोष के भाव आ जाते हैं। शायद इसी सोच से विधाता ने उन्हें 'आनन्दी लाल' नाम दिया। वे प्राय: कहते थे कि जीवन में जो मिले उसका स्वागत करो और जो खो जाए उसका गम न करो। किसी बात को लेकर मन में तनाव, चिंता पालने के बजाय उसे सहजता से स्वीकार करो। उनका एक अलग ही जीवन-दर्शन था, जो पूर्णतया भावी जीवन के लिए व्यावहारिक रूप से उपयोगी था। उनका कहना था कि संघर्ष करते हुए आनन्द की प्राप्ति करो। कॉलेज में विद्यार्थियों के प्रणाम का उत्तर वे यह कहते हुए

मैंने 1973 में तिलक शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय, डबोक(राज.) में एम.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। यूं तो तत्कालीन सभी प्राध्यापकों ने अपने शिक्षण कौशल से प्रभावित किया किन्तु प्रो. आनन्दीलाल शर्मा से न केवल शिक्षण का कौशल बल्कि जीवन जीने की कला को भी आत्मसात् किया। वे एक आदर्श शिक्षक थे। आज जीवन के 74 बसन्त देखने के बाद भी उनकी जब भी याद आती है, तो स्वत: आंखे नम हो जाती हैं। उन्हें शत्-शत् नमन।

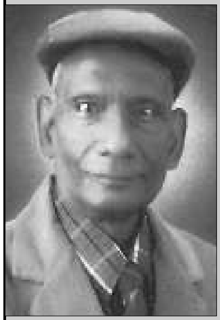

- सुभाष चन्द्र अग्रवाल

देते कि 'आनन्दीलाल के राज में आनन्द करो।' परन्तु ऐसा कहने में भी उनका एक गूढ़ सन्देश था। उनकी सोच थी कि संघर्ष के बाद जो आनन्द प्राप्त होता है, वह आनन्द सच्चिदानंद(सत्+चित्+आनन्द) के समान होता है, भले ही जीवन में कितना ही संघर्ष करना पड़े या समस्याएं आएं, उन सब का धैर्यपूर्वक सामना करना चाहिए, उसका परिणाम सदैव ही श्रेष्ठ होता है।

कोई व्यक्ति अपने आप में सम्पूर्ण नहीं होता अत: उसे निरंतर ज्ञान की प्राप्ति में संलग्न होना चाहिए, वे कहा करते थे कि एक अच्छा शिक्षक सदैव छात्र ही रहता है।

महाविद्यालय छोड़ने के बाद भी उनसे मेरी भेंट होती रही मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मनुष्य चाहे वृद्ध हो जाय, उनके बाल-श्वेत हो जाए परन्तु मन तो सदैव युवा ही रहता है। शक्ति भले ही क्षीण हो जाय परन्तु जीवन के अंतिम क्षणों में भी मनुष्य अपने अनुभवों एवं विचारों द्वारा दूसरों की मदद कर सकता है। उनका कहना था कि एक शिक्षक कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होता। ईश्वर ने संसार की रचना इस प्रकार की है कि दु:ख पाने पर भी मनुष्य संसार को नहीं छोड़ना चाहता अत: हमें जब इसी संसार में रहना है, तो हम क्यूं न भाईचारे, प्रेम के साथ जीएं व सब के साथ सद्भाव रखें। वे 'वसुधैव-कुटुम्बकम' की भावना में विश्वास रखते थे।

गूढ़ बात को सरल भाषा में कहना प्रो. आनन्दीलाल शर्मा की अपनी ही कला और शैली थी। वे प्रत्येक क्षेत्र में स्व अनुशासन के समर्थक थे। आज वे भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं परन्तु उनकी बातें अक्सर याद आती हैं। उनके कारण ही महाविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने एवं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण रहने का सौभाग्य मुझे मिला। ■

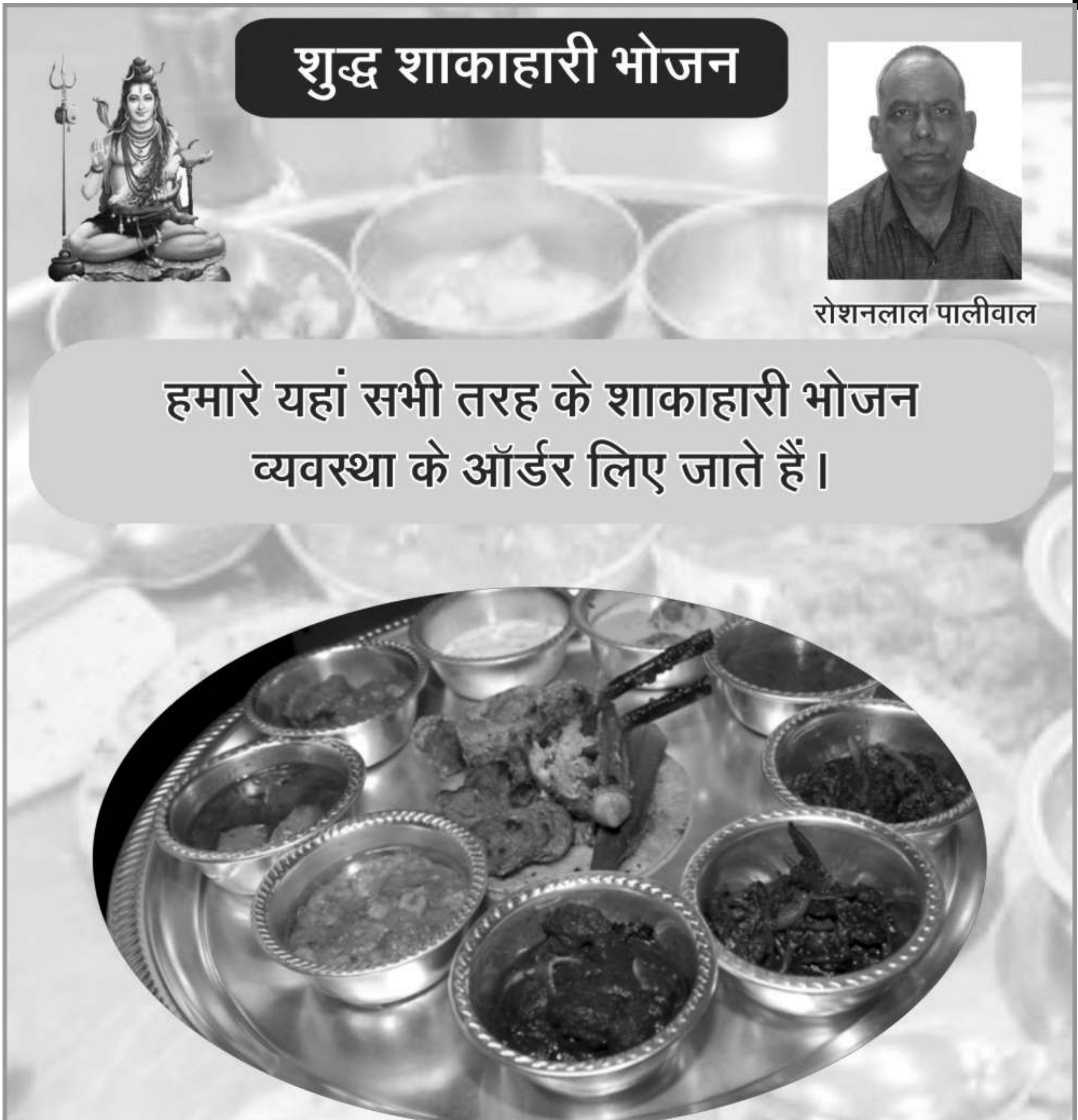
शुद्ध शाकाहारी भोजन
रोशनलाल पालीवाल
हमारे यहां सभी तरह के शाकाहारी भोजन
व्यवस्था के ऑर्डर लिए जाते हैं।
पालीवाल शिव भोजनालय
3, चेतक मार्ग, उदयपुर - 313001 (राज.)
Phone : 0294-2429014

साठ की उम्र में भी 'जकास'

v f u y d i j

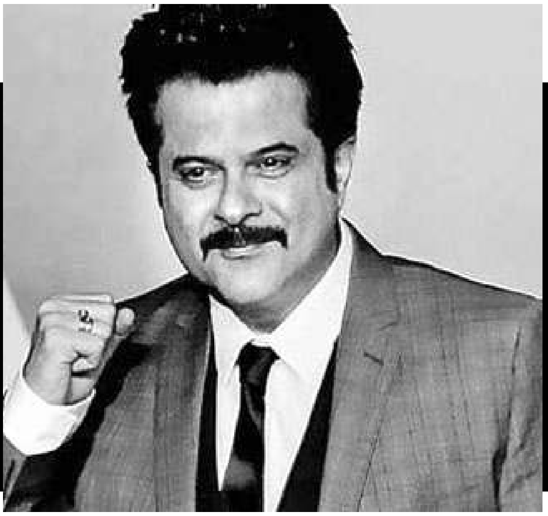

अनेक सफल फिल्मों में अपने अभिनय की छाप छोड़कर मिसाल बने अनिल कपूर साठ की उम्र छूने के करीब हैं, पर आज भी उत्साह से भरपूर हैं, उनकी दो बेटियां और बेटा भी बॉलीवुड में दस्तक दे चुके हैं।

अनिल कपूर ने फिल्मों में जिस भी किरदार को जिया, पूरे मन और जुनून से जिया। साठ की उम्र के पड़ाव पर 'दिल धड़कने दो' और 'वैलकम बैक' फिल्मों में लीक से हटकर उनका अभिनय इस बात की गवाही भी देता है। अमिताभ बच्चन को अपना आदर्श मानने वाले अनिल का कहना है कि ज़िंदगी के 70 वसंत देख चुके बच्चन साहब का इस उम्र में भी ऊर्जा का स्तर मुझसे कहीं ज्यादा है। मैंने उनसे सीखा है कि किरदार को पूरी लगन और जिम्मेदारी के साथ परदे पर उतारने की कोशिश करो, वही मैंने किया और दर्शकों का भरपूर प्यार भी मिला। मैं ईश्वर का शुक्रगुज़ार हूँ कि मुझे काम भी स्तर का मिला, पैसा ही सबकुछ नहीं है और मैंने उसके लिए हाय-तौबा भी नहीं की। कम फिल्में की लेकिन पूरे सोच-विचार और समझ से की।

फिल्मों के प्रति मैं पूरी तरह समर्पित और जिम्मेदार रहा। जिसने मुझे सदैव अनुशासित रहने की प्रेरणा दी। इसी अनुशासन ने परिवार के प्रति भी कभी लापरवाह नहीं होने दिया। मुम्बई के चैम्बूर इलाके की एक चाल में 24 दिसम्बर 1959 में जन्मे अनिल जब पिता और भाई के संघर्षों भरे दिन याद करते हैं तो उनकी आंखें भर आती हैं। पिता सुरेन्द्र कपूर व बड़े भाई बोनी कपूर ने फिल्मों में संघर्ष कर फिल्म-निर्माता के रूप में अपना मुकाम बनाने के बाद अनिल को भी बॉलीवुड में सफलता की राह दिखाई। अब तो उनकी बेटी सोनम ने अभिनय में तो रिया ने भी फिल्मकार के रूप में अपनी पहचान कायम कर ली है। अनिल साफगोई से कहते हैं कि मैंने उन्हें गाइड ज़रूर किया लेकिन उनकी सफलता में मेरा कोई योगदान नहीं है। वे बताते हैं कि सोनम फिल्मों में काम करे, ऐसा मैंने न सोचा और न चाहा, क्योंकि मैं जानता था कि वह फिल्म इंडस्ट्री का तनाव झेल नहीं पाएगी। जब उसने फैसला किया तो एकबारगी मैं परेशान हो उठा, लेकिन आज मैं मानता हूं कि वह सही और मैं गलत था। बेटा हर्षवर्द्धन भी बहनों की राह चल पड़ा है। उसने 'मिर्जिया' फिल्म में काफी मेहनत की है। मुझे खुशी इस बात की है कि उसने राकेश ओमप्रकाश मेहरा जैसे परिपक्क और अनुभवी फिल्मकार के साथ दस्तक दी है। वर्ष 1985 में अनिल को यश चोपड़ा की फिल्म 'मशाल' में अवसर मिला। यूं तो पूरी फिल्म अभिनेता दिलीप कुमार के इर्द-गिर्द घूमती थी, लेकिन अनिल ने फिल्म में अपनी छोटी सी भूमिका में दर्शकों का दिल जीत लिया। इस फिल्म में दमदार अभिनय के लिए उन्हें सहायक अभिनेता का फिल्म फेयर अवार्ड भी मिला। वर्ष 1987 में श्रीदेवी और अमरीशपुरी के साथ प्रदर्शित फिल्म 'मिस्टर इंडिया' अनिल की सबसे कामयाब फिल्म साबित हुई।

वर्ष 1988 में अनिल की एक और अहम फिल्म 'तेजाब' प्रदर्शित हुई। जिसमें उन्होंने एक सीधे सादे नौजवान की भूमिका निभाई, जो देश और समाज के प्रति समर्पित है लेकिन समाज में फैले भ्रष्टाचार की वजह से वह लोगों की नजर में तेजाब बन जाता है और सारे समाज को जलाकर खाक कर देना चाहता है। वर्ष 1989 में फिल्म 'ईश्वर' प्रदर्शित हुई, जिसमें दर्शकों को उनके अभिनय का नया रंग देखने को मिला। फिल्म में अपने दमदार अभिनय के लिये वह फिल्म फेयर के सर्वश्रेष्ठ अभिनेता अवार्ड के लिये नामांकित भी किये गये। वर्ष 1992 में प्रदर्शित 'बेटा' सुपरहिट फिल्मों में शुमार की जाती है। वर्ष 2001 में अनिल की एक और अहम फिल्म 'नायक' प्रदर्शित हुई। जिसमें उन्होंने टीवी पत्रकार की भूमिका निभाई जो एक साक्षात्कार के दौरान मुख्यमंत्री अमरीश पुरी की पोल खोल देता है, तो इसे गलत साबित करने के लिये अमरीश पुरी उसे एक दिन का मुख्यमंत्री बनने का प्रस्ताव देते हैं जिसे स्वीकार कर वह देश के सामने मुख्यमंत्री के रूप में अमरीश पुरी के गलत कार्यों को बेनकाब कर देते है। अनिल को अब तक चार बार फिल्म फेयर पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। इन सबके साथ ही वर्ष 2000 में फिल्म 'पुकार' के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। अनिल तीन दशक लंबे सिने करियर में लगभग 125 फिल्मों मे काम कर चुके हैं। छोटे परदे पर '24' में उनका अभिनय यह अहसास ही नहीं होने देता कि वे 60 के करीब पहुंच गए हैं। ■

– अमित शर्मा

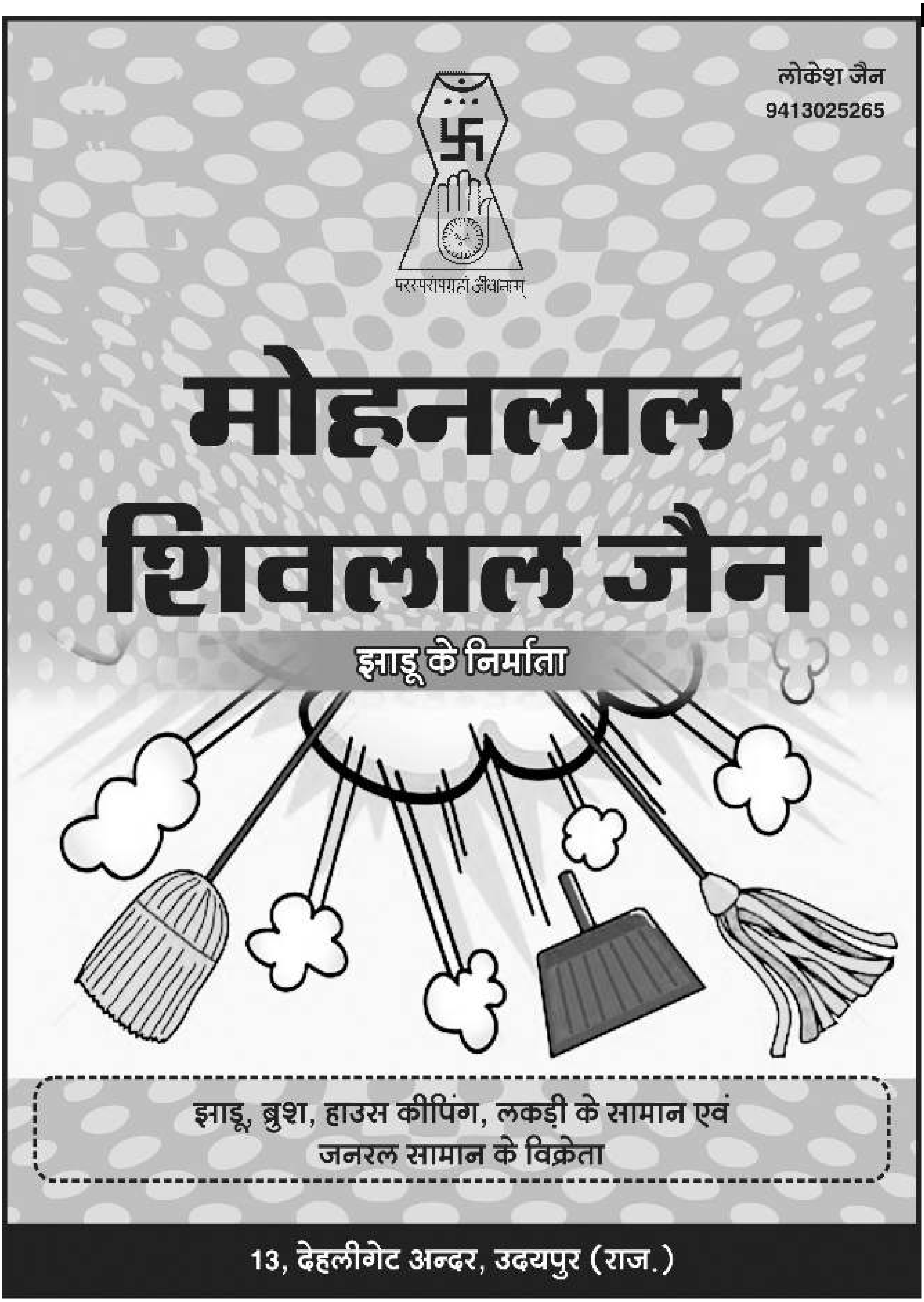
लोकेश जैन
9413025265
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
मोहनलाल
शिवलाल जैन
झाडू के निर्माता
झाडू, ब्रुश, हाउस कीपिंग, लकड़ी के सामान एवं
जनरल सामान के विक्रेता
13, देहलीगेट अन्दर, उदयपुर (राज.)

भविष्यफल अप्रैल 2017

पं. शोभालाल शर्मा

मेष

अति आत्मविश्वास से बड़े से बड़ा निर्णय सहजता से कर लेंगे, किसी भी कार्य को लम्बित न रखें। माह उत्साह भरा रहेगा, व्यावसायिक कार्यों में सफलता प्राप्त होगी, स्वास्थ्य श्रेष्ठ रहेगा किन्तु माह का पूर्वार्द्ध जीवन साथी की ओर से चिन्ता देगा। सन्तान पक्ष उत्तम, प्रियजनों से लाभ।

वृषभ

माह का उत्तरार्द्ध श्रेष्ठ परिणाम देने वाला है। आय अच्छी एवं नई योजनाएँ बन सकती हैं। मानसिक तनाव से मुक्ति, कार्य क्षेत्र में बाधाओं से छुटकारा, दाम्पत्य जीवन में मधुरता, सन्तान पक्ष सामान्य, घर में मांगलिक कार्य या यात्रा योग।

मिथुन

9 अप्रैल तक कार्यों में रूकावटें आ सकती हैं, परेशानी रहेगी। अपने से बड़ों का पूर्ण सहयोग मिलेगा, अपनी सुझबूझ का कालान्तर में लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम, जीवन साथी का पूर्ण सहयोग व सन्तान की ओर से श्रेष्ठ समाचार की प्राप्ति।

कर्क

भाग्य पूर्ण रूप से साथ देगा। उलझे मामले सुलझेंगे, राजकीय एवं शासकीय कार्यों में सफलता, स्थाई सम्पत्ति से लाभ एवं निवेश श्रेष्ठ रहेगा। नई योजना बनना संभव, स्वास्थ्य सामान्य, संतान पक्ष आनन्दित करेगा, दाम्पत्य जीवन सामान्य।

सिंह

नये लोगों से परिचय जो आगे नई दिशा इंगित करेगा। असमंजस की स्थिति से निकलकर सकरात्मक सोच हितकर होगी। आयात-निर्यात से लाभ, आय मध्यम, आकस्मिक परेशानी, स्वास्थ्य उत्तम, सोचें कम, परिश्रम ज्यादा करें।

कन्या

चाह कर भी कुछ नहीं कर पायेंगे, अपने से बड़ों का परामर्श लाभदायक रहेगा। अकेले चलने की बजाय सहयोगी को साथ लेकर कार्य करें। कार्य की वजह से दूरगामी यात्रा के भी योग हैं। जीवन साथी का पूर्णत: सहयोग, सन्तान पक्ष सामान्य, स्वास्थ्य से परेशानी।

तुला

माह का उत्तरार्द्ध उत्साह से व्यतीत होगा। कार्य क्षेत्र में उतार-चढ़ाव आ सकते हैं, खर्चों की अधिकता रहेगी, नियन्त्रण आवश्यक है। राजकीय मामलों में उलझनें, आय पक्ष प्रभावित होगा, साझेदारी में आश्चर्यजनक परिवर्तन संभव। स्वास्थ्य सामान्य, दाम्पत्य जीवन मध्यम।

वृश्चिक

आय के नये स्रोतों पर ध्यान देंगे, सामाजिक मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। विद्यार्थी वर्ग अपने कॅरियर को ऊंचाई दे पायेंगे, माह के पूर्वार्द्ध में आवश्यक कार्य सम्पन्न करने का प्रयास करें, यही आपके हित में है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, दाम्पत्य जीवन में समरसता, सन्तान पक्ष श्रेष्ठ।

धनु

जो रोजगार के लिए प्रयासरत हैं उन्हें सफलता प्राप्त होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में भी सफलता का अवसर है। बुजुर्गों का मार्गदर्शन फलदायी रहेगा, सन्तान श्रेष्ठ परिणाम देगी, स्वास्थ्य उत्तम, जीवन साथी से मधुरता, स्थिर कार्यों में सफलता।

मकर

भाई-बहिनों का पर्याप्त सहयोग, विरोधी परास्त होंगे। राजकीय एवं शासकीय कार्यों में सफलता, कारोबारी विवादों का अन्त होगा। आय की तुलना में खर्च की अधिकता रहेगी। स्वास्थ्य श्रेष्ठ, जीवन साथी से समन्वय, सन्तान की ओर से श्रेष्ठ समाचार मिलेंगे।

कुम्भ

जीवन साथी के व्यवहार से खिन्नता, विचारों में उधेड़बुन, नये कार्यों में शुरूआती गतिरोध, परन्तु प्रयासों से सफलता प्राप्त होगी। विद्यार्थी वर्ग को अच्छे अवसर प्राप्त हो सकते हैं, अधिकारी वर्ग या बुजुर्गों से मनमुटाव सम्भव। स्वास्थ्य असंतोषजनक, सन्तान पक्ष सामान्य।

मीन

माह का पूर्वार्द्ध अच्छे परिणाम देगा, साझेदारी लाभदायक, उत्साह-उमंग पूर्ण वातावरण में भाग्य भी साथ देगा। परन्तु पुरुषार्थ की कमी से बनते कार्य बिगड़ सकते हैं, अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त करें। न्यायिक कार्यों में सफलता, प्रणय सम्बन्धों में कटुता, स्वास्थ्य सामान्य।

DAAWAT

Specialist

BASMATI

RICE

मोहन ट्रेडिंग कम्पनी

अधिकृत विक्रेता : दावत बासमती चावल

हर प्रकार के चावल, दालें, मैदा, सुजी,
आटा, पौहा एवं सींगदाना के थोक व्यापारी

0294-2483671, 2481137(S)
0294-2464036 (R)

153, कृषिउपज मंडी यार्ड,
उदयपुर (राजस्थान) 313001

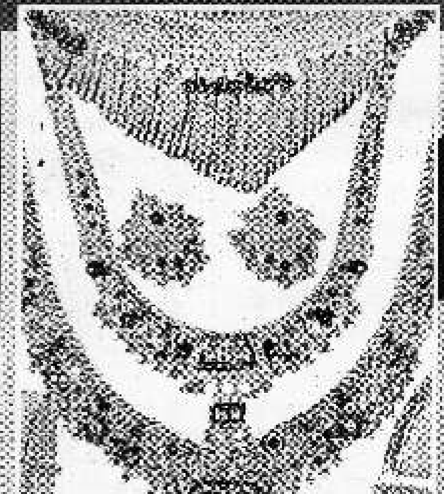

T-JEWELLERS

Gold and Silver
Ornaments &
Silver Utensil

233A, BAPU BAZAR, UDAIPUR-313001
Phone :- 0294-2422758 (S), 0294-2410683 (R)

पाटनी को इनोवेशन अवार्ड

केन्द्रीय मंत्री पी. पी. चौधरी व राजस्थान के परिवहन मंत्री युनूस खान से अवार्ड प्राप्त करते वंडर सीमेन्ट के चेयरमैन अशोक पाटनी। साथ में निदेशक विकास पाटनी एवं परमानन्द पाटीदार।

उदयपुर। वंडर सीमेंट के चेयरमैन अशोक पाटनी को समग्र व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए ईइंडिया इनोवेशन अवार्ड से सम्मानित किया गया। अवार्ड उद्योग विभाग की ओर से जयपुर में एलेट्स टेक्नो मीडिया के सहयोग से आयोजित ई-इंडिया इनोवेशन समिट, एक्सपो और अवार्ड राजस्थान में दिया गया। सम्मेलन में देशभर से नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए ज्ञान विनिमय, सर्वश्रेष्ठ अभ्यासों को साझा किया गया। पीपी चौधरी, केन्द्रीय राज्यमंत्री इलेक्ट्रोनिक्स व सूचना प्रौद्योगिकी और परिवहन मंत्री यूनुस खान समिट का उद्घाटन किया।

फोर्टिस जेके हॉस्पीटल का शुभारम्भ

उदयपुर। फोर्टिस जेके हॉस्पिटल के शोभागपुरा में 201 बेड वाले नए मल्टी स्पेशियलिटी अस्पताल का शुभारम्भ हुआ। यह राजस्थाान का पहला हॉस्पिटल होगा जिसमें स्टेट ऑफ आर्ट क्रिटीनेक्स्ट सीईजेडयू सिस्टम से ड्यूअल लेवल, क्रिटिकल केयर मोनिटरिंग सम्भव होगी। दक्षिण राजस्थान में पहली बार इस हॉस्पिटल में अत्याधुनिक फ्लेट है, जिससे कार्डियो वेस्क्युलर एवं न्यूरो वेस्क्यूलर ऑपरेशन्स सम्भव होंगे। अस्पताल में कार्डियो, न्यूरो, गेस्ट्रो, ऑर्थोपेडिक्स एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, गायनिक, चाइल्ड केयर, रीनल साइन्सेज, एन्डोक्रिनॉलोजी जैसी अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ आपातकालीन एवं क्रिटिकल केयर यूनिट की भी स्थापना की गई है। हॉस्पिटल के संचालक महेन्द्रपाल सिंह एवं सत्येन्द्रपाल सिंह छाबड़ा ने बताया कि दक्षिण राजस्थान के रोगियों को हेल्थ केयर की उत्कृष्ट सेवाएं मिल सकेगी। फेसीलिटी डायरेक्टर गुरविन्दर सिंह के अनुसार हॉस्पीटल की पूरी टीम को ट्रेनिंग तथा हेल्थकेयर सुविधाओं से उच्च स्तरीय बनाया गया है।

जे.के. टायर ने मनाया सुरक्षा दिवस

राजसमंद। जेके टायर एण्ड इण्डस्ट्रीज लि. कांकरोली में 4 मार्च को 46वां राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया। सुरक्षा ध्वज वाईस प्रेसिडेन्ट एल. पी. श्रीवास्तव एवं जे. के. टायर एम्पलाईज यूनियन के उपाध्यक्ष सज्जन सिंह राव ने संयुक्त रूप से फहराया। सुरक्षा सम्बंधी प्रतिस्पर्धाओं में अमित जोशी, सुनील वैष्णव, चैन सिंह राठौड़, शंकर कुमावत, दुर्गासिंह, मुबारिक हुसैन, भागीरथ सिंह, डूंगरमल, राजेन्द्र सिंह को सम्मानित किया गया। 2016-17 में सर्वोत्तम सुरक्षा निष्पादन के लिए बीयू-1 को विजेता तथा बीयू-2 को उपविजेता, सुरक्षा में महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बीयू-2 एवं एसएसयू-1 को शील्ड प्रदान की गई। संचालन संजय अग्रवाल व धन्यवाद ज्ञापन अनिल मिश्रा ने किया।

संध्या को पीएचडी

उदयपुर। मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय ने श्रीमती संध्या राणावत को पीएचडी की उपाधि प्रदान की है। उन्होंने राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. गिरिधारी सिंह कुंपावत के निर्देशन में '15वीं लोकसभा में युवाओं का प्रतिनिधित्व एवं भूमिका' विषय पर शोध किया।

किरण त्रिशला मंच की अध्यक्ष

उदयपुर। दिगम्बर जैन बीसा नरसिंहपुरा तेरापंथ त्रिशला जागृति मंच के चुनाव में डॉ. किरण जैन अध्यक्ष एवं पूनम जैन को महामंत्री चुना गया। आशा संगावत उपाध्यक्ष, आशा सिंघवी वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अनिता पंचोली, सुनिता संगावत व ललिता अखावत कोषाध्यक्ष, साधना अखावत संगठन मंत्री, तमन्ना संगावत सांस्कृतिक मंत्री बनाए गए।

रतलिया को अवार्ड

अवार्ड प्राप्त करते प्रवीण रतलिया

उदयपुर। सुहानी सर्दी आन्दोलन के प्रवीण रतलिया को इस साल का 'यंगेस्ट सोशल एक्टिविस्ट ऑफ एशिया' अवार्ड दिया गया है। मिडिल ईस्ट एशिया लीडरशिप फैडरेशन के बैनर तले दुबई में चल रही मिडिल ईस्ट एशिया लीडरशिप समिट में 23 फरवरी को उन्हें यह अवार्ड प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि प्लेटिनम ग्रुप के संस्थापक प्रवीण रतलिया बच्चों को ठिठुरने से बचाने के लिए पिछले कुछ सालों से सुहानी सर्दी आन्दोलन चला रहे हैं। इसके तहत हर वर्ष करीब 10 हजार बच्चों को नए स्वेटर बांटे जाते हैं। रक्त उपलब्धता के लिए रक्तवीर अभियान भी चला रखा है।

कायड़ खदान को फाइव स्टार रेटिंग अवार्ड

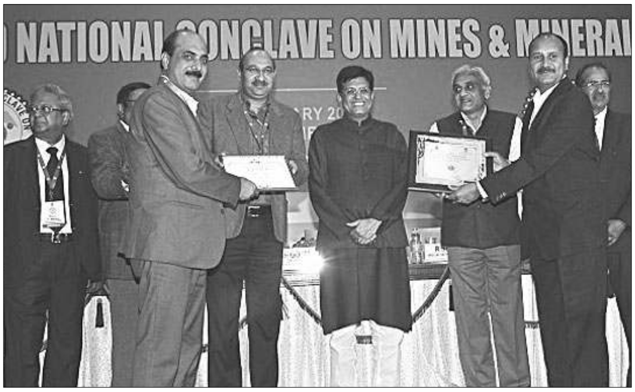

केन्द्रीय मंत्री पीयूष गोयल से अवार्ड प्राप्त करते सीईओ सुनील दुग्गल एवं के. सी. मीना।

उदयपुर। हिन्दुस्तान जिंक की इकाई कायड़ खदान को वर्ष-2017 में खनन क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य के लिए फाइव स्टार रेटिंग अवार्ड से नवाजा गया है। अवार्ड केन्द्रीय खान मंत्रालय के अधीन इंडियन ब्यूरो ऑफ माइन ने दिया। पुरस्कार ऊर्जा, कोल, न्यू एण्ड रिन्यूवबल एनर्जी खान मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में आयोजित द्वितीय नेशनल कॉन्क्लेव ऑन माइन्स एण्ड मिनरल्स समारोह में प्रदान किया। हिन्दुस्तान जिंक की ओर से सीईओ सुनील दुग्गल, कायड़ खदान के इकाई प्रधान के. सी. मीना ने पुरस्कार ग्रहण किया।

होण्डा का मेगा कार्निवल

कार्निवल का उद्घाटन करते कम्पनी पदाधिकारी

उदयपुर। होण्डा मोटरसाइकिल स्कूटर इण्डिया प्रा. लि. के अधिकृत डीलर लेकसिटी होण्डा व श्रीजी होण्डा की ओर से स्वागत वाटिका सेक्टर 3 में तीन दिवसीय मेगा कार्निवल सम्पन्न हुआ। इसमें होण्डा के दुपहिया उत्पादों की सर्विस, फ्री चेकअप, एक्सचेंज ऑफर की जानकारी दी गई। कार्निवल का उद्घाटन कम्पनी के क्षेत्रीय विक्रय अधिकारी रजनीश जशवाल, सर्विस अधिकारी जोएब शेख ने किया। लेकसिटी होण्डा के वरुण मुर्डिया ने बताया कि कार्निवल के दौरान बुक कराए गए वाहनों पर उपभोक्ताओं को आकर्षक छूट व उपहार भी दिए गए। लेकसिटी होण्डा के महाप्रबंधक शीलमोहन शर्मा ने धन्यवाद दिया।

जे. के. सीमेंट वर्क्स में चिकित्सा शिविर

शिविर का शुभारम्भ करते यूडीएच मंत्री श्रीचंद कृपलानी, श्रीमती सोनम सिंघानिया, यूनिट हेड एस. के. रावत, के. एम. जैन, एम. एस. शेखावत, शैलेष चौबीसा एवं अन्य।

निम्बाहेड़ा(राज.)। जे. के. सीमेन्ट वर्क्स एवं मेदान्ता मेडिसिटी गुरुग्राम के संयुक्त तत्वावधान में गत फरवरी के अन्तिम सप्ताह में आयोजित दो दिवसीय चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 1500 से अधिक रोगियों की जांच की गई। शिविर का उद्घाटन नगरीय विकास मंत्री श्रीचंद कृपलानी, श्रीमती सोनम सिंघानिया, यूनिट हेड एस. के. राठौड़, कॉमर्शियल हेड के. एम. जैन, एम. एस. शेखावत, इन्द्रराज सिंह एवं पालिकाध्यक्ष कन्हैयालाल पंचोली ने किया। श्रीमती सोनम सिंघानिया ने कहा कि जे.के. सीमेन्ट वर्क्स के प्रबंध निदेशक यदुपति सिंघानिया के निर्देश पर प्रतिष्ठान की अन्य इकाइयों में भी सामाजिक सरोकार के ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

महिलाओं का सम्मान

अमेरिकन हॉस्पीटल के ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनंद झा महिलाओं को सम्मानित करते।

उदयपुर। महिला दिवस 8 मार्च को जीबीएच अमेरिकन हॉस्पीटल में महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर सेमिनार हुआ। इस मौके पर डीएफओ शैलजा देवल, कुमुद गहलोत, आर्किटेक्ट प्रियंका अर्जुन, डॉ. मयंक सेठ को सम्मानित किया गया। रत्नगिरी पर्वत पर नवजात कन्या जन्म पर माता-पिता पौधरोपण हुआ। ग्रुप डायरेक्टर डॉ. आनंद झा आदि मौजूद थे।

उपाध्याय धन्यवाद बैज से सम्मानित

उदयपुर। राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड मण्डल मुख्यालय उदयपुर के मण्डल चीफ कमिश्नर एवं खान एवं भू विज्ञान विभाग, उदयपुर के अति. निदेशक जितेन्द्र उपाध्याय(आईएएस) को स्काउट गाइड संगठन में नि:स्वार्थ उत्कृष्ट सेवाओं के लिये राजस्थान के भारत स्काउट व गाइड संगठन द्वारा राज्य प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर में आयोजित राज्य पुरस्कार अवार्ड समारोह में धन्यवाद बैज एवं मण्डल सचिव सुरेशचन्द्र खटीक को बार टू मेडल ऑफ मेरिट प्रदान कर सम्मानित किया गया।

जापानी दूतावास व राजस्थान बाल कल्याण समिति में अनुबन्ध

अनुबंध पर हस्ताक्षर के बाद जापान के राजदूत कैनजी हीरामत्सु, प्रबंध निदेशक गिरजा शंकर शर्मा, नीतू सिंह एवं जापानी दल के सदस्य।

उदयपुर। जनजाति छात्राओं को शिक्षा के क्षेत्र में आगे लाने के लिए राजस्थान बाल कल्याण समिति झाड़ोल(फ)की ओर से नई दिल्ली स्थित जापानी दूतावास पर राजदूत केनजी हीरामत्सु एवं संस्था के प्रबन्ध निदेशक गिरजा शंकर शर्मा के बीच जनजाति बहुल झाड़ोल में छात्रावास भवन के लिये अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए गए। जापान सरकार द्वारा स्माल ग्रान्ट के अन्तर्गत 100 जनजाति छात्राओं के लिये भवन निर्माण करवाया जायेगा। समारोह में जापान सरकार की तरफ से फर्स्ट सेकेट्री कजुइषा योषीदा, कियोको निसिमुरा व संस्था की ओर से परियोजना अधिकारी नीतू सिंह मौजूद थे।

सिसोदिया की चपलोत से मुलाकात

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया का स्वागत करते पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शांतिलाल चपलोत, प्रदीप चपलोत एवं अन्य।

उदयपुर। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने पिछले दिनों उदयपुर प्रवास के दौरान राजस्थान के पूर्व विधानसभाध्यक्ष शांतिलाल चपलोत से उनके निवास पर मुलाकात कर उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। एक घंटे की मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच प्रदेश की राजनीति पर भी चर्चा हुई। चपलोत ने आप पार्टी द्वारा दिल्ली में किये जा रहे कार्यों की प्रशंसा की।

डॉ. अजय मुर्डिया सम्मानित

अवार्ड प्राप्त करते इंदिरा आईवीएफ के चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया।

उदयपुर। प्रतिष्ठित एशियन सोसायटी ऑफ कंटिन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन की जेनेसिस रिडिफाइनिंग ए.आर.टी. विषयक कॉन्फ्रेंस में इंदिरा आई.वी.एफ. ग्रुप के चेयरमैन डॉ. अजय मुर्डिया को आई.वी.एफ. के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मेलन में न्यूयॉर्क में मेडिकल और सीएचआर निदेशक डॉ. नोरबेस्ट ग्लीचर मौजूद थे। साथ ही ह्यूमन क्लोनिंग के पिता कहे जाने वाले यूएसए के डॉ. जेवोस, ब्राजील के जाने माने नि:संतानता विशेषज्ञ डॉ. मैथ्यू, यूनाईटेड किंगडम के यूसीएलएच एनएचएस ट्रस्ट में भ्रूण विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. अल्पेश, एचएफइ के सलाहकार डॉ. याकूब खलफ, एनएचएस में मनोचिकित्सक डॉ. ए.डी. नायर, मुम्बई के लीलावती हॉस्पीटल में मनोविज्ञान विशेषज्ञ डॉ. वरखा चुलानी, नोर्डिया फर्टिलिटी सेंटर लागोस नाईजीरिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. अबयोमी अजई समेत दुनिया भर के कई विशेषज्ञ चिकित्सक उपस्थित थे। कॉन्फ्रेंस में डॉ. अजय मुर्डिया को एक्सीलेंसी अवार्ड से नवाजा गया। उन्हें यह सम्मान नि:संतानता और आई.वी.एफ के प्रति जागरूकता लाने और कई नि:संतान दम्पत्तियों का इलाज कर सूनी गोद में खुशियां लाने के अथक प्रयास करने के लिए प्रदान किया गया।

विद्या प्रचारिणी सभा ने पदभार ग्रहण किया

उदयपुर। भूपाल नोबल्स संस्थान की विद्या प्रचारिणी सभा की नई कार्यकारिणी के पदाधिकारियों ने मार्च के प्रथम सप्ताह में पदभार ग्रहण किया। निर्वाचित कार्यवाहक अध्यक्ष गुणवंत सिंह झाड़ोल, उपाध्यक्ष भैरू सिंह निम्बाहेड़ा, मंत्री डॉ. महेन्द्र सिंह आगरिया, संयुक्त मंत्री शक्ति सिंह कारोही, उपमंत्री एवं प्रबंध निदेशक ठा. मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, वित्तमंत्री डॉ. दरियावसिंह ने पदभार ग्रहण किया।

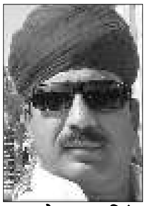

ठा. मोहब्बत सिंह रूपाखेड़ी, एम.डी.

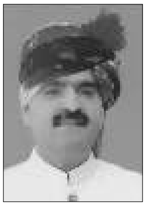

डॉ. महेन्द्रसिंह आगरिया, मंत्री

महिला स्किल डवलपमेंट शिविर

स्किल डवलपमेंट शिविर के उद्घाटन पर आईएएस राजेन्द्र भट्ट, कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत एवं अन्य।

उदयपुर। जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ के संघटक जनशिक्षण विस्तार कार्यक्रम निदेशालय एवं पिछले दिनों सेन्ट्रल कॉपरेटिव बैंक लि. के संयुक्त तत्वावधान में महिलाओं के लिए पिछले दिनों तीन दिवसीय स्कीम डवलपमेंट शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि आईएएस राजेन्द्र भट्ट, विशिष्ट अतिथि प्रबंध निदेशक डॉ. अश्विनी वशिष्ठ, अध्यक्ष कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, डॉ. मंजू माडोत, मीना नेभनानी ने माँ सरस्वती के सम्मुख माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर दिया। कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने कहा कि महिलाओं को शिक्षा के साथ कौशल विकास की जानकारी देना अब आवश्यक हो गया है। इस हेतु यूजीसी ने भी अपने पाठ्यक्रमों में बदलाव किया है। राजेन्द्र भट्ट ने कहा कि महिलाएं देश की आधी जनसंख्या का प्रतिनिधित्व करती है और यदि वे विकास की धारा से वंचित रहेंगी तो देश का विकास संभव नहीं है। इसलिए महिलाओं को भी विकास की मुख्य धारा से जुड़ने और आत्म सम्मान के साथ जीने का अधिकारी मिलना चाहिए।

धीरेन्द्र अध्यक्ष

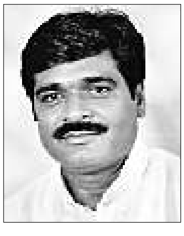

उदयपुर। सेक्टर 3 स्थित एम.डी.एस. एज्यूकेशनल सोसायटी के चुनाव में धीरेन्द्र सच्चान अध्यक्ष, दिलीप माहेश्वरी सचिव व केदारनाथ गुप्ता कोषाध्यक्ष चुने गये। फाउंडर ट्रस्टी डॉ. रमेश चन्द्र सोमानी ने बताया कि रविन्द्र पारख, विशाल शर्मा, अरविन्द डूंगरवाल व महेश गौड़ कार्यकारिणी सदस्य चुने गए।

3 टेस्ला एमआरआई मशीन का शुभारंभ

उद्घाटन अवसर पर डॉ. अरविन्दर सिंह, डॉ. हेमन्त पटेल एवं अन्य।

उदयपुर। संभाग के लिए अभी तक की सबसे एडवांस्ड 3 टेस्ला एमआरआई स्थापित की गई। जैसे-जैसे कैमरे के मेगा पिक्सल बढ़ते जाते है वैसे-वैसे फोटो की क्वालिटी भी बढ़ती जाती है। उसी प्रकार एमआरआई मशीन की टेस्ला पावर बढ़ती जाती है तो जांच करने की क्षमता तथा गुणवत्ता बढ़ती जाती है। उदयपुर शहर में अभी तक जितनी भी एमआरआई मशीन लगी है वह 1.5 टेस्ला या उससे कम क्षमता की लगी है। इस क्रांतिकारी तकनीक 3 टेस्ला एमआरआई द्वारा जांच में लगने वाला समय आधा रह जाता हे एवं क्वालिटी भी कई गुना बढ़ जाती है। दक्षिणी राजस्थान के प्रमुख डायग्नोस्टिक सेंटर अर्थ डायग्नोस्टिक सेन्टर ने गुजरात के प्रसिद्ध रेडियोलॉजी सेन्टर गुजरात इमेजिंग सेन्टर के साथ ज्वाइंट वेंचर किया है। डॉ. हेमन्त पटेल व डॉ. अरविन्दर सिंह ने बताया कि मिर्गी, प्रोस्टेट, कैंसर, ब्रेन ट्यूमर, ब्रेस्ट कैंसर तथा अन्य सभी प्रकार की जटिल रोगों की जांचे करना अब उदयपुर में भी संभव होगा।3 टेस्ला एमआरआई मशीन के उदयपुर में स्थापित हो जाने से अब संभाग के मरीजों को विभिन्न प्रकार की जांचों के लिए बड़े शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

मिस्टर व मिस एसेंट का चयन

विजेताओं के साथ निदेशक मनोज बिसारती एवं मैनेजर मंगलाराम देवासी।

उदयपुर। एसेन्ट इंटरनेशनल सीनियर सैकेण्डरी स्कूल का वार्षिकोत्सव पिछले दिनों धूमधाम से मनाया गया। शुभारंभ मुकेश बिसारती, प्राचार्य विजय सिंह चौधरी, मैनेजर मंगलाराम देवासी ने किया। कक्षा 11वीं के छात्र प्रिंतम सोनी व अनुष्का चुण्डावत को पुरस्कृत किया गया। कक्षा 12वीं के छात्रों का मिस एसेन्ट और मिसेस एसेन्ट कार्यक्रम हुआ। मिस्टर एसेन्ट हर्षवर्धन सिंह राठौड़ और मिस एसेन्ट प्रित्सांशा गुरसाहनी रही। रनअप चर्चित चौधरी रहे। निदेशक मनोज बिसारती ने विचार रखे।

नवाचार कार्यशाला

मंचासीन प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत, प्रो. प्रदीप पंजाबी, प्रो. उमाशंकर शर्मा एवं अन्य।

उदयपुर। कक्षाओं में छात्र-छात्राओं को किताबी ज्ञान ही नहीं व्यावहारिक ज्ञान से भी अवगत करना चाहिए। यह विचार कुलपति प्रो. एस. एस. सारंगदेवोत ने अध्यापन में गुणवत्ता बढ़ोतरी के उद्देश्य से जनार्दन राय नागर विश्वविद्यालय में आयोजित कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन में व्यक्त किये। प्रारंभ में समन्वयक प्रो. प्रदीप पंजाबी ने अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि एमपीयूटी के कुलपति प्रो. उमाशंकर शर्मा व विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय डीसीआरसी के निदेशक प्रो. सुनील के. चौधरी थे।

श्री पार्श्वनाथ जिनालय ध्वजारोहण

रजत जयंती स्मारिका का सुधर्मसागर महाराज के सानिध्य में विमोचन।

उदयपुर। श्री पार्श्वनाथ जिनालय देवाली का पिछले दिनों वार्षिक ध्वजारोहण सुधर्मसागर महाराज के सान्निध्य में गोवर्धन सिंह सुराणा, आदिनाथ मानव कल्याण समिति के उपाध्यक्ष रणजीत सिंह मेहता व श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ के अध्यक्ष तेज सिंह बोल्या ने किया। इस अवसर पर सुधर्म सागर महाराज व वीर चक्र से सम्मानित पूर्व सैनिक दुर्गाशंकर पालीवाल का संभागीय संस्कृत शिक्षा अधिकारी डॉ. भगवती शंकर व्यास ने अभिनंदन किया। समिति के अध्यक्ष अशोक सेठ ने बताया कि आगामी 5 मई को कविता ग्राम के महावीर धाम में प्रस्तावित पद्‌मावती देवी की प्रतिमा की प्रतिष्ठापना की बोलियां भी हुई। इस अवसर पर संस्था की रजत जयंती स्मारिका का 'सुस्मरण' विमोचन भी किया।

स्पेक्ट्रम एवं दी डूंगरपुर सेन्ट्रल कॉ-ऑपरेटिव बैंक द्वारा पिछले दिनों आयोजित खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान स्मारिका का विमोचन करते सहकारिता मंत्री अजय सिंह किलक, जिला कलक्टर सुरेन्द्र सिंह सोलंकी, अतिरिक्त रजिस्ट्रार राजेन्द्र भट्ट, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (बैंकिंग) राजीव लोचन, शीर्ष सहकारी बैंक के प्रबन्ध निदेशक विद्याधर गोदारा, अध्यक्ष बद्रीनारायण शर्मा, प्रबंध निदेशक एच.एच. यादव, आयोजन सचिव हरीश पण्ड्या, स्पेक्ट्रम अध्यक्ष दिनेश खत्री, सचिव अशोक माहेश्वरी, प्रशान्त मेहता एवं अन्य।

शर्मा हॉस्पीटल ने की 250 रोगियों की जांच

निःशुल्क जांच शिविर में रोगियों की जांच करते शर्मा हॉस्पिटल के डॉक्टर्स एवं नर्सिंग स्टाफ।

उदयपुर। महर्षि गौतम जयंती पर गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज तथा शर्मा मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पीटल के संयुक्त तत्वावधान में निःशुल्क रोग परामर्श एवं जांच शिविर महर्षि गौतम भवन, हिरणमगरी में आयोजित किया गया। शिविर का उद्घाटन वरिष्ठ समाजसेवी सत्येन्द्र तिवाड़ी एवं समाज के महासचिव मनोज जोशी ने किया। शिविर के संयोजक डॉ. एसके गौतम ने बताया कि इसमें 6 विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दी, जिसमें 252 रोगियों की चिकित्सकों ने जांच की। शिविर में सेवाएं प्रदान करने पर समाज के कोषाध्यक्ष रमाकांत शर्म, सचिव शरद आचार्य, मनीष तिवाड़ी ने शर्मा हॉस्पीटल के प्रबंधक डॉ. एसके गौतम, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. स्वप्निल चिचे, हड्डी एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. सूर्यकांत पुरोहित, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. श्रद्धा रावल, बाल एवं शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. भाविन रावल, जनरल मेडिसिन के डॉ. चंद्रकांत कासट, न्यूरो एवं स्पाइन रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास सिंह तथा नर्सिंगकर्मियों का सम्मान किया।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने मनाई स्वर्ण जयंती

मुख्य शाखा के स्वर्ण जयंती समारोह में केक काटते उपमहाप्रबंधक सुरेन्द्र शर्मा।

उदयपुर। बैंक ऑफ बड़ौदा की मुख्य शाखा के 50 वर्ष पूर्ण होने पर स्वर्ण जयंती कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर शाखा परिसर में पूजा एवं हवन किया गया। तत्पश्चात् स्टाफ सदस्यों और ग्राहकों के लिए निःशुल्क हेल्थ चेकअप केम्प लगा। महिला दिवस पर बैंक की समस्त महिला स्टाफ कर्मियों का सम्मान किया गया। मुख्य अतिथि यूआईटी अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली, सुरेन्द्र शर्मा, उप महाप्रबंधक ने ग्राहकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

जयपुर में उदयपुर स्काउट मंडल के उपप्रधान और स्थानीय संघ के अध्यक्ष डॉ. सुजान सिंह मेडल ऑफ मेरिट अवार्ड उच्च शिक्षा मंत्री किरण माहेश्वरी से प्राप्त करते हुए।

पठान अध्यक्ष, भोई वरिष्ठ उपाध्यक्ष

उदयपुर। लेकसिटी प्रेस क्लब के सम्पन्न चुनाव में रफीक एम. पठान निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए तथा छोगालाल भोई को वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। चुनाव अधिकारी वरिष्ठ अधिवक्ता अरुण व्यास, चुनाव संयोजक पत्रकार संजय खाब्या एवं नारीश्वर राव थे।

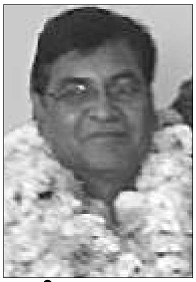

रफीक एम. पठान

छोगालाल भोई

125 पत्रकारों के इस समूह ने एक जुटता दिखाते हुए संस्थापक सदस्य रहे रफीक एम. पठान को अध्यक्ष बनाने के लिए अपनी सहमति पहले ही साधारण सभा की बैठक में दे दी थी। पठान ने पत्रकारों को भूखंड आवंटन और मेडिक्लेम की सुविधा दिलाने को अपनी प्राथमिकता बताया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष रफीक एम. पठान को बाद में निवर्तमान अध्यक्ष प्रतापसिंह राठौड़ ने पदभार ग्रहण करवाया।

गुप्ता बने महासचिव

उदयपुर। मेडिकल प्रेक्टिशनर्स सोसायटी की बैठक भुवाणा स्थित शर्मा हॉस्पिटल में सम्पन्न हुई जिसमें अरावली हॉस्पिटल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक डॉ. आनंद गुप्ता को संगठन का महासचिव चुना गया। इस अवसर पर नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई। डॉ. धवल शर्मा एवं डॉ. नेहा शर्मा ने शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद चिकित्सकों को लेप्रोस्कोपिक एवं बेरियाट्रिक सर्जरी की जानकारी दी। सोसायटी अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र शर्मा ने सोसायटी की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी को लेकर सभी से उम्मीद जताई। महासचिव डॉ. गुप्ता ने कहा कि चिकित्सक नैतिकता के साथ मेडिकल प्रेक्टिस जारी रखें। विषम परिस्थितियों में सदस्यों के बीच एकता जरूरी है। डॉ. अनिल शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रधान क्लब को चैम्पियनशिप

मंचासीन पूर्व सांसद सदस्य भानु कुमार शास्त्री, सरस डेयरी अध्यक्ष डॉ. गीता पटेल, यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली एवं वरिष्ठ पत्रकार विष्णु शर्मा हितैषी।

उदयपुर। पिछले दिनों महाराणा भूपाल स्टेडियम पर जिला कबड्डी संघ के सहयोग से आयोजित अशोक कुमावत स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता में प्रधान क्लब भींडर विजेता व गोवर्धन विलास क्लब उपविजेता रही। तीसरे स्थान के लिए एस एस इंजीनियरिंग कॉलेज उमरड़ा ने मनवाखेड़ा क्लब को हराया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि यूआईटी अध्यक्ष रवीन्द्र श्रीमाली व विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद भानुकुमार शास्त्री, भाजपा उद्योग प्रकोष्ठ के धीरेन्द्र सच्चान, 'प्रत्यूष' के प्रधान सम्पादक विष्णु शर्मा हितैषी, यशवंत पालीवाल, अशोक बोहरा, छोगालाल भोई व दलपत सुराणा थे। अध्यक्षता उदयपुर जिला डेयरी संघ की अध्यक्ष डॉ. गीता पटेल ने की। अतिथियों का स्वागत आयोजन समिति के संरक्षक नगर परिषद् के पूर्व सभापति युधिष्ठिर कुमावत ने किया। आयोजन सचिव भरत कुमावत ने बताया कि समारोह में जिला खेल अधिकारी ललित सिंह झाला को 'कबड्डी रत्न' सम्मान प्रदान किया गया। संचालन सत्यनारायण सनाढ्य ने किया। इस अवसर पर विजेता क्लब के प्रभारी कुबेर सिंह चावड़ा भी उपस्थित रहे।

बी. एन. मैदान में विशाल योग शिविर

शिविर से पूर्व पत्रकारों को सम्बोधित करते योग गुरु परमतेज, देव वासवानी, पूनमचंद पटेल एवं अन्य।

उदयपुर। आर्ट ऑफ लिविंग संस्थान की ओर से बी. एन. कॉलेज प्रांगण में ख्याति प्राप्त योग गुरु स्वामी परमतेज के सान्निध्य में 8 से 10 मार्च तक प्राणायाम एवं ध्यान योग शिविर आयोजित किया गया। योग गुरु ने बताया कि योग शरीर एवं मन को आत्मा से जोड़ता तो है ही साथ ही कष्ट आने से पहले ही उसका निदान भी करता है। योग के माध्यम से नकारात्मक भावों को रोका जा सकता है। राजस्थान के प्रथम एपेक्स बॉडी देव वासवानी ने बताया कि उद्योग जगत में भी इस तरह के शिविर आयोजित हो रहे हैं, जिनका उद्देश्य कर्मचारी को तनाव मुक्त होकर अपने कार्य में सही दिशा एवं गति प्रदान कराना है। शिविर में प्रचार-प्रमुख हातिम अली एवं पूनम चंद पटेल ने भी विचार व्यक्त किये। शिविर का बड़ी संख्या में जनसाधारण ने लाभ उठाया।

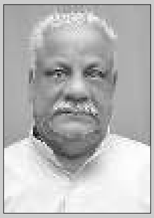

चित्तौड़गढ़। नेता प्रतिपक्ष नगर परिषद् चित्तौड़गढ़ संदीप शर्मा के पिताश्री **जगदीशराज जी शर्मा** का 16 फरवरी 2017 को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे पुत्र संदीप व पुत्री सविता तथा भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

उदयपुर। समाजसेवी **श्री भंवरलाल जी कुमावत** (विद्यार्थी रस भंडार) का 27 फरवरी 2017 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पत्नी श्रीमती गीता देवी(पूर्व पार्षद), पुत्र लोकेश, योगेश, जितेश व दुर्गेश कुमावत का सम्पन्न-समृद्ध परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन पर गृहमंत्री गुलाबचंद कटारिया, पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. गिरिजा व्यास, सांसद अर्जुनलाल मीणा, पूर्व सांसद रघुवीर सिंह मीणा, यूआईटी चेयरमैन रवीन्द्र श्रीमाली, महापौर चन्द्रसिंह कोठारी सहित अनेक संगठनों व राजनेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

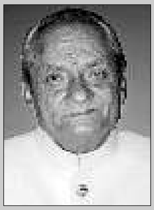

उदयपुर। मेवाड़ एज्यूकेशन सोसायटी, चित्तौड़गढ़ के संस्थापक-अध्यक्ष एवं श्री रामचन्द्र के बड़े भ्राता तथा श्री गोविन्द लाल गदिया के पिताश्री **भंवरलाल जी गदिया** का 15 मार्च, 2017 को आकस्मिक स्वर्गवास हो गया। वे अपने पीछे निजी व शिक्षक, छात्र-छात्राओं का विशाल परिवार छोड़ गए हैं।

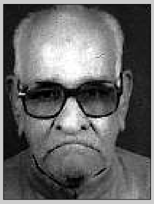

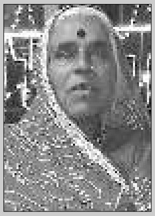

उदयपुर। श्री शंकरलाल जी वैष्णव की धर्मपत्नी **श्रीमती कमला देवी वैष्णव** का 14 मार्च, 2017 को आकस्मिक देहावसान हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, पुत्र राजेश(पत्रकार), रमेश वैष्णव, पुत्री लक्ष्मी सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। प्रेम मार्बल्स प्रा. लि. के श्री परमेश्वर अग्रवाल की धर्मपत्नी **श्रीमती शकुन्तला देवी** का 24 फरवरी 2017 को निधन हो गया। वे अपने पीछे शोकाकुल पति, श्वसुर शंकरलाल जी अग्रवाल, पुत्र करण व पुत्री कनिका तथा उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। आरएनटी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रशासनिक अधिकारी श्यामसुन्दर देवपुरा की धर्मपत्नी **श्रीमती मंजुला** का 6 मार्च को देहावसान हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पति, पुत्र शालीन व विनय पुत्री सुरभि व उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

उदयपुर। वरिष्ठ पत्रकार **श्री संजय गोठवाल** (73) का 15 मार्च, 2017 को आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन पर पत्रकार संगठनों एवं विभिन्न राजनैतिक दलों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। वे 'ब्लिट्ज', 'करंट', 'वीर अर्जुन' आदि समाचार पत्रों के रिपोर्टर रहे। वे परिवार में व्यथित हृदय धर्मपत्नी श्रीमती अनिता देवी, पुत्र दिनेश व सुनील तथा पुत्री ममता तथा उनका भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

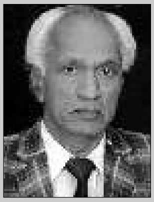

उदयपुर। स्व. श्री मदनमोहन जी पुरोहित की धर्मपत्नी **श्रीमती गोपाल बाई** का 27 फरवरी, 2017 को निधन हो गया। वे अपने पीछे व्यथित हृदय पुत्र कृष्ण गोपाल व प्रमोद तथा पुत्रियां शकुन्तला देवी, विमला देवी, रतन देवी, उमा देवी, चंद्रकांता व रमादेवी तथा उनका भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

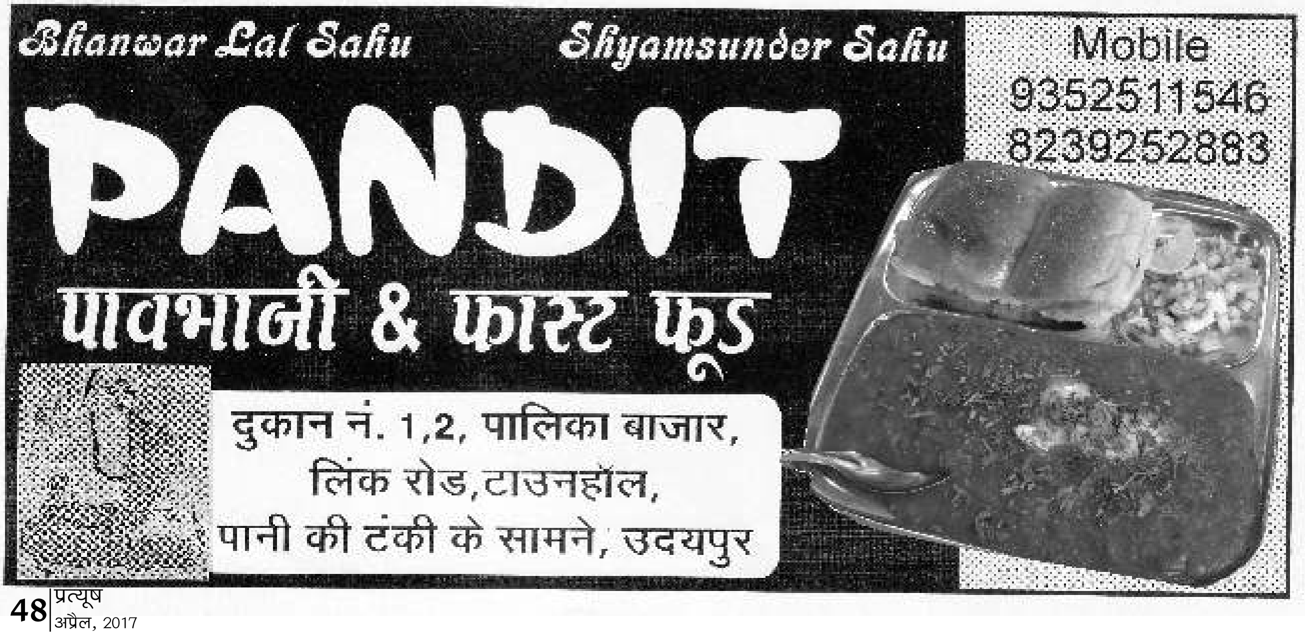

GATEWAY TO GLOBAL EDUCATION

- Fully air conditioned Wi-Fi campus at par with International Standards
- CCTV cameras and 24x7 Security guards for foolproof security in the campus
- Fleet of self-owned buses with CCTV Cameras and GPS Monitoring system.
- Age appropriate, structured, child centered curriculum
- TAC / NFPA approved Fire Fighting system in the campus.
- Expansive outdoor play area for Basketball, Lawn Tennis, Football, Hockey, Cricket, Volleyball, Skating & many more indoor and outdoor games.
- Well stocked spacious library and state of the art labs.
- Separate Boys & Girls hostels equipped with all modern amenities
- Ideal Student - Teacher Ratio
- Education Quality Audits at regular intervals to ensure quality and performance
- Online Parent Interaction System
- Offering Science, Commerce & Arts streams in Grade XI and XII (CBSE Board) .
- Dedicated, experienced and consistently trained faculty
- Specialized Synchro-study programme for IX-XII for preparation of competitive exams

WITTY KIDS®
Preschool and Activity Club

WIS
WITTY INTERNATIONAL SCHOOL®

Sukher, Udaipur | Call on: 92142 55667 / 668 | udr@wittykidsindia.com, www.wittykidsindia.com

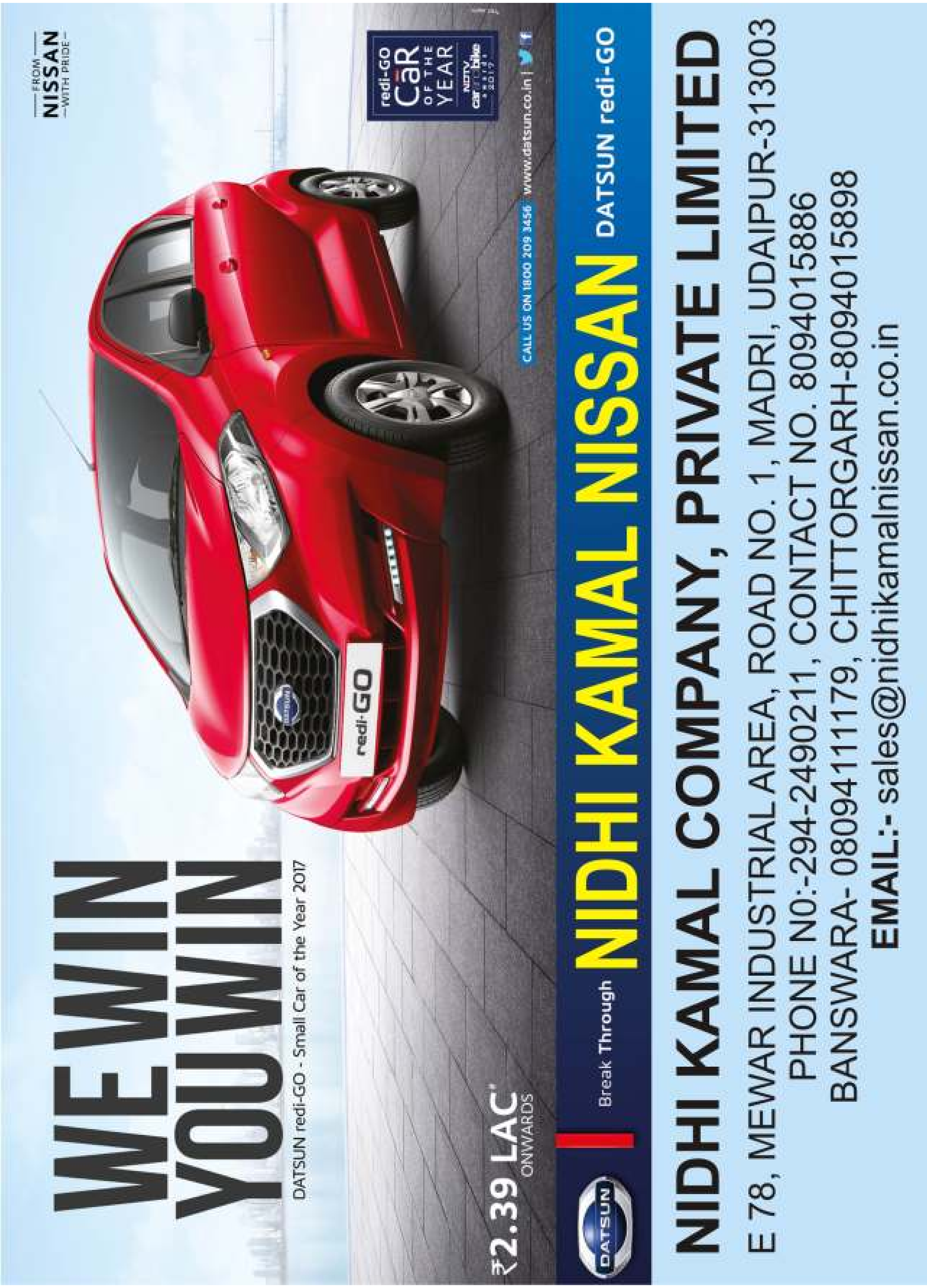

FROM NISSAN WITH PRIDE
WE WIN YOU WIN
DATSUN redi-GO - Small Car of the Year 2017
₹2.39 LAC* ONWARDS
redi-GO CaR OF THE YEAR NDTV car and bike awards 2017
redi-GO
CALL US ON 1800 209 3456 www.datsun.co.in
DATSUN
Break Through NIDHI KAMAL NISSAN DATSUN redi-GO
NIDHI KAMAL COMPANY, PRIVATE LIMITED
E 78, MEWAR INDUSTRIAL AREA, ROAD NO. 1, MADRI, UDAIPUR-313003
PHONE N0:-294-2490211, CONTACT NO. 8094015886
BANSWARA- 08094111179, CHITTORGARH-8094015898
EMAIL:- sales@nidhikamalnissan.co.in

जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ (डीम्ड) विश्वविद्यालय

प्रतापनगर, उदयपुर-313001 (राजस्थान) फोन : 0294-2492441, फेक्स : 0294-2492440
E-mail : admissions@jrnrvu.edu.in

प्रवेश प्रारम्भ : सत्र 2017-18

फेकल्टी ऑफ मैनेजमेन्ट स्टडीज (एफ.एम.एस.) फोन 0294-3296232, 2490632

- मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एम.बी.ए.)
- मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेन्ट (एम.एच.आर.एम.)
- एम.बी.ए. एग्जिक्यूटिव

माणिक्यलाल वर्मा श्रमजीवी महाविद्यालय, फोन : 0294-2413029, 2410829
फेकल्टी ऑफ सोशल साइन्सेज एण्ड ह्युमिनिटीज

स्नातकोत्तर
- एम.फिल.-अंग्रेजी, हिन्दी, समाजशास्त्र, संस्कृत, राजनीतिक विज्ञान, अर्थाशास्त्र भूगोल
- एम.ए.- अंग्रेजी, हिन्दी, संस्कृत, राजनीतिक विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, समाजशास्त्र

स्नातक ● बी.ए.

डिप्लोमा कोर्सेज : ● जी.आई.एस. एवं रिमोट सेन्सिंग ● योग शिक्षा
● प्रोफेसिएन्सी इन इंग्लिश एवं कम्युनिकेशन स्किल ● सर्टिफिकेट कोर्स-स्पोकन इंग्लिश ● बी.जे.एम.सी.

फेकल्टी ऑफ कॉमर्स, मोबाइल : 98290 77724

- एम.फिल. – बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन और एकाउन्टिंग ।
- एम.कॉम. – ए.बी.एस.टी., बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन
- **स्नातक (बी.कॉम)**
- **डिप्लोमा कोर्सेज :** इंश्योरेन्स एवं बेकिंग मैनेजमेंट मार्केटिंग, सेल्स मैनेजमेन्ट
- टेक्सेशन ● कम्प्युटर बेसिक्स एवं एकाउन्टिंग

डिपार्टमेन्ट ऑफ एज्युकेशन

- बी.ए.– बी.एड (इन्टीग्रेटेड) / बी.एस.सी.– बी.एड. (इन्टीग्रेटेड)

सायंकालीन महाविद्यालय मोबाइल : 94141 66432

- बी.ए., बी.कॉम. ● एम.ए., एम.कॉम. (सभी विषयों में)

डिपार्टमेन्ट ऑफ बिजनेस मैनेजमेन्ट स्टडीज (फोन 0294-2413548)

- बेचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन–(बी.बी.ए.)
- मास्टर ऑफ इन्टरनेशनल बिजनेस–(एम.आई.बी.)
- मास्टर ऑफ एन.जी.ओ. मैनेजमेन्ट
- पी.जी. डिप्लोमा – ट्रेनिंग एवं डवलपमेन्ट

फेकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी मोबाइल : 9829009878 फोन : 0294-2490210

- बी.टेक. – सिविल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल एवं कम्यूनिकेशन इंजिनियरिंग, कम्प्यूटर साइन्स
- डिप्लोमा – सिविल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रोनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कम्प्युटर साइन्स एवं इंजीनियरिंग
- बी.एस.सी. (भौतिक विज्ञान, गणित, रसायन शास्त्र/कम्प्युटर)
- एम.एस.सी. (ऑर्गेनिक केमेस्ट्री)

फेकल्टी ऑफ कम्प्युटर साइंस एण्ड इनफोरमेशन टेक्नोलॉजी
(फोन : 2494227, 2494217, मोबाइल : 9887285752)

- एम.फिल. (कम्प्युटर साइंस) ● एम.सी.ए. (मास्टर ऑफ कम्प्युटर एप्लीकेशन्स)
- एम.एस.सी. (कम्प्युटर साइंस) ● पी.जी.डी.सी.ए.
- बी.सी.ए. (बेचलर ऑफ कम्प्युटर एप्लीकेशन्स)

इंस्टीट्यूट ऑफ राजस्थान स्टडीज (साहित्य संस्थान) (फोन 0294-2491054)

- **एम.ए. - प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विज्ञान**
- पीजी डिप्लोमा – पुरातत्व विज्ञान
- सर्टिफिकेट कोर्स – फ्रेन्च / **जर्मन लेंग्वेज**

उदयपुर स्कूल ऑफ सोशियल वर्क (फोन 0294-2491809)

- मास्टर ऑफ सोशल वर्क (MSW) ● पी.जी. डिप्लोमा – HRM
- पी.जी. डिप्लोमा – NGO मेनेजमेंट ● पी.जी. डिप्लोमा – ग्रामीण विकास

डायरेक्ट्रेट ऑफ जनशिक्षण एवं विस्तार कार्यक्रम (फोन : 2490723)

- लोक शिक्षण विभाग ● कम्युनिटी सेन्टर डिपार्टमेन्ट ● जनपद
- मंगलमूर्ति इंदिरा गांधी जनता कॉलेज ● डिपार्टमेन्ट ऑफ लाइफ लॉन्ग लर्निंग
- डिपार्टमेन्ट ऑफ रूरल टेक्नोलॉजी (बी.एस.सी. रूरल टेक्नॉलोजी एण्ड मैनेजमेन्ट)
- डिपार्टमेन्ट ऑफ वुमन स्टडीज (फोन : 2490234)
- बैचलर इन जेण्डर स्टडीज एण्ड टेक्नोलोजी
- पी.जी. डिप्लोमा – जेण्डर स्टडीज एण्ड टेक्नोलॉजी
- डिप्लोमा – कम्प्युटर एप्लीकेशन्स
- सर्टिफिकेट कोर्स – पर्सनालिटी डवलपमेन्ट एवं कम्युनिकेशन स्किल

फेकल्टी ऑफ एज्युकेशन
लोकमान्य तिलक टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज, डबोक (फोन : 0294-2655327, 2657753)

● एम. फिल. ● एम.एड. ● एम.ए. (एजुकेशन) ● बी.एड. ● बी.ए.-बी.एड./ बी.एस.सी.-बी.एड. ● बी.एड. (बाल विकास) ● एस.टी.सी. ● एम.पी.एड. बी.एड.-एम.एड. (इन्टीग्रेटेड)

कन्या महाविद्यालय, डबोक (फोन : 0294-2655327, 9414812900)

● बी.ए. ● बी.कॉम.

फेकल्टी ऑफ मेडिसिन
आर.वी. होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी (बी.एच.एम.एस.)
(फोन : 0294-2655974, 2655975, मोबाइल : 09414156701, 09351343740)

- बेचलर ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एण्ड सर्जरी (बी.एच.एम.एस.)

डिपार्टमेन्ट ऑफ फिजियोथेरेपी (फोन : 0294.2656271, मोबाइल : 8952809766)

- मास्टर ऑफ फिजियोथेरेपी ● बेचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- डिप्लोमा-कम्युनिटी बेस्ड रिहेबीलेटेशन

शारीरिक शिक्षा विभाग, मोबाइल : 98299 43205, 93525 00445

- मास्टर इन फिजिकल एजुकेशन

नोट : प्रवेश एवं उपर्युक्त लिखित कोर्सेस एवं न्यूनतम अंक, फीस स्ट्रक्चर आदि के बारे में और अधिक जानकारी के लिए लॉग ऑन कीजिए ।
website www.jrnrvu.edu.in

Phone
+91-2956 293029, 293129
Cell
+91-9982868699
+91-9829699413
+91-9928944005
ARANYAWAS
RESORT, RESTAURANT, BAR & SPA
Village:- Maga
Teh. Gogunda
Distt:- Udaipur
Rajasthan India
Accommodation & Services
• 25 Deluxe cottages
• Swimming pool
• Music Room & Library
• Restaurant & Bar
• Intercom, Spa & Doctors on Call
Recreation
• Bird Watching & Painting
• Horse Ride, Camel Ride
• Jeep Safari
• Nature Walks & Camping
• Theme Lunches & Dinner
Excursions
Half & full day escorted tours of Kumbhalgarh Fort & Ranakpur Temple
For reservation Email :- aranyawasgm@gmail.com
City Office :- 27, Trade House, Ashwini Bazar, Udaipur, Rajasthan, India